



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 14] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 4, 1998 (चैत्र 14, 1920)
No. 14] NEW DELHI, SATURDAY APRIL 4, 1998 (CHAITRA 14, 1920)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

[सामान्य सूचनाएँ द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएँ जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएँ सम्मिलित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक
केन्द्रीय कार्यालय
सरकारी और बैंक लेखा विभाग
बम्बई, दिनांक मार्च 1998

भारत सरकार के राजपत्र में 20 अप्रैल, 1946 को प्रकाशित तथा 29 अप्रैल, 1954 को अधिसूचना सं० एफ० (8) 70/बी/5 और भारत सरकार के दिनांक 21 फरवरी, 1990 के अवाधाराण राजपत्र सं० 67 के प्रतर्गत यथा संशोधित लोक ऋण अधिनियम, 1944 की धारा 28 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा बनाये गये नियमों के नियम 18 के अनुसरण फरवरी, 1998 को समाप्त माह के लिए निम्नलिखित सूची खो गयी आदि ऐसी प्रतिभूतियों के बारे में एतद्वारा विज्ञापित की जाती है, जिसके संबंध में इस बात का विश्वास करने के लिए प्रथम दृष्टया आधार मौजूद है कि प्रतिभूतियाँ खो गयी हैं और आवेदकों का दावा न्यायोचित है। नीचे लिखे गये संबंधित दावेदारों से इतर सभी व्यक्ति जिनका इन प्रतिभूतियों पर किसी प्रकार का दावा हो, तत्काल मुख्य लेखाकार, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी और बैंक लेखा विभाग, केन्द्रीय ऋण प्रभाग, मुंबई को संसूचित करें। सूची दो भागों में विभाजित की गयी है। भाग क में अभी पहली बार विज्ञापित प्रतिभूतियाँ शामिल की गयी हैं और भाग 'ख' में पूर्व विज्ञापित प्रतिभूतियों की सूची दी गयी है।

“सूची क”

प्रतिभूतियों का क्रमांक	मूल्य रु०/ग्राम	किसके नाम से जारी की गयी	व्याज धारित किये जाने की तारीख	डुप्लिकेट जारी करने/ भुगतान मूल्य की अदायगी के लिए दायेदार (रों) का/के नाम	जारी किये गये आदेश की सं० तथा तारीख
1	2	3	4	5	6
		राष्ट्रीय रक्षा स्वर्ण बॉन्ड 1990 'ए' श्रृंखला (जेनरई सर्कल)			
एम०एस०-037513	7 ग्राम	एस०पोम्नया	24-12-65	पी० राबर्ट	जी०एम० डायरी सं० 79 दिनांक 26-2-1998

“सूची ख”

प्रतिभूतियों का क्रमांक	मूल्य रु०/ग्राम	किसके नाम से जारी की गयी	व्याज धारित किये जाने की तारीख	डुप्लिकेट जारी करने/ भुगतान मूल्य की अदायगी के लिए दायेदार (रों) का/के नाम	जारी किये गये आदेश की सं० तथा तारीख
		6.25 प्रतिशत श्रृण 1997 (कलकत्ता सर्कल)			
सी०ए० 001509	10,000/-	भारतीय रिजर्व बैंक	द्वितीय अर्ध वर्ष तक का व्याज अदा किया गया।	इंडियन बैंक	फाइल सं० आई-2343 दिनांक 13-1-98 का महा-प्रबंधक का आदेश देखिए दिनांक 13-1-98 का डी० वाई० सं० एल० सी० ओ० 92
		6.50 प्रतिशत श्रृण 2002 (कलकत्ता सर्कल)			
सी०ए० 000108	13,000/-	भारतीय रिजर्व बैंक	20वां अर्ध वर्ष तक का व्याज अदा किया गया है।	न्यासी कलाराइड पेंशन फंड	फाइल सं० आई०-2523 दिनांक 26-12-97 का महा-प्रबंधक का आदेश देखिये दिनांक 26 दिसम्बर 1997 का डी० वाई० सं० 3 सी०ओ०-85
सी०ए० 001300	25,000/-	भारतीय रिजर्व बैंक	20वां अर्ध वर्ष तक का व्याज अदा किया गया है।	--वही--	--वही--
सी०ए० 001847	10,000/-	भारतीय रिजर्व बैंक	20वां अर्ध वर्ष तक का व्याज अदा किया गया है।	--वही--	--वही--
		9 प्रतिशत राहत पत्र 1993 (नई दिल्ली)			
डी०एच० 000021	2,50,000/-	रोशन लाल	जारी करने की तिथि रोशन लाल से परिचितता अवधि तक	रोशन लाल	दिनांक 3-1-93 एल० एन० 15/97

एन० ए० आहूले
हुते मुख्य महा प्रबंधक

स्टेट बैंक आफ इन्दौर

(ग्रामान कार्यालय)

इन्दौर, दिनांक 23 मार्च 1998

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि बैंक के उन संयंत्र धारियों के नाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिन्हें वर्ष 1997-98 के लिए उनके द्वारा धारित संयंत्रों पर सामांश बंधे हैं सकता है, यदि बोर्ड द्वारा घोषित किया जाए, स्टेट बैंक आफ इन्दौर को संयंत्रधारियों का रजिस्टर अंतरण के लिए दिनांक 25-05-1998 से 20-06-1998 तक (योंकी दिन शामिल) बन्द रहेगा।

निदेशक मंडल के आदेश से
नन्द किशोर महाराज
प्रबन्ध निदेशक

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1998

सं० एन-15/13/14/13/96-यो० एवं बि०—(2)
कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम-1950 के विनियम 95-क) के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-3-1998 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा तमिल नाडु कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1954 में निदिष्ट चिकित्सा हितलाभ तमिल नाडु राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात् :

“जिला विरूधूनगर के तालुक राआपालायम में राजस्व ग्राम असायीपट्टी, एस० रामालिंगपुरम और अरासी आरपट्टी और तालुक श्रीविलीपुथूर में राजस्व ग्राम पिल्लीआरकुलम के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।”

एल० के० पटनायक,
संयुक्त निदेशक (यो० एवं बि०)

सं० एन-15/13/1/6/97-यो० एवं बि०—(2)
कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम-1950 के विनियम 95-क) के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-3-1998 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा आन्ध्रा प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1955 में निदिष्ट चिकित्सा हितलाभ आन्ध्रा प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात् :

“जिला रंगा रेड्डी के तालुक कुतबुलापुर में राजस्व ग्राम गगीलापुर और हुन्डीगल के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

एल० के० पटनायक
संयुक्त निदेशक (यो० एवं बि०)

सं० एन-15/13/14/12/96-यो० एवं बि०—(2)
कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम-1950 के विनियम 95-क) के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-3-1998 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा तमिल नाडु कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1954 में निदिष्ट चिकित्सा हितलाभ तमिल नाडु राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात् :

“जिला इन्डीगुल के तालुक इन्डीगुल में राजस्व ग्राम थोटानूथु, सिन्धालाकुन्डु और पिथालाईपट्टी और तालुक पलानी में राजस्व ग्राम आयाकुडो पश्चिम, सिवागिरी पट्टी और आयाकुडो पूर्व के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

एल० के० पटनायक
संयुक्त निदेशक (यो० एवं बि०)

सं० एन-15/13/6/10/96-यो० एवं बि०—(2)
कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम-1950 के विनियम 95-क) के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-12-1997 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा केरल कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1957 में निदिष्ट चिकित्सा हितलाभ केरल राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात् :

“जिला त्रिचूर के थालापिल्ली तालुक में राजस्व ग्राम चोवानूर और त्रिचूर तालुक में थेन्गालूर के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

एल० के० पटनायक
संयुक्त निदेशक (यो० एवं बि०)

क्षेत्रीय कार्यालय उड़ीसा

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

भुवनेश्वर-7, दिनांक 16 मार्च 1998

विषय : कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत चरम्पा (भद्रक) क्षेत्र की स्थानीय समिति का पुनर्गठन

सं० 44-बी-34/12/28/89-हितलाभ— एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 10-क के अन्तर्गत जिला भद्रक उड़ीसा के चरम्पा क्षेत्र की स्थानीय समिति का पुनर्गठन कर दिया गया है, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे। यह समिति इस अधिसूचना के जारी होने की तिथि से प्रभावी होगी।

- विनियम 10-क (1) (क) के अन्तर्गत उप जिलाधिकारी, भद्रक। अध्यक्ष
- विनियम 10-क (1) (ख) के अन्तर्गत जिला श्रम अधिकारी, भद्रक। सदस्य
- विनियम 10-क (1) (ग) के अन्तर्गत प्रभारी बीमा चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, चरम्पा। सदस्य
- विनियम 10-क (1) (घ) के अन्तर्गत
 - (1) श्री धरम सिंह, साक्षीदार, मैसर्स श्री पोहोप सिंह राईस मिल, चरम्पा, भद्रक। सदस्य
 - (2) श्री एस० के० शर्मा, निदेशक मैसर्स उत्कल फ्लोर मिल्स (निजी) लिमिटेड, चरम्पा, भद्रक। सदस्य
- विनियम 10-क (1) (ङ) के अन्तर्गत
 - (1) श्री मोहम्मद विश्वाल, पर्यवेक्षक, मैसर्स तारिनी रबर इन्डस्ट्रीज, चरम्पा, भद्रक। सदस्य

(2) श्री विजय कुमार गुप्ता, सदस्य
मैसर्स विजय राईस मिल्स,
चरम्पा, भद्रक।

6. विनियम 10-क (1) (च) के अन्तर्गत प्रबन्धक, स्थानीय कार्यालय, पदेन सचिव सदस्य कर्मचारी राज्य बीमा निगम, जयपुर रोड।

यू० एच० राय,
क्षेत्रीय निदेशक

कर्मचारी राज्य बीमा निगम उड़ीसा, भुवनेश्वर।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

(केन्द्रीय कार्यालय)

नई दिल्ली-110 066, दिनांक 3 मार्च 1998

सं. 2/1959/डी. एल. आई/भाग-1/4470—जहाँ जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना को कर्मचारी कोई अलग बंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निशेष सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडू ने स्कीम की धारा 18 (7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची

क्रम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट प्राप्ति की तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल सं०
1	2	3	4	5
1.	मै० एन० एल० सी० ई० थिफ्ट एण्ड क्रेडिट सोसा- यटी लि०, ब्लॉक-12, नेवली-607803	टी० एन०/टी० आर०/8170	1-1-90 से 31-12-92 व 1-1-93 से 31-12-95 व 1-1-96 से 31-12-98	डी० एल० आई०/14 (293) 97

1	2	3	4	5
2.	मै० सेलडीन वायर प्रोडक्ट्स प्रा० लि०, बी-1, सिदकी इन्डस्ट्रीयल एस्टेट, कुणागिरी—635001	टी० एन०/एस० एल० एम०/ 17077-ए	1-4-95 म 31-3-98	डी० एल० आई०/11- (295)97
3.	मै० काली कामपोजिट मेटल्स, 42/6-बी, मद्रास रोड, मेलाकावेरी कुम्भाकोनम—612002	टी० एन०/17782	1-10-87 म 30-9-90 व 1-10-90 स 30-9-93 व 1-10-93 म 30-9-96	डी० एल० आई०/14 (209)96
4.	मै० जी० के० एण्ड सन्सज, 30, मद्रास बाई पास रोड, मनारपुरम, त्रिचिरापल्ली—620020	टी० एन०/19603	1-3-89 म 29-2-92	डी० एल० आई०/14 (276)97
5.	मै० लक्ष्मी मेडिकल सर्विसिज, 23-बी, रामाकुप्पा रोड, सलीम-636007।	टी० एन०/एस० एल०/ 21340-ए	1-12-96 म 30-11-99	डी० एल० आई०/14 (296)97
7.	मै० शक्योसाफ्ट ड्रिक्स लि० 15, शास्त्री रोड, रामनगर, कोयंबटूर—641009।	टी० एन०/21889	1-9-96 म 31-8-99	डी० एल० आई०/14 (294)97

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पदवात्त नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजगा और लेखा जोखा रखगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निरीक्षण करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के अण्ड के अधीन समय-समय पर निदेश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसकी अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणीयों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रतिलिपि और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रतिलिपि तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरक्षित दर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुसूचित हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवत् राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवत् होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्विशेषी को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना विधिकरण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हानि या नुकसान यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए बिना किसी व्यतिरिक्त की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एच. भट्टाचार्य
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/4481—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्थापना' कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि के प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी वर्ग अलग अलग या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'स्कीम' कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश ने स्कीम की धारा 18(7) के अंतर्गत छील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	गोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	मै० श्री कृष्णा इम प्रा० लि०, एस० नं० 57, रायकुन्ता, गोलकोण्डा कला समसाबाद मण्डल, जिला रंगारेड्डी (आ० प्र०)	ए० पी० एच० वाई० 21964	1-3-93 से 29-2-96 और 1-3-96 से 28-2-99	1/113/97 डी० एल० आई०
2.	मै० रसदाइल सरामिक्स लि०, 6-3-655/12, दूसरी मंजिल, सिबिल सप्लाइज भवन लेन, सोमाजिगुडा, हैदराबाद-500482, आ० प्र० तथा शाखाएं	ए० पी० एच० वाई० 26246	1-2-95 से 31-1-98	1/114/97

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के तहत के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का वंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाग वाचि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उनकी मुख्य बातों का अन्वयात् स्थापना के सूचना पत्र पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पड़ता ही गवस्य है, उसकी स्थापना में निर्धारित किया जाता है तो निर्धारक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबल करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो निर्धारक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप में वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों को लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की प्रत्येक इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जहाँ वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो निर्धारक कर्मचारी के विधिक धारि/नाम निर्धारकों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उद्देश्यों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े की संभावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुविधाजनक अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के लिए स्थापना पहले ही अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली राशि किसी राशि से कम हो जाए तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश निर्धारक उस निगम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम निगम करने प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और तारीखों को स्पष्ट हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. निर्धारक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए बिना किसी व्यतिक्रम की दशा में उन बात सदस्यों के नाम निर्धारकों या विधिक धारि/नाम के बीच यह छूट न हो गई होरी हो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने। बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व निर्धारक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में निर्धारक इस स्कीम के अंतर्गत आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्धार दाय निर्धारकों/विधिक धारि/नाम को बीमाकृत राशि का संदाय तत्पश्चात् से और मृत्यु दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एस. भट्टाचार्य
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

में 2/1959/डी. एन. आई./भाग-1/4489—अहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्तार्थों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अन्य अंगदान या प्रीमियम की अवस्था बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं और कि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निबंध सहाय्य बीमा स्कीम 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा पान्त दियार्यों का प्रयोग करने हेतु तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित बातों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के माधने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात ने स्कीम की धारा 18 (7) के अंतर्गत ताल प्रदान की है, 3 वर्ष की अदीध के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड नं०	छूट प्राप्ति की तिथि	क० भ० नि० आ० फाइल सं०
1.	मै० स्वाभितिक आरगेनिक्स, सावर डायरी रोड, एन० एच० नं० 8, पिपलोवी पोस्ट हाजीपुरा, हिम्मत नगर (गुजरात)	गुज०/15800	1-12-89 से 30-11-92 1-12-92 से 30-11-95 1-12-95 से 30-11-98	4/89/97/ डी०एच०आई०
2.	मै० टैक्नो केमिकल्स, 2 फ्लोर, सिर्नजी हाऊस मुभान पुरा रोड, बड़ोवा-390007	गुज०/20484	1-12-95 से 30-11-98	4/90/97/ डी०एच०आई०

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिस इराते इसमें पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निरीक्षण करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की दृष्ट-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पत्रले ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजक किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी यादत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को भेजने करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ उठाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अंकुश हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुसूचित हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय

राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारियों के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिमय अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये चिन्ता किसी व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न बी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होती, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर मनिफेस्ट करेगा।

एस. भट्टाचार्य

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

दिनांक 11 मार्च 1998

सं० के० भ० नि० आ० 1 (4) ओ० आर० (1608)/97/4681—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से सम्बन्धित नियोजकता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें।

क्रम सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1	ओ० आर०/7259	मै० बिहेरा एन्टरप्राईजिज, एट० भालूपट्टरा, पोस्ट, बेल्टी, डि० सुन्दरगढ़, (उड़ीसा)।	1-12-96
2	ओ० आर०/5023	मै० बालासोर को० आ० अरबन बैंक लि०, एट० पी० ओ० विवेकानन्दा मार्ग, एट० पी० ओ० डि० बालासोर-756001.	1-4-96

1	2	3	4
3.	ओ० आर०/4985	मै० दि टलचर को० आ० एग्रीकल्चर एण्ड रूरल डेवलपमेंट बैंक लि०, एट/पी० ओ० टलचर (हाटाटोला), डि० अंगुल ।	1-10-95
4.	ओ० आर०/4924	मै० कामाख्या नगर को० आ० एग्रीकल्चर एण्ड डेवलपमेंट बैंक लि०, एट/पी० ओ० कामाख्या नगर, डि० धनकनाल, (उड़ीसा) ।	1-4-95
5.	ओ० आर०/4957	मै० हिरडल को० आ० एग्रीकल्चर एण्ड रूरल डेवलपमेंट बैंक लि०, एट/पी० ओ० हिरडल, डि० धनकनाल (उड़ीसा) ।	1-4-95
6.	ओ० आर०/7157	मै० मिन्ज एसोसिएट्स 16, एन० ए० सी० मार्किट (ओल्ड टैक्सी स्टैण्ड), राऊरकेला-1.	1-1-96
7.	ओ० आर०/5206	मै० धर्मगढ़ को० आ० एग्रीकल्चर एण्ड रूरल डेवलपमेंट बैंक लि०, एट/पी० ओ० धर्मगढ़ डि० कालाहांडी (उड़ीसा) ।	1-6-96
8.	ओ० आर०/5010	मै० स्पेशल सिन्धोरिटी सर्विस, नेहरू नगर, मेन रोड, बरहामपुर-760003 । डि० गन्जाम ।	1-10-95
9.	ओ० आर०/4919	मै० बरहामपुर को० आ० एग्रीकल्चर एण्ड रूरल डेवलपमेंट बैंक लि०, एटी/पी० ओ० बरहामपुर, नियर एस० जी० आई० मेन ब्रांच, डि० गन्जाम ।	1-9-94
10.	ओ० आर०/आर० एल०/ 7075	मै० सन्टा कैमिकल्स (प्रा०) लि०, प्लॉट नं० 140 एण्ड 141, इंडस्ट्रीयल इस्टेट, डि० सुन्वरगढ़, कालुंगा-770031, उड़ीसा ।	1-12-94

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर उस या उसी प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शाये गये हैं ।

एस० भट्टाचार्य,
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० के० भ० नि० आ० 1 (4) एम० एच० (1609)/97/4695—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से सम्बन्धित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें ।

क्रम सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	स्थापित की तिथि
1	2	3	4
1.	एम० एच०/एन०के०/50964	मै० फल्पाक टूल्स एण्ड एलाईड प्रोडक्ट्स प्रा० लि०, प्लॉट नं० जी-23, एम० आई० डी० सी० अम्बाड, नासिक-422010.	1-1-97
2.	एम० एच०/95959	मै० एन० एम० एन्टरप्राइजिज, एटी/पोस्ट, पिगोन्डे (अम्बेघर), ताल० रोहा, डि० रायगढ़-402106.	1-8-96

1	2	3	4
3.	एम० एच०/95964	मै० एस० ओ० फेब्रिकेटर्स महाराष्ट्रा को० आ० हाऊसिंग सोसायटी, नं० सी-82, रूम नं० 1/2 सेक्टर-26, बशी न्यू मुम्बई-400705.	1-9-96
4.	एम० एच०/95971	मै० सुधन कंस्ट्रक्शन कं० इंजीनियर्स एण्ड कांस्ट्रक्टर्स, गावल अली एट पोस्ट नैगोथाने, ताल०-रोहा, डि०-रायगढ़-402106.	1-9-96
5.	एम० एच०/95972	मै० काशीनाथ शंकर राठोड आर० सी० एफ० लेबर कालोनी, वेशीट-आलीबाग- रायगढ़-402208.	1-8-96
6.	एम० एच०/95986	मै० श्री लक्ष्मी इंडस्ट्रीज, नैगोथाना, नियर ओल्ड पेट्रोल पम्प (मुम्बई-गोवा रोड) ताल०-रोहा डि०-रायगढ़ ।	1-10-96
7.	एम० एच०/96002	मै० लक्ष्मी एन्टरप्राइजिज आप-नं० 2, पर्रीबाग, नियर जयसिंह प्लास्टिक कं०, चकला रोड, अंधेरी (ईस्ट) मुम्बई-400099.	1-8-96
8.	एम० एच०/96029	मै० जय भवानी कंस० एण्ड सप्लायर एटी पोस्ट पिगोंडे (अम्बेधर) ताल०-रोहा डि०-रायगढ़ ।	1-11-96
9.	एम० एच०/96065	मै० डायमण्ड इंजीनियरिंग वर्क्स, अम्जारखान, एट पोस्ट नैगोथाने, ताल० लोहा, डि० रायगढ़ ।	1-1-97
10.	एम० एच०/96070	मै० अम्बिका कंस्ट्रक्शन कम्पनी; 101, देवी अम्नापूर्ण प्रीमिसिज को० आ० सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 8, सेक्टर-18, बशी, न्यू मुम्बई-400705.	1-11-96
11.	एम० एच०/96097	मै० टेजाल कंस्ट्रक्शन्स, 209, रचना प्लॉट नं० 3, सेक्टर-17, बशी न्यू मुम्बई-400705.	1-11-96
12.	एम० एच०/96145	मै० तृप्ति इन्टरप्राइजिज, एट काडसुर पी० ओ० पिगोंडे ताल रोहा, डि० रायगढ़ ।	1-4-97
13.	एम० एच०/96146	मै० अधिकारी ब्रोडर्स वर्क्स, एट एण्ड पोस्ट नैगोथाने, ताल० रोहा, डि० रायगढ़ ।	1-3-97
14.	एम० एच०/96188	मै० मार्क कंस्ट्रक्शन, एच-2, एम० गांधी चौक, अपो० रायगढ़ बाजार, नैगोथाने रायगढ़-402106.	1-1-97
15.	एम० एच०/96189	मै० सुपर्ब कंस्ट्रक्शन्स, एट खडक अली पी० ओ० नैगोथाने, रोहा डि०-रायगढ़-402106.	1-1-97

1	2	3	4
16.	एमएच/96216	मै० यशवन्त आईलीगर ब्रोडर्स, एट० पोस्ट नैगोथाने, ताल० रोहा डि० रायगढ़-402106	1-1-97
17.	एमएच/96227	मै० पी० सी० भावसर, एट एण्ड पोस्ट नैगोथाने, (हाईवे रोड) ताल० रोहा, डि० रायगढ़-402106	1-1-97
18.	एमएच/95997	मै० विशाल इंटरप्राइजेज, पोस्ट आफिस रोड, पोस्ट नैगोथाने, ताल० रोहा, डि० रायगढ़	1-10-96
19.	एमएच/गोवा/10615	मै० गोवा मोल्ट क्राफ्टर्स (प्रा०) लि०, प्लॉट नं० 2, मारगांव इण्ड० इस्टेट सेंट जोस डे एरियल सल्केट, गोवा-403709	1-5-97
20.	एमएच/गोवा/10632	मै० गोवा चेम्बर आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री, गोवा चेम्बर बिल्डिंग, रूआ-डे-ओरमज, पी० ओ० बाक्स नं० 59, पणजीम, गोवा	1-4-97
21.	एमएच/गोवा/10621	मै० पूजा प्लास्टिक्स, बी० पी० 16, बैन्जीनिम ओल्ड गोवा, गोवा-403402	1-5-97
22.	एमएच/केपी/100097	मै० श्री कृष्णा सहकारी दूध व्यावसायिक संस्था, मर्यादित, बघानी, ताल० कागल, डि० कोल्हापुर.	1-12-96
23.	एमएच/गोवा/10575	मै० स्टार ईरथमूवर्स, काकोडकर बिल्डिंग, नियर सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, काकोडा-कुरचोर्मा, गोवा-403706	1-10-96
24.	एमएच/गोवा/10586	मै० पार्ले न्यूट्रास्वीट प्रा० लि०, प्लॉट नं० एल-68, बीरना इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, बीरना सल्केट गोवा-403722.	1-12-96
25.	एमएच/गोवा/10594	मै० ऊरुपी होटल, चावडो, कानाकोना, गोवा-403706	1-1-97
26.	एमएच/95993	मै० तृप्ता कंस्ट्रक्शंस, शाप नं० 2, पर्सी बाग, नियर जयसिंह प्लास्टिक कं०, चकला रोड, अन्धेरी (ई) मुम्बई-400099	1-6-96
27.	एम०एच०/के०पी०/100061	मै० श्री बिरदेव शाह पानी पूर्वत संस्था मर्यादित, वशी, ताल-करवीर, डि० कोल्हापुर ।	1-11-96
28.	एम०एच०/के०पी०/100115	मै० भोसले इंजीनियर्स, प्लॉट नं० बी-68, एम० आई० डी० सी० शिरोली, कोल्हापुर ।	1-10-95
29.	एम०एच०/के०पी०/100116	मै० ऑटो कम्पोनेंट एन्टरप्राइजिज, प्लॉट नं० जी-58, एम० आई० डी० सी०, शिरोली, कोल्हापुर-416122 ।	1-6-97
30.	एम०एच०/के०पी०/100119	मै० पन्डुरांग सहकारी दूध व्यवसायिक संस्था लि०, पलकारवाडी, ताल राधानगरी, डि० कोल्हापुर ।	1-3-97

1	2	3	4
31.	एम०एच०/100120	मै० श्री भावेबाश्री शाह दूध व्यवसायक एण्ड कल्पी पुरक सेवा संस्था लि०, उत्तर, ताल अजारा, डि० कोल्हापुर ।	1-4-97
32.	एम०एच०/के०पी०/100125	मै० गरवारे इलास्टोमरिक्स लि०, प्लॉट नं० सी-2, एम० आई डी० सी-वाई, डि० सतारा—412803 ।	1-4-97
33.	एम०एच०/के०पी०/100128	मै० कावायेमहाकल डेवलपमेंट क्रेडिट सोसायटी लि०, कावायेमहाकल, डि० सांगली ।	1-4-96
34.	एम०एच०/के०पी०/100129	मै० श्री दिनकरराव जाधव नगरी सहकारी पत संस्था मार्यादित, गरगोती, ताल० भुदरगढ़, डि० कोल्हापुर ।	1-5-97
35.	एम०एच०/के०पी०/100132	मै० नवचैतन्या नगरी सहकारी पत संस्था मार्यादित, असीत, डि० सतारा ।	1-8-97
36.	एम०एच०/100137	मै० श्री हनुमान सहकारी दूध व्यवसायक संस्था मार्यादित, केम्बाली, ताल० कागल, डि० कोल्हापुर ।	1-5-97
37.	एम०एच०/100138	मै० मुडसिंगी दूध उत्पादक सहकारी सोसायटी लि०, मुडसिंगी ताल० करवीर, डि० कोल्हापुर ।	1-4-97
38.	एम०एच०/के०पी०/100140	मै० नरखेचा इंडस्ट्रीज, बी-58/59, एम० आई० डी० सी०, शिरोली, कोल्हापुर ।	1-5-97
39.	एम०एच०/के०पी०/100141	मै० श्री अरुण नराके नगरी सहकारी पत संस्था मार्यादित, 1897 "ए" वार्ड, रं काला रोडम, कोल्हापुर ।	1-4-97
40.	एम०एच०/के०पी०/100142	मै० सुपरटेक, सी-63, एम० आई० डी० सी० शिरोली, इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कोल्हापुर—416122 ।	1-4-95
41.	एम०एच०/के०पी०/100143	मै० गरगोती जनता नगरी शाह पत संस्था लि०, गरगोती ताल० भुदरगढ़, डि० कोल्हापुर ।	1-8-97
42.	एम०एच०/के०पी०/100144	मै० निर्मति उग्यानपेठ अजारा, ताल० अजारा, डि० कोल्हापुर ।	1-3-97
43.	एम०एच०/के०पी०/100146	मै० श्री रावलनाथ सहकारी दूध व्यवसायक संस्था लि०, परनोली, ताल० अजारा, डि० कोल्हापुर ।	1-8-97
44.	एम०एच०/के०पी०/100154	मै० आटो एसेम्बली सेंटर, 9/664-सी, बिल्डिंग नं० 38, इंडस्ट्रीयल इस्टेट, आईचलकराजी—416115, डि० कोल्हापुर ।	1-4-97

1	2	3	4
45.	एम०एच०/के०पी०/100155	मै० श्री वर्धमान नगरी सहकारी पत संस्था लि० मार्गद्वित, 9/550 ए, महावीर रोड, वर्धमान चौक, आईचलकरजी—416115, डि० कोल्हापुर ।	1-4-97
46.	एम०एच०/के०पी०/100156	मै० वि कोरेगांव को० आप० पीपल्स बैंक लि०, कोरेगांव—415501, डि० सतारा ।	1-8-97
47.	एम०एच०/के०पी०/100157	मै० दत्ताजीराव बगं नगरी सहकारी पत संस्था मार्गद्वित, कोरेगांव, ताल० कोरेगांव, डि० सतारा ।	1-8-97
48.	एम०एच०/के०पी०/100158	मै० श्री हनुमान शाह दूध व्यवसायक संस्था ऐरे, गाडेगोंडावाडी, ताल० करवीर, डि० कोल्हापुर ।	1-11-96
49.	एम०एच०/के०पी०/100166	मै० श्री हनुमान सहकारी दूध व्यवसायक संस्था मार्गद्वित, होसूर, ताल० करवीर, डि० कोल्हापुर ।	1-6-97
50.	एम०एच०/95025	मै० यशवन्त होस्पिटल, महाड, डि० रायगड—402301 ।	1-1-92
51.	एम०एच०/95036	मै० दास आफसोर इंजीनियरिंग प्रा० लि०, डी-377, एस० आई० डी० सी०, कुकशेठ विल्लेज, नियर—एच० पी० डि० थाणे ।	1-7-93
52.	एम०एच०/95054	मै० न्यू बोम्बे आफसेट प्रिन्टर्स, डी०-384, कुकसेट विहाइन्ड हरडिल्ला कैमिकल्स, नियर—बावीलाल गैसिज न्यू मुम्बई, डि० थाणे ।	1-4-93
53.	एम०एच०/95331	मै० केन्वीन कन्फक्शनर्स, प्लॉट नं० 89, सिडको सर्विस इंड० एरिया, सेक्टर—23, टरभे, न्यू मुम्बई—400705 ।	1-7-94
54.	एम०एच०/95319	मै० एस० के० कंसट्रक्शन, एन० एल-5/13/16, सेक्टर 3, नेरुल, न्यू मुम्बई—400706 ।	1-7-94
55.	एम०एच०/95645	मै० एन्जॉय रफिजिरेशन सर्विस सेंटर, शाप नं० 12, खोपकर अपार्टमेंट, कुम्भरवाडा, थूरान—400702 । डि० रायगड (एम० एच०) ।	1-9-95
56.	एम०एच०/95647	मै० विरगो इंटरनैशनल, पो० बा० नं० 212, "दायप्रायाग" रावी इंडस्ट्रीयल कम्पाउंड, पंचपाखाडी, थाने—400602 ।	1-8-95
57.	एम०एच०/95756	मै० विरगो टेलिकाम सिस्टम्स प्रा० लि०, पो० बा० नं० 212, "देवप्रायाग" रावी इंडस्ट्रीयल कम्पाउंड, पंचपाखाडी, थाने—400602 ।	1-8-95

1	2	3	4
58.	एम०एच०/95757	मै० विरगो इलेक्ट्रॉनिक, एन्टरप्राइजिज, पो० बा० नं० 212, देवप्रसाग, रवि इंडस्ट्रीयल कम्पाऊंड, पंचपाखाड़ी, थाणे—400602 ।	1-8-95
59.	एम०एच०/95826	मै० चेमट्रोन सर्विस लैबोरेट्री, ई० एल०-47, इलेक्ट्रॉनिक्स जॉन, महाराष्ट्र, टी० टी० सी० इंडस्ट्रीयल एरिया, न्यू मुम्बई—400701 ।	1-8-95
60.	एम०एच०/95880	मै० ओ० एन० जी० सी० एम्पलाईज कन्जुमर्स को० आपरेटिव सोसायटी लि०, कैटीन बिल्डिंग, एल० पी० जी०/सी० एस० यू० प्लांट, ओ० एन० जी० सी०, यूरान, डि० रायगढ़—400702, (एम० एच०) ।	1-3-95
61.	एम०एच०/95889	मै० ब्राइट इंडस्ट्रीज, मोरा फ्यूड नं० 7, यूरान मोरा रोड, पी० ओ० नाइ करान्जा, डि० रायगढ़ (एम० एच०) ।	1-7-96
62.	एम०एच०/95646	मै० जे० आर० काडू कंटरक्टर्स, एट० नागाव-पीरवाड़ी, ताल० यूरान, डि० रायगढ़ ।	1-11-95
63.	एम०एच०/95775	मै० भारत कंसल्टेशन, होटल टीस्साई, कोटनाका, यूरान—400702, न्यू मुम्बई ।	1-1-96
64.	एम०एच०/95918	मै० पुमा इंजीनियर्स एण्ड कंसल्टेंट्स प्रा० लि०, आर-625, एम० आई० डी० सी० राबले, टी० टी० सी० इंड० एरिया, न्यू मुम्बई—400701 ।	1-8-96
65.	एम०एच०/95958	मै० एस० पी० कोली, कंटरक्टर्स लेबर एण्ड गार्डन मैट्रियल सप्लायर्स, एटी० हनुमान कोलीवाड़ा ताल० ऊरान, डि० रायगढ़ ।	1-8-96

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर उस या उसी प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गयी है ।

एस० भट्टाचार्य
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० के० भ० नि० आ० (4) एम० एच० (1607) 97/4771—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोजता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें।

क्रम सं०	कोड सं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1.	एम एच/95640	मै० प्रीवेंटिव मेन्टीनेन्स सर्विस, 85, न्यू मोडेला को० आ० प्रीमिसिज सोसायटी लि०, पेडवाल नगर, वेगल इस्टेट, थाणे-400604	1-9-95
2.	एम एच/95666	मै० राहुल कंसट्रक्शन, ए-2/20, सैक्टर-21, टरभे, न्यू मुम्बई	1-9-95
3.	एम एच/95922	मै० मिनट इंजीनियरिंग कंसट्रक्शन, टेक बिल्डिंग नं० 279, फस्ट फ्लोर, नेमोधाने, रायगढ़, महाराष्ट्र	1-8-96
4.	एम एच/के पी/100021	मै० स्टेपवर प्रीसीजन प्रा० लि० एम-2, ए० डी० एम० आई० डी० सी० एरिया, सतारा-415004	20-3-96
5.	एम एच/95078	मै० देसाई एसोसिएट्स, फस्ट फ्लोर, पिटर बिल्डिंग खरकराली, थाणे-400601	1-9-93
6.	एम एच/42415	मै० भारती कैंटरर्स एण्ड हाऊस कीपिंग, 3/302, "राजमाता" हाऊसिंग सोसायटी, निमर आर० टी० ओ०, अंधेरी (वैस्ट) मुम्बई-400058	1-11-95
7.	एम एच/42417	मै० शुभ इंडस्ट्रीज, 11/12/13, बी०, वैभव इंडस्ट्रियल इस्टेट, जांघीवली बिलेज, साकी विहार रोड, पावई, अंधेरी (ईस्ट) मुम्बई-400072	31-12-96
8.	एम एच/95251	मै० क्रिस्टल इंडिया, बिल्डिंग-114, एम० आई० डी० सी० 11, डोम्बीवली-421004 डि० थाणे (एम० एच०)	1-7-93
9.	एम एच/एन के/50720	मै० अकोल तालुका सहकारी खरेडी विकरी संघ लि० ए/पी एण्ड तल० अकोल, डि० अहमदनगर-622601	1-4-93
10.	एम एच/95210	मै० नाहूर इलेक्ट्रॉनिक्स सर्विसिज, शाप नं० ए-5, मिटराघाम बिल्डिंग, नियर सर्वोदया नगर, मुलुंड (वैस्ट) मुम्बई-400080	1-1-94
11.	एम एच/42551	मै० रुमा इन्वेस्टमेंट (प्रा० लि०) 104, काशीराम जमनावास बिल्डिंग, 5, पी० डी० मेल्लो रोड मुम्बई-9	1-4-96
12.	एम एच/50536	मै० विडेम मशीन्स (प्रा०) लि०, प्लॉट नं० 912, रोड नं० 17, एम० आई० डी० सी०, सतपुर नासिक-422007	1-2-94

1	2	3	4
13.	एम एच/गोवा/10556	मै० नीलिमा टवीन्स एण्ड रोप्स प्रा० लि० टवीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, करावाड़ा, मपूसा-गोवा	1-5-94
14.	एम एच/एम के/50589	मै० महारानी प्लास्ट प्रा० लि० डी-95, ए० डी० एम० आई० डी० सी० एरिया, जलगांव-425003	1-6-94
15.	एम एच/50275	मै० शामा स्पार्कलर्स, शामा नगर, शिरसौली-425126, डि० जलगांव	31-3-92
16.	एम एच/39146	मै० एयम्को पेस्टीसीड्स लि०, अखंड ज्योति, 8वां रोड़, पी० बी० नं० 6822, सान्ताक्रुज (ई) मुम्बई-400055	1-6-91
17.	एम एच/एन के/50912	मै० पुष्पामोती कोल्ड स्टोरेज प्रा० लि०, सी-31, एम आई० डी० सी० अहमदनगर-414111	1-11-96
18.	एम एच/गोवा/10616	मै० डी० पी० सी० मोटर्स प्रा० लि०, "विष्णु स्मरुति" अल्टीन्हो मपूसा-403507	1-4-97
19.	एम एच/गोवा/10603	मै० टी० बी० के० ट्रेडर्स, ई-86, मांरुतिगड़ माला, एणजी, गोवा	1-4-97
20.	एम एच/के पी/100084	मै० श्री बिरदेव सड़कारी पानी पूर्वथा मंडली लि० अर्जनवाड, ताल० शिरोल, डि० कोल्हापुर	1-11-96
21.	एम एच/के पी/100072	मै० श्री कामधेनु शाह बूध व्यवसायाक संस्था लि०, एट पोस्ट पाडली, ताल० हटकांगल, डि० कोल्हापुर	1-3-97
22.	एम एच/के पी/100085	मै० धोगरई नहरी शाह पत० संस्था लि०, पाडली, ताल० हटकांगल, डि० कोल्हापुर	1-3-97
23.	एम एच/42674	मै० रोचेम सेपरेशन सिस्टम्स (इंडिया) प्रा० लि०, 401/402, सवलीश कोर्ट सी० टी० एस०, प्लॉट नं० एफ-1412, पंडित बर्वे रोड़, बान्द्रा (व०) मुम्बई-400050	1-8-96
24.	एम एच/52550	मै० बीमस पेट्रोकेमिकल्स (बोम्बे) प्रा० लि०, 27, फस्ट फ्लोर, मिनर्वा कैम्प, डी, सीवरी बंडरई सीवरी (ईस्ट) मुम्बई-400015	1-10-94
25.	एम एच/एन के/50901	मै० भास्करराव गलंडे पाटिल इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, अशोक नगर, ताल० श्रीरामपुर, अहमदनगर-413717	1-4-96

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आधुनिक उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर उस या उसी प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गयी हैं।

(एस० भट्टाचार्य)
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. के. म. नि. आ. 1 (4) एम. एच. (1608)/97/4802—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से सम्बन्धित नियोजता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें।

क्रम सं०	कोड सं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1.	एम. एच./42033	मै. इंडियन हेल्थ ओरगेनाइजेशन, म्युनिसिपल स्कूल बिल्डिंग, जे. जे. होस्पिटल कम्पाउंड, मुम्बई-400008.	1-4-96
2.	एम. एच./42136	मै. ए-1, एन्टरप्राइजिज, यूनिट सं. 2, ग्राऊंड फ्लोर, श्रीएटिव इंडस्ट्रीज, काजीना, सान्ताक्रुज (इस्ट), मुम्बई-400098.	1-1-96
3.	एम. एच./42479	मै. आईडल मॉनिटोरिंग रिपोर्ट्स प्रा. लि., अलवारल हाऊस, फस्ट फ्लोर, 188 बीरसावरकर मार्ग, महिम, मुम्बई-400016.	1-8-96
4.	एम. एच./42618	मै. सुनील कैरियर्स एंड ट्रेडर्स प्रा. लि., 4, कोली समाज, बिल्डिंग, अपो. सीवरी रेलवे स्टेशन; सीवरी (ई) मुम्बई-15.	1-4-96
5.	एम. एच./42620	मै. पोपली गोल्ड प्लाजा, प्लॉट नं. 188-ए, टरनर रोड, बाग्रा (वैस्ट, मुम्बई-400050.	1-4-97
6.	एम. एच./42633	मै. आनन्द पेंडोचेम, कोली समाज बिल्डिंग, सीवरी (ईस्ट) मुम्बई-400015.	1-4-96
7.	एम. एच./42640	मै. ऑनशोर कंसल्टेशन कं. प्रा. लि., बिल्डिंग नं. 4बी/106, पोवई विहार कॉम्प्लेक्स, ए-एस मार्ग, पोवई मुम्बई-400076.	1-4-97
8.	एम. एच./42643	मै. ओरिएन्ट टेलिमेडिक्स प्रा. लि., सी-145, स्टेशन प्लाजा, स्टेशन रोड भंरूप, मुम्बई-400078.	1-4-97
9.	एम. एच./एनके/50623	मै. अशोक सहकारी शेखर कारखाना पंजरदार नोकरांही सहकारी पत पेडी लि., अशोक नगर, ताल. शीरी रामपुर, डि. —अहमदनगर।	1-3-94
10.	एम. एच./50762	मै. मून-लाईट सीमेंट ट्रेडर्स लि., प्लॉट नं. 43, साऊ नगर, पिम्परासा रोड, जलगांव।	1-4-95
11.	एम. एच./एनके/50814	मै. गरुड सहकारी कुक्कुट पालन व्यवसायक संस्था लि., ए/पी. धुलवाडी, संगामनर शूगर फैक्ट्री, संगामनर, अहमदनगर-422608.	1-4-95
12.	एम. एच./एनके/50871	मै. भडगांव को. आ. फ्रूट सेल सोसायटी लि. ताल. भडगांव डि. —जलगांव-425105.	1-4-96
13.	एम. एच./एनजीपी 61312	मै. एम. एस. ई. बी. एम्पलाईज क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी, नियर महाकाली मंदिर, ऊधव वाडी, चन्द्रापुर।	31-8-94

1	2	3	4
14.	एम० एच०/60469	मै० दि वेडर्स को० आपरेटिव सोसायटी, केयर ऑफ :—सैट्रल रेलवे स्टेशन, सेवाग्राम, वर्षा-442001.	1-9-91
15.	एम० एच०/61888	मै० एम० एस० ई० बी० एम्पलाईज को-आपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि०, श्रमशक्ति, अपोजिट—शान्ताजी मंदिर संकट मोचन रोड, येओटमल ।	1-11-96
16.	एम० एच०/61955	मै० मॉन्टफोर्ट हाँयर सैकेण्डरी स्कूल, केमरिथ विल्लेज बिमीनी पी० ओ० बल्लारपुर, बन्द्रापुर डि० (एम० एस०)-442701.	1-7-96
17.	एम० एच०/61969	मै० होटल विजयलक्ष्मी द्वार एण्ड रेस्टोरेंट, सराय बाई, सिविल लाईन, बन्द्रापुर ।	1-4-97
18.	एम० एच०/42804	मै० प्रताप एंटरप्राइजिज, एडी० एम० जे० डी० मेल्लो हाऊस, राऊथ, मरोल, मुम्बई-400059.	1-3-97
19.	एम० एच०/42806	मै० कार्यासिद्धि ब्लोवर सिस्टम प्रा० लि०, 9/4/11, हाईलैंड पार्क, भिवानी नगर, मरोल, मरोशी रोड, अंधेरी (ईस्ट) मुम्बई-400059.	1-6-97
20.	एम० एच०/42809	मै० जगदम्बा सिक्योरिटी सर्विस, हिल एण्ड डल सैकण्ड फ्लौर, नियर बाग्रा पुलिस स्टेशन, एबोय अभ्यादया को-आ० बैंक, हिल रोड बाग्रा (वैस्ट) मुम्बई-400050.	1-9-97
21.	एम० एच०/42811	मै० मेको मेटर्स० प्रा० लि०, 301, भारत ईड० इस्टेट टी० जे० रोड, सीवरी, मुम्बई-400015.	1-4-97
22.	एम० एच०/61813	मै० जीवनकार ब्रोदर, बाजार चौक हिंगना, डि०—नागपुर-441110.	1-4-96
23.	एम० एच०/42818	मै० ममीन इलेक्ट्रीकल्स, 10, पिन्जारा बिल्डिंग गौथान रोड, विरर (व०) डि०—थाणे-401303.	1-6-97
24.	एम० एच०/42822	मै० सेठको इंजीनियरिंग एण्ड कंसलटन्सी प्रा० लि०, डी० सी० सिल्क मिल्स कम्पाऊंड, 5, कोंडीबिटा रोड अंधेरी कुर्ली रोड, मुम्बई-400059.	1-4-97
25.	एम० एच०/42824	मै० प्रीसीजन प्लास्टिक एण्ड फ्रैब्रीका इंस०, सरिता इस्टेट गाला 35 जरीमरी, मुम्बई-400072.	30-6-94
26.	एम० एच०/42830	मै० अजय कंसल्टेशन, अपो० आई० आई० टी० मेन गेट, गोखले नगर, जय भारत चावल, रूम न० 1, पोवई, मुम्बई-400076.	25-6-97
27.	एम० एच०/42832	मै० रॉयल इंजीनियरिंग, 47/371, ट्रांजीट कैम्प रिकलामेशन, नियर-रजवी गाडन, बान्द्रा (व०) मुम्बई-400030.	1-4-97

1	2	3	4
28.	एम० एच०/42845	मै० विमल इंजीनियरिंग वर्क्स, जे०-113, फस्ट फ्लौर अंसा इंडस्ट्रीयल इस्टेट, साकी विहार रोड साकी नाका अंधेरी (ई) मुम्बई-72.	1-7-97
29.	एम० एच०/42846	मै० डन एण्ड ब्रेडस्ट्रीट इंफोरमेशन सर्विसिज इंडिया प्रा० लि०, फस्ट फ्लौर साकी विहार रोड पोवई, मुम्बई-400072.	1-9-97
30.	एम० एच०/42851	मै० परल्स, 239/ए-2, शाह एण्ड नाहर इंड० इस्टेट, धनराज मिल्स कम्पाऊंड, एस० जे० मार्ग, लोवर पारेल, मुम्बई-400013.	1-4-97
31.	एम० एच०/42852	मै० प्रोमिस, ए-2/336 शाह एण्ड नाहर इंड० इस्टेट, धनराज मिल कम्पाऊंड, एस० जे० मार्ग लोवर पारेल, मुम्बई-400013.	1-4-97
32.	एम० एच०/42870	मै० जैन इंजीनियरिंग, 64/209, पोपट कम्पाऊंड, एस० बी० रोड जोगेश्वरी (व०) मुम्बई-400102	1-1-97
33.	एम० एच०/42872	मै० आर० जे० मंजरेकर एण्ड सन्स, एफ/150, मधुवन, जे० पी० रोड, अंधेरी (व०) मुम्बई-40005.	1-4-97
34.	एम० एच०/50789	मै० प्रतीक एजेंसीज, नियर--टॉवर, 187, नवी पेठ, जलगांव-425001.	1-4-96
35.	एम० एच०/50924	मै० जलगांव मर्चेन्ट्स सहकारी बैंक लि० 8, बलिराम पेठ, एम० जी० रोड, जलगांव ।	1-3-97
36.	एम० एच०/एम०के०/50962	मै० दूध गंगा नगरी सहकारी पत संस्था मार्यादित, ए/पी० संगामनर, डि०--अहमदनगर ।	1-4-97
37.	एम० एच०/गोवा/10601	अजस्ता मैडिकल (प्रा०) लि०, प्लॉट नं० 71, बेथोरा इंडस्ट्रीयल इस्टेट, पोंडा--गोवा-403401.	1-4-94
38.	एम० एच०/गोवा/10627	मै० काकुलो ऑटोमोबाईल्स (प्रा०) लि०, 16, शास्ता, सेंट, आइनेज, पणजी--गोवा-403001.	1-7-97
39.	एम० एच०/गोवा/10629	मै० विद्वित इंजीनियरिंग सर्विसिज पी० ओ० बाक्स नं० 230, मारगोआ--गोवा-403601.	1-8-97
40.	एम० एच०/39480	मै० आस्कर प्रिन्ट एण्ड एलाईड प्रा० लि०, एस-2/263, शाह एण्ड नाहर इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोवर पारेल, मुम्बई-40 00 13.	1-4-93

1	2	3	4
41.	एम०एच०/४२२५६	मै० ए०एस०डी० इंडिया लि०, हेष्णू प्लाजा, फस्ट फ्लोर, बसस्टेशनल जोशी मार्ग, विले पारले (ब०) मुम्बई-५६.	१-४-९६
42.	एम०एच०/४२४५३	मै० शीतल एन्टरप्राइजिज रामा-गुलाब अपार्टमेंट, सुभाष रोड, विले पारले (ई०) मुम्बई-५७.	१-१२-९६
43.	एम०एच०/४२४५४	मै० सोनेट्टा ट्रेडिंग (प्रा०) लि० ५३, प्रभात अपार्टमेंट हनुमान रोड, विले पारले (ई) मुम्बई-५७.	१-१२-९६
44.	एम एच/४०५४२	मै० प्रिन्ट, ए/२, २२९ शाह एण्ड नाहर इंडस्ट्रीयल इस्टेट, लोवर पारले, एस० जे० मार्ग, मुम्बई-४०००१३.	३१-३-९४
45.	एम एच/४०५८२	मै० एल्फा आफसेट, ३८०/ए-२, शाह एण्ड नाहर इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोवर पारले, मुम्बई-४०००१३.	१-४-९४
46.	एम एच/४२५८९	मै० लयका एक्सपोर्ट लि० ७७, नेहरू रोड, विले पारले (ई) मुम्बई-९९.	१-१२-९६
47.	एम एच/४२५९०	मै० स्पनवेज कारपोरेशन, १७३/१५ ए मोहम्मद इस्टेट, बाम्ना-कुर्ली, लिक रोड, सान्ताक्रुज (ई) मुम्बई-९८.	१-११-९६
48.	एम एच/४२६९३	मै० मेटलाक कम्पनी, १/२१, उषा निकेतन, महन्त मार्ग, विले पारले (ई) मुम्बई-५७.	१-५-९७
49.	एम एच/४२६९४	मै० श्री गोविन्द एन्टरप्राइजिज, ५३, प्रभात अपार्टमेंट, सुभाष रोड, विले पारले (ई) मुम्बई-४०००५१.	१-६-९७
50.	एम एच/४२६९५	म० यूनाईटेड सी० पी० एन० इन्स० (प्रा०) लि० विनायक २७, तेजपाल स्कीम रोड, नं० ५, विले पारले (ई), मुम्बई-५७.	१-८-९६
51.	एम एच/४२७६३	मै० महा आटो कार एजेंसी (प्रा०) लि० १६६, सी० एस० टी० रोड, कलीना सांताक्रुज (ई०) मुम्बई-९८.	१-१२-९६
52.	एम एच/४२७८५	म० एलेगन जिन्टीरियस (प्रा०) लि० १, शिव शंकर, आर डी० रोड, विले पारले (ब०) मुम्बई-५६.	१-४-९७
53.	एम एच/४२७८६	मै० श्रीराम एसोसिएट्स, ११, रुबि २८-३०, जयशंकर को०-आ० हाऊसिंग सोसायटी, सेक्टर नं० १, चड्ढा नगर चेम्बूर, मुम्बई-४०००८९.	१-४-९७
54.	एम एच/४२७९१	मै० आलोक एन० इंजीनियर्स एण्ड कांस्ट्रक्टर्स, १६-बैमव लिफ्टिंग रोड, सान्ताक्रुज (ब०) मुम्बई-५४.	१-५-९७

1	2	3	4
55.	एम एच/42795	मै० ई० एम० ई एस० फैंब्रिकेशन प्रा० लि० प्लॉट नं० 8/827, भारत नगर, बम्बई-कुर्ला काम्पलेक्स, बाम्ब्रा (ई), मुम्बई-400051.	2-5-97
56.	एम एच/42797	मै० ओरिऑन स्पोर्ट्स सर्विसिज, 20, न्यू पूनम, यूनिवर्स पार्क खार, मुम्बई-400052.	1-4-97
57.	एम एच/42801	मै० अविनाश इंजीनियरिंग वर्क्स मनी भवन, तीसरी मंजिल, सियान-ट्रोबे रोड, चेम्बूर मुम्बई-71	1-4-97
58.	एम एच/42803	मै० त्रिपुरा कंसट्रक्शन, बी 2, गीतम अपार्टमेंट, वादाभाई रोड, विले पारले (व०) मुम्बई-400056.	1-4-97

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर उस या प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गयी हैं।

एस० भट्टाचार्य
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सा. का. सं. 2/1959/डी.एन.आई./एजम/89/
भाग-2/4872—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियमावली ने
(जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी
भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952
का 19) की धारा 17 की उप धारा 2(क) के अंतर्गत छूट के
लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम
कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि
उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की
अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा

निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं और ऐसे
कर्मचारीयों के लिए कर्मचारी निधेय सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976
के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसके
पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत
सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा
तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनु-
सरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के
संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए
छूट प्रदान कर दी गई है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके
नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति तिथि	छूट विस्तार तिथि	के०भ०नि०आ० फा० नं०
1.	मै० एसियाटिक इन्स्ट्रियल गेसेज लि०, नरसपुर मार्ग, डाक० बालानगर- 500937	ए०पी०/ 3344	2/1959/एजम/ डी०एल०आई० पार्ट-1, दिनांक 15-11-97	31-1-97	1-2-97 से 31-1-2000	2/3894/91 डी०एल०आई०
2.	मै० नवीन डीजल, पो० डा० नं० 1, प्रशांत नगर, कुरुप्पा-516002	ए०पी०/ 17169	दिनांक 29-8-97	31-10-97	1-11-97 से 31-10-2000	2/2411/90

1	2	3	4	5	6	7
3.	मै० ऊषा किरन मुबीज, 1-10-76, फेयर फिल्ड बेगमपेट, हैदराबाद-500016	ऐ०पी० एच०वाई०/ 16953	दिनांक 7-1-93	31-1-93	1-2-93 से 31-1-96 1-2-96 से 31-1-99	2/4347/92
4.	मै० स्टैन्डर्ड मेडिकल एण्ड फार्मेस्यूटीकल्स ए०पी०/ लि०, 6-3-152, काटोलिया सोमजीगुडा, हैदराबाद-आ० प्र० 500082, 4 शाखाएं	16379	दिनांक 25-10-96	30-9-96	1-10-96 से 30-9-99	2/3243/90
5.	मै० पितकिनी बेंचरेज प्रा० लि०, गुडोपलीपाडू-524314, नैल्लोर, जिला-आ० प्र०	ए०पी०/ 16946	दिनांक 13-8-97	31-7-97	1-8-97 से 31-7-2000	2/2145/90
6.	मै० पायनियर स्पनिंग एवं वीविंग मिल्स लिमिटेड, पो० बा० नं० 27, प्रतुर-चितुर जिला आ० प्रा०-	ऐ०पी०/ 14122	दिनांक 30-9-97	31-12-97	1-1-98 से 31-12-2000	1/43/96
7.	मै० एल०वी० प्रसाद, आई. इंस्टीट्यूट, रोड, नं० 2, बंजारा हिल्स, हैदराबाद-500034	ए०पी०/ ए०.वाई०/ 18482	दिनांक 13-8-97	31-7-96	1-8-96 से 31-7-99	2/4470/92
8.	मै० श्री नारायण मीडियूट आफ हायर मेडिकल साइन्स, प्रशान्ती ग्राम-515134 अनंतापुर, जिला आ० प्र०	ऐ०पी०/ 25594	दिनांक 14-8-97	31-10-97	1-11-97 से 31-10-2000	1/64/97
9.	मै० इण्डिया सीमेंट्स लिमिटेड, पो० आ० चिलमाकुर, आ० प्र०- 516310	ए०पी०/ 20079	दिनांक 13-8-97	31-12-97	1-1-98 से 31-12-2000	2/4401/92
10.	मै० अपर इण्डिया स्टील मैनु० इंजी० कं० लि०, 51-54, इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट एरिया, गजुलमडलम-517520	ए० पी०/ 18001	दिनांक 29-8-97	28-2-98	1-3-98 से 28-2-2001	2/4867/93
11.	मै० कासी कम्बाइन्स इंजीनियरिंग प्रा० लि०, बी-14, टी०आई०ई०, फेस-II, बालानगर, हैदराबाद-500037	ए०पी०/ 19737	दिनांक 25-1-96	30-9-95	1-10-95 से 30-9-98	2/1/95
12.	मै० हैदराबाद इन्डस्ट्रीज लि०, सान्तानगर, हैदराबाद-500018	ए०पी०/ 154	दिनांक 25-1-96	29-2-96	1-3-96 से 28-2-99	2/21/95
13.	मै० दि आन्ध्र प्रदेश बैंक फारमर्स सर्विसेस को० ओपरेटिव सोसायटी लि०, टकुलापाली	ए०पी०/ 18254	दिनांक 27-9-95	29-2-96	1-3-96 से 28-2-99	2/3867/94

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसा लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निरीक्षण करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचनापट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सौंप करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि दिए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों और उक्त स्कीम के अधीन अंतर्गत है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो यह खर्च की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असमर्थ रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट खर्च की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वृत्ति में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधक वारिसों की बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एस. भट्टाचार्य
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/4891—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवयवी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहायक बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अन्तर्गत केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस निधि में उक्त स्थापना को क्षेत्रीय निधि आयुक्त, मद्रास ने स्कीम की धारा 18 (7) के अन्तर्गत हिल प्रदान की है, 3 दर्ज की उचित के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट प्राप्ति की तिथि	के०अ०नि०आ० फाइल सं०
1.	मै०एक्सन डी०/एस० डिविजन, पंजाब स्टेट इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड, नवां शहर-144514	पी०एन०/2514	1-7-93 से 30-6-96 एवं 1-7-96 से 30-6-99	12/27/97/डी०एल०आई०
2.	मै० संदीप इन्स्टीट्यूट, 25, नेता सुभाष रोड, नियर के०एम०बी० कालेज, जालंधर-144004	पी०एन०/5412	1-3-97 से 29-2-2000	12/28/97/डी०एल०आई०
3.	मै०एन० सी० माडल सिनियर सेकण्डरी स्कूल, जलन्धर कैंट	पी०एन०/9492	1-1-97 से 31-12-99	12/29/97/ डी०एल०आई०
4.	मै० रेलटोक (रजिस्टर्ड आफिस महावीर मार्ग) फापुरधला	पी०एन०/17044	1-12-96 से 30-11-99	12/30/97/ डी०एल०आई०
5.	मै० ग्रिपवेल फोर्जिंग एंड टूल्स, जलन्धर, ए-1, फोकल पॉइंट	पी०एन०/17199	1-11-96 से 31-10-99	12/31/97/ डी०एल०आई०
6.	मै० अमन मशीन टूल्स (प्रा०) लि०, मण्डी, गोबिन्दगढ़	पी०एन०/14857	1-7-95 से 30-6-98	12/13/97/ डी०एल०आई०

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के अण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय, आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रीति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रीति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बोन को हटाने हटा भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशनों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर को बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना विचार स्पष्ट करने का सुविवेक अक्सर होगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिस स्थापना पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में कम हो जाए तो छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी अतिक्रम की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवृत्तियों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवृत्तियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय

तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एस. भट्टाचार्य
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एस. आई./भाग-1/4903—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत विस्तार छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवयवी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहवर्धन बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त पंजाब ने स्कीम की धारा 18(7) के अंतर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	क०भ०नि०आ० फा०सं०
1.	मै० सुपर स्टील ट्रेडिंग क०, अमलोह रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़ (पंजाब)	पी०एन० 2857	1-3-95 से 28-2-98	12/12/97/पी०एन०

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजना और ऐसा लेखा-जोखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की सूचनाओं को 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निवेदन करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों और उक्त स्कीम को अधीन अनुक्रम हों।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के लघु राशियें उस राशि से कम हैं जो कर्मचारी को उस वक्ता में संबन्ध होती है वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना है वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का अधिकार देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए बिना किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्विवादता या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके स्वकार नाम निर्विवादता/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि का संदाय सत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एस. भट्टाचार्य
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एफएम./89/भाग-2/4910—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपार्थ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधि सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा मंत्रिमन्त्रि, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शाई गयी है, के अनुसार तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीमों के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को अपने 3-वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी गई है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

अधिसूचना

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	सरकारी अधिसूचना का सं० और तारीख जिसके अनुसार छूट/विस्तार किया गया	छूट की अवधि	के० न० नि०आ० की फाईल सं०
1.	श्री० पुरी घामया बैंक द्वारा ओ० पोपीली, जिला पुरी- 752104, उड़ीसा	उड़ी/1371	2/1959/डी०एल० आई० आई०/छूट/89/पार्ट II दि० 8-7-93	30-10-91 से 31-10-91 से 30-10-94 से 31-10-94 से 30-10-97	2/5073/93/ डी०एल०आई०
2.	श्री० रेडीएन्ट इलेक्ट्रोनिक्स लि०, ए-129, मानचैतन्य इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, भुवनेश्वर-751010	उड़ी/3279	2/1959/डी०एल० छूट/89/पार्ट II दिनांक 29-3-93	31-1-92 से 1-2-92 से 31-1-95 से 1-2-95 से 31-1-98	2/4523/92/ डी०एल०आई०
3.	श्री० उड़ीसा प्रिन्सिपल प्रोडक्शन सुल्हाई एण्ड रिमर्च पेन्टर, गोरालपुर बोन-सी, जिला गंजम-760002	उड़ी/4221	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट II दि० 1-2-94	31-8-95 से 1-9-95 से 31-8-98	2/5387/93/ डी०एल०आई०

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संघ में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् निकोषक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेंगे और ऐसा लेखा जोखा रखेंगे तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेंगे जो केंद्रीय भविष्य निधि अध्यावृत्त समय-समय पर निविष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाध करेगा जो केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्वयंसेवक प्रशासन में जिनके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाध, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाध बाबि भी है होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोचित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाय, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की यह संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि का उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वांछित आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुबंध हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संघे राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वक्ता में संघे होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारियों के विधिक बारिस/नाम निर्देशनों को प्रतिफल के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संवाध करेगा।

८. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

९. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाय तो यह रद्द की जा सकती है।

१०. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को खपगस्त होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

११. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवृत्तियों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दो गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व निवृत्तियों पर होगा।

१२. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम/निवृत्तियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एम. भट्टाचार्य
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

मुंबई, दिनांक फरवरी, १९९८

सं० यूटी/डी० बी०डी०एम/आर-१०४/एसजीडी ७१ टी/९७-९८—भारतीय यूनिट ट्रस्ट, अधिनियम १९६३ (१९६३ का ५२) की धारा १९ (१) (८) (सी) के अंतर्गत बनाए गए मासिक आय प्लान का पेशकश दस्तावेज, जो कथित अधिनियम १९९८ की धारा २१ के अंतर्गत बनाई गई मासिक आय योजना १९९८ के संबंध में है और जिसे २२-१२-१९९७ को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में अनुमोदित किया गया, इसके नीचे प्रकाशित किया जाता है।

ए० जी० प्रोप्री.
महासचिव
व्यवसाय विकास एवं विपणन

भारतीय यूनिट ट्रस्ट
मासिक आय प्लान 1998
पेशकश (ऑफर) दस्तावेज

पेशकश 28 जनवरी 1998 से 13 मार्च 1998 तक खुली है

मासिक आय प्लान 1998 भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का §2) की धारा 19 (1)(8)(सी) के अंतर्गत बनाया गया है जो कथित अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत यूटीआई के न्यासी मंडल द्वारा बनाई गई यूनिट योजना, मासिक आय योजना 1998 के संबंध में है।

- * प्लान के विवरण भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (ब्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के अनुसार तैयार किए गए हैं और जन साधारण के अभिधान हेतु पेश किए गए यूनिट सेबी द्वारा न तो अनुमोदित अथवा अननुमोदित किए गए हैं न ही सेबी ने पेशकश दस्तावेज की दधार्थता अथवा पर्याप्तता को ही प्रमाणित किया है।

प्लान का उद्देश्य

यह एक आयोन्मुख प्लान है। प्लान का उद्देश्य या तो मासिक/वार्षिक आधार पर नियमित आय प्रदान कर अथवा 5 वर्षों की अवधि के दौरान निवेश की संवृद्धि को उपलब्ध करा कर निवेशकों की आवश्यकताओं को पूरा करना है।

विशिष्टताएं

- * यह पांच वर्ष का नियत कालिक प्लान है।
- * निवासी और अनिवासी वयस्क व्यक्तियों/मानसिक रूप से विकलांग व्यक्तियों/अवयस्कों/हिंदू अविभक्त परिवारों/न्यासों/समितियों/पंजीकृत सहकारी समितियों/कंपनियों एवं बैंकों सहित निगमित निकायों/विदेशी निगमित निकायों (ओसीबी)/सेना/नौसेना/वायुसेना/पैरा मिलिट्री निधियों/भागीदारी फर्म के लिए खुला है।
- * इस प्लान के तहत तीन विकल्प हैं : i) मासिक आय विकल्प ii) वार्षिक आय विकल्प एवं iii) संचयी विकल्प।
- * ट्रस्ट प्लान के सभी 5 वर्षों के लिए मासिक आय विकल्प के तहत 12.50% प्र.व. की दर से मासिक रूप से देय (प्राप्ति 13.24%) एवं वार्षिक आय विकल्प के तहत 13.24% प्र.व. की दर से वार्षिक रूप से देय आश्वासित आय का भुगतान करेगा।
- * मासिक आय विकल्प के अन्तर्गत, मार्च 1999 तक की अवधि के लिए आय वितरण वारंट सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र के साथ भेजे जाएंगे। तदुपरांत, प्रत्येक अप्रैल-मार्च अवधि के लिए मासिक रूप से देय आय वारंट अग्रिम रूप से भेजे जाएंगे। पूरे वर्ष के लिए आय वितरण प्राप्त होने हेतु निवेशक को पूरे वर्ष के लिए यूनिटें धारण करनी होंगी।

- * वार्षिक आय विकल्प के अंतर्गत अप्रैल, 1998 से मार्च, 1999 (दिनांकित 31 मार्च 1999) तक की अवधि के लिए आय वितरण वारंट माह मार्च, 1999 में भेजे जाएंगे। तदुपरांत, प्रत्येक अप्रैल-मार्च अवधि के लिए आय वितरण वारंट मार्च में भेजे जाएंगे। फिर भी, निवेश की तिथि पर निर्भर करते हुए, चेक के जरिए, मासिक आय विकल्प के अन्तर्गत सदस्यों पर लागू सीमा में, 12.50% प्र.व. की दर से 31 मार्च, 1998 तक की अवधि के लिए, निवेशक की क्षतिपूर्ति की जाएगी। चेक सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र के साथ भेजा जाएगा।
- * संचयी विकल्प के अंतर्गत रु. 5000/- परिपक्वता पर कम से कम रु. 9310/- हो जाएंगे (प्राप्ति 13.24%)। तथापि, वर्ष में रु.10,000/- से अधिक आय पर, आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार स्रोत पर कर काटा जाएगा।
- * सभी तीनों विकल्पों के अन्तर्गत पुनर्खरीद की अनुमति 1 अप्रैल 2001 से एनएवी आधारित पुनर्खरीद मूल्य पर होगी।
- * अभिदान के बंद होने के छः माह के भीतर योजना को एनएसई के थोक ऋण खंड पर सूचीबद्ध कराया जाएगा।
- * यह गारंटी दी जाती है कि योजना में निवेशित पूंजी परिपक्वता पर सुरक्षित रहेगी अर्थात् यूनिटें सम-मूल्य से नीचे विमोचित नहीं की जाएंगी। समयपूर्व पुनर्खरीद के लिए ऐसी कोई गारंटी नहीं है तथा ऐसे मामलों में पुनर्खरीद मूल्य प्रचलित शुद्ध आस्ति मूल्य के अनुसार होगी।
- * निवेश का एक भाग इक्विटियों में होने से पूंजी वृद्धि की संभावना है।
- * आय और पुनर्खरीद/प्रतिदान प्राप्तियां एनआरआई तथा ओसीबी के लिए पूर्णतया प्रत्यावर्तनीय हैं जहां निवेश विदेशों में विप्रेषण के माध्यम से या एनआरआई खाते को नामे करके अथवा एफसीएनआर जमाओं की राशि से चेक/ड्राफ्ट जारी करके किया जाता है।
- वितरित आय और पूंजी वृद्धि से पूंजीगत अभिलाभ पर आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 एल एवं धारा 48 तथा 112 के अंतर्गत कर लाभ।
- आयकर अधिनियम 1961 की धारा 54ईए के अंतर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर से छूट, बशर्ते अवरुद्ध अवधि स्वीकृति तिथि से तीन वर्ष की हो।

निवेशकों का ध्यान आय वितरण, पुनर्खरीद और सूचीबद्धता की विशिष्टताओं की तरफ विशेष रूप से आकर्षित किया जाता है जिन्हें उपर्युक्त पैराग्राफ में मोटे अक्षरों में दर्शाया गया है।

जोखिम के तत्व

- समयपूर्व पुनर्खरीद का कोई आश्वासन नहीं है तथा ऐसे मामलों में पुनर्खरीद मूल्य शुद्ध आस्ति मूल्य पर निर्भर होगा।
- प्लान के यूनिटों में निवेशों पर बाजार का जोखिम होता है और प्लान के शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) का ऊपर या नीचे जाना बाजार की शक्तियों का प्लान के पोर्टफोलियो पर प्रभाव के ऊपर निर्भर करता है।
- पूर्व योजनाओं/प्लानों का कार्यनिष्पादन आवश्यक रूप से भावी परिणामों का द्योतक नहीं है।
- मासिक आय प्लान 1998 केवल प्लान का नाम है और यह किसी भी प्रकार से प्लान की गुणवत्ता का संकेत नहीं देता है। निवेशकों से आग्रह किया जाता है कि इस प्लान में निवेश करने से पहले वे पेशकश की शर्तों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लें।

प्रबंधन के विचार से जोखिम के तत्व

- * ट्रस्ट 33 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत है और इसने 5 करोड़ से अधिक निवेशकों से लगभग 58,000/- करोड़ रुपये की निधियों के प्रबंधन में निपुणता हासिल की है। यूटीआई पिछले आश्वासित आय योजनाओं के अन्तर्गत आश्वासित आय प्रदान करने में कभी भी असफल नहीं हुई है। यूटीआई भविष्य में ऐसे आश्वासित आय प्रदान करने हेतु अपनी संसाधनों की पर्याप्तता से संतुष्ट है। ट्रस्ट द्वारा अब तक आरंभ किए हुए अड़तीस मासिक आय प्लानों का कार्यनिष्पादन पृष्ठ संख्या 40-42 पर दिया गया है।

यूटीआई की स्थापना

यूटीआई अधिनियम, 1963 के अंतर्गत भारतीय यूनिट ट्रस्ट की स्थापना की गई थी जिसका उद्देश्य बचत एवं निवेश को प्रोत्साहन देने तथा प्रतिभूतियों के अर्जन, धारण, प्रबंधन और निपटान से ट्रस्ट को प्रोद्भूत होनेवाली आय, लाभों और अभिलाभों में सहभागिता थी। इसने 1 जुलाई, 1964 से कार्य करना आरंभ किया।

यूटीआई का प्रबंधन

ट्रस्ट के कार्यों एवं व्यवसाय का प्रबंधन न्यासी मंडल में निहित है, जिसका भारत सरकार द्वारा नियुक्त एक पूर्णकालिक अध्यक्ष होता है।

मंडल के अलावा, एक सांविधिक कार्यकारिणी समिति होती है जिसमें अध्यक्ष, कार्यपालक न्यासी तथा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा नामित दो अन्य न्यासी होते हैं। यह समिति मंडल की कार्यक्षमता के अंतर्गत आने वाले किसी भी मामले पर कार्य करने के लिए सक्षम है।

न्यासी मंडल

- | | |
|-------------------------|---|
| 1. श्री जी.पी. गुप्ता | अध्यक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट |
| 2. डॉ पी.जे. नायक | कार्यपालक न्यासी, भारतीय यूनिट ट्रस्ट |
| 3. श्री एस.एच. खान | अध्यक्ष, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक |
| 4. श्री एन.एस. सेखसरिया | प्रबंध निदेशक, गुजरात अंबुजा सिमेन्ट्स लि. |
| 5. श्री पी.आर. खन्ना | सनदी लेखाकार |
| 6. श्री जी. कृष्णमूर्ति | अध्यक्ष, भारतीय जीवन बीमा निगम |
| 7. श्री एम. एस. वर्मा | अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक |
| 8. श्री एन. वाघुल | अध्यक्ष, आईसीआईसीआई लि. |
| 9. श्री रशीद जिलानी | अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पंजाब नेशनल बैंक |

मासिक आय योजना 1998 का ब्यौरा [एमआईएस '98]

I. संक्षिप्त शीर्षक और योजना का आरंभ :

- (1) यह योजना मासिक आय योजना 1998 [एमआईएस '98] कही जाएगी।
- (2) यह योजना पांच वर्षों के लिए अर्थात् 1 अप्रैल 1998 से 31 मार्च 2003 तक के लिए होगी।
- (3) यूनिटों की बिक्री 28 जनवरी 1998 से 13 मार्च 1998 तक 45 दिनों के लिए होगी।

बशर्ते यूनिट ट्रस्ट के व्यापक मंडल की कार्यकारी समिति/अध्यक्ष किसी भी समय युद्ध या युद्ध जैसी परिस्थितियों उत्पन्न होने पर, या युद्ध स्थितियों में व्यवसाय न होने पर या अन्य सामाजिक-आर्थिक कारणों से आवश्यकतों में 7 दिनों की नोटिस देने के बाद या एमआईएस '98 में जैसा ट्रस्ट द्वारा निश्चय किया जाए, योजना के अंतर्गत यूनिटों की बिक्री स्थगित कर सकता है।

II. परिभाषाएं :

इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में जब तक संदर्भ में अस्पष्ट अपेक्षित नहीं -

- (क) "स्वीकृति तिथि" का अर्थ ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री या पुनर्खरीद के लिए किसी आवेदक द्वारा ट्रस्ट को प्रेषित आवेदन पत्र के संदर्भ में उक्त तिथि है जब ट्रस्ट संतुष्ट होकर समझता है कि आवेदन सही है और उसे स्वीकार करता है;
- (ख) "अधिनियम" का तात्पर्य भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) से है;
- (ग) "नाबालिग आवेदक" का अर्थ नाबालिग के मामले में माता-पिता के अलावा उस माता-पिता से है जिन्होंने नाबालिग को ओर से आवेदन किया हो।
- (घ) "आवेदक" का अर्थ है वह व्यक्ति जो योजना और इसके अंतर्गत बनाए गए प्लान में शामिल होने के लिए पात्र होगा, जो अव्यक्त नहीं होगा और आवेदन पत्र में उल्लिखित वैकल्पिक आवेदक सहित जब मानसिक विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिटों की बिक्री की गयी हो और प्लान के खण्ड III के अंतर्गत आवेदन करता हो।
- (ङ) "पात्र संस्था" का अर्थ भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली 1964 में यथापरिभाषित कोई पात्र ट्रस्ट है।
- (च) "फर्म", "भागीदार" और "भागीदारी" के अर्थ भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) में दिए गए अर्थ हैं, परंतु अभिव्यक्त भागीदार में कोई भी व्यक्ति सम्मिलित हो सकता है, जो नाबालिग हो और जिसे भागीदारी के लाभ प्राप्त करने के लिए शामिल किया गया हो।

- (छ) "सूचीबद्धता" का अर्थ एनएसई के थोक ऋण खंड पर व्यवसाय करने के प्रयोजन से यूनिटों का सूचीबद्ध किया जाना है।
- (ज) योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लान में "सदस्य" के रूप में प्रयुक्त अभिव्यक्ति का अर्थ और इसमें शामिल उस आवेदक से है, जिसे इस योजना में यूनिट आबंटित किए गए हों।
- (झ) "मानसिक विकलांग व्यक्ति" का अर्थ वह व्यक्ति, जो ऐसी मानसिक अक्षमता से ग्रस्त हो, जो उसे जीवन के सामान्य कार्य करने से वंचित रखती हो।
- (ञ) "अनिवासी भारतीय (एनआरआई)" का तात्पर्य भारतीय राष्ट्रीयता/मूल के अनिवासियों से है। जैसा कि पुनः अधिनियमित भारत सरकार अधिनियम, 1935 में परिभाषित है, किसी भी व्यक्ति को "भारतीय मूल का व्यक्ति" माना जाएगा यदि वह या- उसके माता-पिता या पितामह-पितामही में से कोई भी, श्रेणी अथवा पूर्वज के रूप में कितना ही बड़ा क्यों न हो, चाहे पितृपक्ष या मातृपक्ष से हो, भारत में जन्मा हो/जन्मी हो।
- (ट) "जारी समझे जानेवाले यूनिटों की संख्या" का अर्थ बेचे गए और बकाया यूनिटों की कुल संख्या है।
- (ठ) "विदेशी निगमित निकाय" (ओसीबी) के अंतर्गत विदेशी कंपनियां, भागीदारी फर्म, ममितियां और अन्य निगमित निकाय जिनका कम से कम 60% तक की सीमा का स्वामित्व प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत के बाहर रहने वाले भारतीय राष्ट्रीयता अथवा मूल के व्यक्तियों का हो तथा विदेशी ट्रस्ट जिनमें कम से कम 60% लाभप्रद हित अप्रतिसंहरणीय रूप से ऐसे व्यक्तियों द्वारा धारित हो, शामिल हैं।
- (ड) "व्यक्ति" में ऊपर यथापरिभाषित पात्र संस्था शामिल है।
- (ढ) "रजिस्ट्रार" का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसकी सेवाएं ट्रस्ट द्वारा योजना के अंतर्गत समय-समय पर रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करने के लिए ली जा सकें।
- (ण) "विनियमावली" का अर्थ अधिनियम की धारा 43 (1) के अन्तर्गत बनी भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली 1964 है।
- (त) "सेबी" का अर्थ है भारतीय प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड अधिनियम 1992 (1992 का 15) के अंतर्गत बनाया गया भारतीय प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड।
- (थ) "समिति" का अर्थ समिति पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत स्थापित समिति या फिलहाल प्रवृत्त राज्य या केन्द्रीय विधि के अन्तर्गत स्थापित अन्य कोई समिति है।
- (द) "ट्रेडिंग" का तात्पर्य यूनिटों के पहले आबंटन के बाद राष्ट्रीय शेयर बाजार (एनएसई) के थोक ऋण खंड के जरिए यूनिटों के खरीद अथवा बिक्री में व्यवहार से है।
- (ध) "यूनिट" का अर्थ यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभक्त शेयर है।

- (न) "यूनिट पूंजी" का तात्पर्य फिलहाल यूनिट योजना के अंतर्गत निर्गत और शेष यूनिटों के अंकित मूल्य के योग से है।
- (प) "यूनिट ट्रस्ट" या "ट्रस्ट" का तात्पर्य अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट से है।
- (फ) इसमें अपरिभाषित लेकिन अधिनियम/विनियमावली में परिभाषित अन्य सभी अभिव्यक्तियों के वही अर्थ होंगे, जो अधिनियम/विनियमावली में दिये गये हैं।
- (ब) एक वचन वाले शब्दों में बहुवचन शामिल हैं और सभी पुल्लिंग संदर्भों में स्त्रीलिंग तथा एक में दूसरे के विपर्यय शामिल हैं। इस योजना के अन्य उपबंध पृष्ठ सं. 24 से पृष्ठ सं. 32 में दिए गए हैं।

मासिक आय योजना 1998 [एमआईएस '98] के अंतर्गत बनाये गए मासिक आय प्लान 1998 [एमआईपी '98] के ब्योरे यहां नीचे दिए जाते हैं :

I. परिभाषाएं :

शब्द जो प्लान में परिभाषित नहीं किये गये हैं तथा योजना और अधिनियम/विनियमों में परिभाषित किए गए हैं उनके अपने-अपने अर्थ योजना/अधिनियम/विनियमों में दिए गए अर्थ हैं।

II. प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य :

इस योजना के अंतर्गत जारी किए गए प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य दस रुपये होंगा।

III. यूनिटों के लिए आवेदन :

- (1) यूनिटों के लिए आवेदन निवासियों और अनिवासियों द्वारा भी किये जा सकते हैं।

निवासी

- (क) व्यक्ति, एकल या अन्य व्यक्ति के साथ या दो व्यक्तियों तक संयुक्त।
- (ख) नाबालिग निवासी की ओर से माता-पिता, सौतेले माता-पिता या अन्य विधिक अभिभावक। बालिग और नाबालिग संयुक्त रूप से आवेदन नहीं कर सकते हैं।
- (ग) योजना में यथापरिभाषित पात्र संस्था, जिसमें अप्रतिसंहरणीय और लिखत द्वारा निर्मित निजी न्यास शामिल है।
- (घ) मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिये कोई व्यक्ति।

- (ड.) योजना में यथापरिभाषित कोई समिति।
- (च) पंजीकृत सहकारी समिति।
- (छ) कंपनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत निर्मित कंपनी सहित अन्य निगमित निकाय एवं बैंक।
- (ज) हिन्दू अविभक्त परिवार।
- (झ) सेना/नौसेना/वायु सेना/पैरामिलिट्री निधियां।
- (ञ) भागीदारी फर्म।

अनिवासी पूर्णतया प्रत्यावर्तनीय आधार पर :

- (क) अनिवासी वयस्क व्यक्ति या तो एकल या अन्य व्यक्ति के साथ या दो व्यक्तियों तक संयुक्त।
- (ख) नाबालिग अनिवासी की ओर से पिता/माता/सौतेले माता-पिता/विधिक अभिभावक।
- (ग) अनिवासी हिंदू अविभक्त परिवार।
- (घ) अनिवासी कंपनी/विदेशी निगमित निकाय जिनमें अनिवासी भारतीयों का स्वत्वाधिकार कम से कम 60% तक हो।
- (2) भागीदारी फर्म द्वारा आवेदन, फर्म के अनधिक तीन सदस्यों द्वारा किया जाना चाहिए तथा ट्रस्ट सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए प्रथम नामित सदस्य को ही सदस्य के रूप में मान्यता देगा।
- (3) आवेदन ट्रस्ट के अध्यक्ष/कार्यपालक न्यासी द्वारा अनुमोदित फार्म में किए जायेंगे।

IV. न्यूनतम निवेश राशि :

मासिक एवं वार्षिक आय विकल्प के अंतर्गत आवेदन न्यूनतम 10,000/- रुपए और संचयी विकल्प के अंतर्गत न्यूनतम 5000/- रुपए के लिए किया जाना चाहिए। कोई अधिकतम सीमा नहीं होगी। यदि निवेश रु. 10/- के गुणकों में नहीं है तो यूनिटों का आबंटन भिन्नांक में दशमलव के बाद तीन अंकों तक किया जाएगा। रु. 50,000/- और उससे अधिक निवेश के मामले में, निवेशक को सलाह दी जाती है कि यदि उसका आयकर पीएएन/जीआईआर संख्या है तो वह उसे तथा संबंधित आयकर सर्किल के पते का उल्लेख करे।

V. एकत्र की जानेवाली न्यूनतम लक्ष्य राशि

योजना के अंतर्गत एकत्र की जानेवाली लक्ष्य राशि 100 करोड़ रुपए होगी। अत्यभिदान, यदि कोई हो, तो उसे पूरी तरह ट्रस्ट द्वारा रखा जाएगा।

यदि 100 करोड़ रुपये की लक्ष्य राशि का अभिदान न हो, तो योजना के अंतर्गत एकत्र की गई सम्पूर्ण राशि को यूनिटों की बिक्री बंद होने की तिथि से छः सप्ताह के भीतर ट्रस्ट द्वारा खाते में देय चेक/प्रत्यर्पण आदेश द्वारा धन वापस किया जाएगा।

उक्त अनुबद्ध अवधि के भीतर राशि वापस न करने की स्थिति में बिक्री बंद होने की तिथि से छः सप्ताहों की समाप्ति पर ट्रस्ट आवेदक को 15% प्रति वर्ष की दर से ब्याज का भुगतान करने का जिम्मेदार होगा।

VI. खर्चों पर सीमा

योजना के अंतर्गत एकत्र निधि का निर्गम पूर्व व्यय 6% से अधिक नहीं होगा। योजना के प्रारंभिक निर्गम खर्चों का अनुमान निम्नानुसार है :

व्यय	%
मुद्रण और डाक	1.50
प्रचार और मार्केटिंग	1.75
एजेंटों को कमीशन	1.50
रजिस्ट्रारों का प्रभार	0.50
बैंक प्रभार	0.25
स्टाम्प शुल्क	0.50
योग	6.00

इस प्रकार किसी निवेशक द्वारा निवेश किए गए प्रत्येक रुपये में से कम से कम 94 पैसे का इस योजना में निवेश किया जाएगा।

आरंभिक निर्गम व्ययों के अतिरिक्त आवर्ती आधार पर योजना का निम्नलिखित व्यय होगा। अनुमानित आवर्ती व्यय निम्नानुसार हैं :

व्यय	%
प्रशासनिक व्यय	0.90
अभिरक्षण शुल्क	0.50
विकास प्रारक्षित निधि	0.25
कर्मचारी कल्याण न्यास	0.10
रजिस्ट्रारों के लिए शुल्क	0.50
योग	2.25

उपरोक्त व्यय अनुमानित हैं और वास्तविक रूप से किए गए व्ययों के साथ परिवर्तित किए जाने के अधीन हैं। फिर भी, सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के अनुसार कुल आरंभिक निर्गम व्ययों के रूप में कुल व्यय एकत्र निधि की 6% की सीमा के भीतर होंगे।

योजना का कुल वार्षिक आवर्ती व्यय, आरंभिक निर्गम व्ययों एवं प्रतिदान व्ययों को छोड़कर परंतु प्रशासनिक व्ययों, विकास प्रारक्षित निधि और कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशदान को सम्मिलित करते हुए निम्नलिखित सीमा के अधीन होंगे :

- | | | |
|-------|--|---------|
| (i) | प्रथम 100 करोड़ रुपये की औसत मासिक शुद्ध आस्तियों पर | - 2.25% |
| (ii) | अगले 300 करोड़ रुपये की औसत मासिक शुद्ध आस्तियों पर | - 2.00% |
| (iii) | अगले 300 करोड़ रुपये की औसत मासिक शुद्ध आस्तियों पर | - 1.75% |
| (iv) | आस्तियों के शेष पर | - 1.50% |

प्रशासनिक व्यय, विकास प्रारक्षित निधि में अंशदान एवं कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशदान, सेबी (एमएफ) विनियम, 1996 के विनियम 52 के खण्ड 2 के अंतर्गत उल्लिखित सीमा से अधिक नहीं होंगे। नामतः

- i) योजना के लिए प्रत्येक लेखा वर्ष में बकाया मासिक औसत शुद्ध आस्तियों का 1.25%, जब तक कि शुद्ध आस्तियाँ 100 करोड़ से अधिक नहीं हो जातीं, और
- ii) 100 करोड़ से ऊपर की अतिरिक्त राशि का एक प्रतिशत, जहाँ इस प्रकार परिगणित शुद्ध आस्तियाँ 100 करोड़ से अधिक हों।

सेबी (म्यूचुअल फंड) अधिनियम, 1996 के अनुसार, यूटीआई निवेश प्रबंधन एवं परामर्श शुल्क पर कोई प्रभार नहीं लेता है। तथापि, यूटीआई द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि निर्गम पूर्व व्यय एवं वार्षिक आवर्ती व्यय सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के विनियम 52 के अंतर्गत दर्शाए गए सीमा के भीतर ही होंगे।

VII. भुगतान विधि :

- (1) (i) किसी आवेदक द्वारा आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान आवेदन पत्र के साथ नकद, चेक या ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा। यदि आवेदन यूटीआई के शाखा कार्यालयों में जमा किए जाएं, तो चेक या ड्राफ्ट उसी शहर में स्थित बैंकों की शाखा पर आहरित किए जाएं, जिस शहर में स्थित शाखा कार्यालय में आवेदन जमा किया जाता है।

लेकिन, जहां आवेदक ट्रस्ट के शाखा कार्यालय/संग्रहण केंद्र/विशेष अधिकृत कार्यालय वाले स्थान से भिन्न स्थान से आवेदन करना चाहे तो आवेदित यूनिटों के लिये आवेदन पत्र के साथ देय बैंक ड्राफ्ट के लिये देय बैंक प्रभार घटाकर भारतीय बैंक संघ के दिशानिर्देश के अनुसार बैंक ड्राफ्ट ट्रस्ट को भेजते हुए ऐसा कर सकता है। संग्रहण केन्द्रों/विशेष बिक्री कार्यालयों को, स्थानीय देय चेक अथवा उन स्थानों में जहां तक योजना विकेंद्रीकृत है, देय मांग पत्र के साथ, जिसमें आवेदक, भारतीय बैंक संघ के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रभार कम कर सकता हो, आवेदन स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है। उदाहरणार्थ, यदि आवेदन राशि रु.10,000/- है तथा बैंक ड्राफ्ट प्रभार इस राशि के लिए रु.20/- है। इस तरह, ड्राफ्ट रु.9,980/- (रु.10,000/- में से रु. 20/- घटाकर) के लिए बनवाया जा सकता है। ड्राफ्ट कमीशन प्रभार प्लान के आरंभिक निर्गम व्ययों का एक अंश होगा।

किंतु, जहां ट्रस्ट का कार्यालय/संग्रहण केंद्र/विशेष बिक्री कार्यालय है और आवेदन स्थानीय बैंक ड्राफ्ट के साथ मिला है तो बैंक ड्राफ्ट कमीशन निवेशक को ही वहन करना होगा।

- (ii) यदि भुगतान चेक द्वारा किया जाए तो स्वीकृति तिथि, ट्रस्ट के शाखा कार्यालय या प्राधिकृत संग्रहण केन्द्र द्वारा चेक प्राप्ति की तिथि होगी, बशर्ते चेक की वसूली हो।

यदि भुगतान ड्राफ्ट द्वारा किया जाए तो स्वीकृति तिथि, ऐसे ड्राफ्ट की निर्गम तिथि होगी, बशर्ते ड्राफ्ट की वसूली हो। लेकिन, आवेदन ट्रस्ट के शाखा कार्यालय या प्राधिकृत संग्रहण केन्द्र में ड्राफ्ट जारी होने की तिथि से 7 दिनों के भीतर प्राप्त हो जाए। यदि इस प्लान के अंतर्गत आवेदन राशि न्यूनतम निवेश से कम है, तो सम्पूर्ण राशि ट्रस्ट द्वारा यथोचित रीति से आवेदक को उसके खर्चे पर वापस लौटा दी जाएगी।

(iii) प्रत्यावर्तन लाभों के साथ निवेश की विधि :

एनआरआई/ओसीबी द्वारा किए गए निवेश पर प्रत्यावर्तन का अधिकार निवेशित पूंजी और उस पर अर्जित आय तथा पूंजी वृद्धि (यदि लागू हो) पर तब तक होगा जब तक निवेशक भारत के बाहर का निवासी बना रहेगा। इन स्थितियों में निवेश निम्नलिखित विधियों में से किसी एक के माध्यम से किया जा सकता है।

- (क) विदेशी मुद्रा में ड्राफ्ट
- (ख) विदेशी बैंकों/विनिमय गृह द्वारा यूटीआई के पक्ष में रुपये में जारी किया गया ड्राफ्ट जो उनके भारतीय संपर्ककर्ता बैंकों पर आहरित हो।
- (ग) भारत स्थित बैंक में निवेशक द्वारा कायम रखे गए एनआरआई खाते पर आहरित चेक द्वारा।
- (घ) एफसीएनआर जमाओं की राशि से जारी किए गए चेक/ड्राफ्ट द्वारा।

इसके अलावा, नेपाल और भूटान की मुद्राओं में अदायगी स्वीकार नहीं की जाती है। यूनिटों में निवेश रुपये में किया जाता है, विदेशी मुद्रा के सभी ड्राफ्टों को उस दर पर रुपये में परिवर्तित किया जाता है जो परिवर्तन के समय प्रचलित हो।

यदि कोई कमी पड़ती हो, तो उसे एनआरआई निवेशक द्वारा विप्रेषित किया जाएगा।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए यह सलाह दी जाती है कि एनआरआई/ओसीबी निवेशक उपर्युक्त (ख) और (ग) में उल्लिखित लिखतों के द्वारा अदायगी करें।

(iv) प्रत्यावर्तन लाभों के बिना निवेश विधि :

जहां एनआरओ खाते में धारित निधियों का उपयोग यूनिटों की खरीद के लिए किया जाता है तो इस प्रकार निवेश की गई निधियां और उन पर अर्जित आय तथा पूंजी वृद्धि (यदि लागू हो) भारत के बाहर प्रत्यावर्तन के लिए योग्य नहीं होगी।

तथापि भा.रि. बैंक के दिनांक 19 अगस्त, 1994 के परिपत्र ए.डी. (एम.ए.शृंखला) सं. 18 के अनुसार वित्तीय वर्ष 1996-97 के दौरान और उसके उपरान्त अर्जित सम्पूर्ण आय पूर्ण प्रत्यावर्तन के योग्य होंगी।

जबकि इन मामलों में यूटीआई-एनआरओ खाते में जमा करने के लिए रुपये में अदायगी करेगा, निवेशकों को यह सूचना दी जाती है कि यदि वे यूनिटों पर आय का प्रेषण प्राप्त करना चाहते हों तो अपने बैंक/कर सलाहकार से संपर्क करें।

(2) (क) आवेदन स्वीकृत या अस्वीकृत करने का ट्रस्ट का अधिकार :

ट्रस्ट को यह अधिकार होगा कि वह अपने विवेक के अनुसार योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में यूनिट जारी करने के लिए आवेदन स्वीकृत और/या अस्वीकृत कर सके। ट्रस्ट निम्नलिखित परिस्थितियों में यूनिटें जारी करने हेतु आवेदन अस्वीकृत कर सकता है :

- i. यदि आवेदन यथास्थिति रु. 10,000/- या रु. 5,000/- की न्यूनतम निवेश राशि से कम के लिए प्राप्त हुआ हो,
- ii. यदि आवेदन पहले आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित न हो और
- iii. यदि आवेदक, योजना में निवेश करने के लिए पात्र न हो। योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में आवेदन करने के संबंध में किसी व्यक्ति की पात्रता या अन्यथा के बारे में ट्रस्ट का निर्णय अंतिम होगा।

(ख) अपूर्ण आवेदन अस्वीकृत किये जा सकते हैं :

आवेदन अपूर्ण पाये जाने पर, अस्वीकृत कर दिया जाएगा और बिना किसी ब्याज या अन्य राशि के, चाहे जो भी हो, आवेदन राशि ट्रस्ट द्वारा यथाशीघ्र वापस कर दी जाएगी। अपेक्षित परिचालनगत और प्रक्रियागत औपचारिकताएं पूरी होने के बाद राशि वापस की जाएगी।

(3) यूनिट जारी होने के पहले आवेदक को योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लान से संबंधित अपेक्षाओं को पूरा करना होगा :

योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लान में यूनिटों के लिए आवेदन करनेवाले व्यक्तियों पर, आवेदन करने की अपनी पात्रता के बारे में ट्रस्ट को संतुष्ट करना होगा और ट्रस्ट की सभी अपेक्षाएं जैसे न्यासों से प्राप्त आवेदन पत्र के मामले में ट्रस्ट विलेख, प्रबंध समिति का यूनिटें खरीदने संबंधी संकल्प, नाबालिग की ओर से प्राप्त आवेदन पत्र के मामले में जन्म प्रमाणपत्र भागीदारी फर्म की ओर से आवेदन के मामले में भागीदारी विलेख की सत्यापित प्रति आदि जो निवेशक की श्रेणी पर निर्भर करेगा। ऐसी अपेक्षाएं पूरी करने या नहीं करने के प्रति ट्रस्ट की संतुष्टि उसके अपने विवेक पर निर्भर होगी।

गलत घोषणा करके यूनिट रखने वाला व्यक्ति अपनी सदस्यता के निरस्तीकरण का भागी होगा और उसका नाम सदस्यों की पंजी से काट दिया जाएगा।

ट्रस्ट को अधिकार होगा कि वह ऐसी स्थिति में 25% दण्ड के तौर पर घटाने के बाद सममूल्य पर या ट्रस्ट द्वारा निर्धारित मूल्य पर यूनिटों की पुनर्खरीद करे और गलती से भुगतान किये गये आय वितरण की वसूली पुनर्खरीद राशि से करे और शेष वापस करे।

पुनर्खरीद करने और आवेदक को पुनर्खरीद राशि भेजने में ट्रस्ट को जो भी समय लगेगा उसके लिये राशि पर कोई ब्याज देय नहीं होगा।

VIII. यूनिटों की बिक्री :

पेशकश की अवधि के दौरान यूनिटों की बिक्री सममूल्य पर होगी। ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री-संविदा, स्वीकृति तिथि को पूरी हुई समझी जाएगी। बिक्री संविदा पूर्ण होने पर ट्रस्ट यथाशीघ्र सदस्य को उनके विकल्प के अनुसार सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र जारी करेगा। ट्रस्ट द्वारा पात्र संस्था फर्म या निगमित निकाय को जारी सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र पात्र संस्था/फर्म/निगमित निकाय के नाम से जारी करेगा। इस प्रकार प्रेषित सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र के खो जाने, क्षतिग्रस्त हो जाने, गलत डिलिवरी या डिलिवरी नहीं होने का कोई दायित्व ट्रस्ट पर नहीं होगा।

ट्रस्ट प्लान के अंतर्गत यूनिटों की बिक्री की समाप्ति तिथि से 6 हफ्तों के भीतर सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र भेजने का प्रयास करेगा।

IX. यूनिटों की पुनर्खरीद :

- (1) प्लान के आरंभ होने के तीन वर्ष के बाद अर्थात् 1 अप्रैल, 2001 से प्लान के सभी तीनों विकल्पों के अंतर्गत पुनर्खरीद आरंभ होगी। योजना और उसके अंतर्गत बनाए प्लान के अंतर्गत पहले तीन वर्ष के दौरान मृत्यु संबंधी दावों के निपटान के मामले छोड़कर कोई पुनर्खरीद नहीं की जाएगी। पुनर्खरीद मूल्य यूनिटों के एनएवी पर (पूर्ववर्ती आधार पर) आधारित होगा और उसे प्लान के आरंभ होने की तारीख से छः माह पश्चात् अर्थात् 01.10.1998 को तथा उसके बाद 31.03.2001 तक त्रैमासिक आधार पर समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु जारी किया जाएगा। 01.04.2001 से एक माह के अनधिक अंतराल पर पुनर्खरीद मूल्य की घोषणा की जाएगी। किसी माह के लिए मान्य पुनर्खरीद मूल्य पिछले माह के आखिरी मूल्यांकन दिवस पर तय किए गए एनएवी पर आधारित है।

इसके अतिरिक्त, निवेश का एक भाग इक्विटी में होने के कारण पूंजी वृद्धि की संभावना है।

(2) मासिक आय विकल्प :

ट्रस्ट योजना और उसके अंतर्गत बनाए गए प्लान के आरंभ होने की तारीख के तीन वर्ष के बाद से यूनिटों की पुनर्खरीद का पेशकश करेगा। पुनर्खरीद पूर्ववर्ती एनएवी पर आधारित होगा और प्लान के प्रारंभ होने के छः माह के पश्चात् अर्थात् 01.10.98 को तथा उसके पश्चात् 31.03.2001 तक त्रैमासिक आधार पर समाचार पत्रों में प्रकाशन के लिए जारी करेगा। 01.04.2001 से एक माह के अनधिक अंतराल पर पुनर्खरीद मूल्य की घोषणा की जाएगी। पुनर्खरीद मूल्य परिकलित करते समय ट्रस्ट को प्रशासकीय व्यय और अन्य प्रभार, जो प्रति यूनिट एनएवी के 5% से अधिक न

हों, की कटौती करने की स्वतंत्रता होगी। पुनर्खरीद, सदस्यता सूचना एवं सादे कागज पर अनुरोध पत्र के साथ जो सभी सदस्यों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हो, एवं अन्य व्यक्ति, जिसका नाम, पेशा और पता दिया गया हो, के साक्ष्य सहित, सदस्यता सूचना/विधिवत् उन्मोचित यूनिट प्रमाणपत्र प्राप्त होने पर, प्रभावी होगी। आंशिक पुनर्खरीद की अनुमति होगी, बशर्ते सदस्य द्वारा न्यूनतम शेष रु.10,000/- (अंकित मूल्य) कायम रखा जाए। पुनर्खरीद के लिए आवेदन करते समय सदस्य को पुनर्खरीद माह सहित तथा उसके बाद के महीनों के बचे हुए शेष अनभुनाए हुए आय वितरण वारंट ट्रस्ट को सौंपने होंगे।

पूर्ण रूप से पुनर्खरीद की स्थिति में, ट्रस्ट पुनर्खरीद के अनुरोध पत्र सहित सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र विधिवत् उन्मोचित प्राप्त होने पर भावी महीने के लिए यूनिट पर आय वितरण का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं होगा और न ही पुनर्खरीद की प्राप्ति पर कोई ब्याज देय होगा।

प्राप्त सभी दस्तावेज और अदत्त आय वितरण वारंट, यदि हों, निरस्तीकरण के लिये ट्रस्ट द्वारा रख लिये जाएंगे।

आंशिक पुनर्खरीद की स्थिति में अपने पास रखे जानेवाले यूनिटों की संख्या पर निर्भर करते हुए सदस्य को नयी सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र और स्वीकृति माह सहित शेष अवधि के लिए आय वितरण वारंटों का नया सेट जारी किया जाएगा। पुनर्खरीद राशि पर कोई ब्याज देय नहीं होगा।

- (3) पूर्ववर्ती उप-खण्डों में अन्तर्विष्ट किसी बात के बावजूद, ट्रस्ट यूनिट की पुनर्खरीद करते समय, सदस्य द्वारा उस समय तक बकाया आय वितरण वारंटों को अभ्यर्पित नहीं करने की स्थिति में ट्रस्ट ऐसे आय वितरण वारंटों की भविष्य में देय राशि पुनर्खरीद मूल्य में से घटाकर सदस्य को शेष राशि का भुगतान करने के लिए स्वतंत्र होगा। ट्रस्ट को सदस्यता सूचना और पुनर्खरीद का अनुरोध पत्र/यूनिट प्रमाणपत्र विधिवत् उन्मोचित प्राप्त हो जाने के बाद तथा पूर्ण पुनर्खरीद की स्थिति में सदस्य को स्वीकृति माह के आय वितरण सहित भावी आय वितरण प्राप्त करने का अधिकार नहीं रह जायेगा और ऐसे बकाया आय वितरण की राशि का दावेदार ट्रस्ट होगा।
- (4) मासिक आधार पर प्रदत्त पूरे वर्ष के आय वितरण के हकदार बनने के लिए सदस्य को यूनिट पूरे वर्ष तक रखने होंगे। वर्ष के किसी भाग के लिये यूनिट रखनेवाला सदस्य केवल धारण अवधि के लिये, जो हमेशा पूर्ण अंग्रेजी कैलेंडर मास की होगी, आनुपातिक आय वितरण प्राप्त करने का हकदार होगा और माह के भाग को, चाहे वह कितने भी दिन का क्यों न हो, हमेशा छोड़ दिया जाएगा।
- (5) सदस्य की मृत्यु हो जाने की स्थिति में विधिक प्रतिनिधि या नामिती द्वारा सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र, पुनर्खरीद के लिए अनुरोध पत्र और बकाया अदत्त आय वितरण वारंट ट्रस्ट को सौंपे जाने के बाद वह (ट्रस्ट) दावे की मान्यता संबंधी निर्धारित आवश्यकता पूरी होने पर अपने नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार इसमें ऊपर उपखण्ड (2) और (3) में यथावर्णित रूप में यूनिट की पुनर्खरीद करेगा और दावे की निपटान तिथि तक के बकाया मासिक आय वितरण का आनुपातिक भुगतान करेगा।

(6) वार्षिक एवं संचयी विकल्प

संचयी विकल्प के अंतर्गत जारी यूनिटों के मामले में ट्रस्ट और योजना और उसके अंतर्गत बनाए गए प्लान के आरंभ होने की तारीख से तीन वर्ष के बाद अर्थात् 1 अप्रैल, 2001 से यूनिटों के पुनर्खरीद की पेशकश करेगा। पुनर्खरीद मूल्य यूनिटों के एनएवी पर (पूर्ववर्ती आधार पर) आधारित होगा और उसे प्लान के आरंभ होने की तारीख से 6 माह पश्चात अर्थात् 01/10/98 को तथा उसके बाद 31/03/2001 तक त्रैमासिक आधार पर समाचार-पत्र में प्रकाशन हेतु जारी किया जाएगा। 01/04/2001 से एक माह के अनधिक अंतराल पर पुनर्खरीद मूल्य की घोषणा की जाएगी। पुनर्खरीद मूल्य परिकलित करते समय ट्रस्ट प्रति यूनिट एनएवी के 5% तक प्रशासकीय व्यय और अन्य प्रभार काटने के लिए स्वतंत्र होगा।

आंशिक पुनर्खरीद की अनुमति होगी, बशर्ते सदस्य द्वारा वार्षिक आय विकल्प के अंतर्गत न्यूनतम शेष रु. 10,000/- (अंकित मूल्य) एवं संचयी विकल्प के अंतर्गत न्यूनतम शेष रु. 5000/- (अंकित मूल्य) कायम रखा जाए।

- (7) ट्रस्ट द्वारा कटौती, यदि कोई हो, करने के बाद पुनर्खरीदे गए यूनिटों के लिए भुगतान, सदस्यता सूचना के साथ पुनर्खरीद हेतु अनुरोध पत्र/विधिवत् रूप से उन्मोचित यूनिट प्रमाणपत्र तथा लाभांश वारंट, यदि कोई हो, के प्राप्त होने के 10 दिन के भीतर ऐसे केन्द्र पर किया जाएगा जहां पुनर्खरीद अनुरोध संसाधित किए जाते हैं।

आवेदक को देय राशि पर किसी भी कारण से कोई ब्याज देय नहीं होगा तथा ट्रस्ट द्वारा प्रेषित चेक या ड्राफ्ट का प्रेषण (डाक खर्च सहित) या वसूली खर्च आवेदक द्वारा वहन किया जाएगा।

- (8) अनिवासी निवेशकों के मामले में पुनर्खरीद राशियां निवेश के स्रोत पर निर्भर रहते हुए निम्नानुसार प्रेषित की जाएंगी :

(क) जब यूनिट विदेश से भेजी गई विदेशी मुद्रा/सदस्य की एफसीएनआर जमाओं की राशियों से या सदस्य के भारत में रखे अनिवासी (बाह्य) खाते में रखी निधियों से जारी चेक/ड्राफ्ट द्वारा खरीदे गए हों तो सदस्य को राशियां विदेशी मुद्रा में (विनिमय दर में उतार-चढ़ाव का वहन सदस्य को करना होगा) प्रेषित की जा सकती हैं या सदस्य के भारत स्थित संबंधी को सदस्य के अनिवासी (बाह्य) खाते में जमा करने के लिए भेजी जा सकती हैं बशर्ते सदस्य विदेश में रह रहा हो। यदि सदस्य चाहे तो इन राशियों को उसके अनिवासी (सामान्य) खाते में जमा करने के लिए भी भेजा जा सकता है।

(ख) जब यूनिट सदस्य के अनिवासी (सामान्य) खाते में रखी निधियों से खरीदे गए हों तो राशियां सदस्य के भारत स्थित संबंधी को सदस्य के अनिवासी (सामान्य) खाते में जमा करने के लिए भेजी जाएंगी।

X. यूनिटों की पुनर्खरीद पर प्रतिबंध :

योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के किसी भी उपबंध में अंतर्विष्ट किसी बात के होने के बावजूद ट्रस्ट यूनिट की पुनर्खरीद के लिए बाध्य नहीं होगा :

- (i) ऐसे दिन, जो कार्य-दिवस नहीं हों; और

- (ii) ट्रस्ट द्वारा यथाधिसूचित किसी भी उद्देश्य के लिए सदस्यों की पंजी बंद हो, ऐसी (ट्रस्ट द्वारा यथाधिसूचित) अवधि के दौरान।

स्पष्टीकरण : इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान के प्रयोजनार्थ शब्द "कार्य दिवस" का अर्थ वह दिन है, जो न तो

- (i) महाराष्ट्र राज्य या ऐसे अन्य राज्यों में, जहां ट्रस्ट के कार्यालय हों, सार्वजनिक अवकाश के रूप में परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 के अंतर्गत अधिसूचित हो और न ही
- (ii) भारत के राजपत्र में ट्रस्ट द्वारा ऐसे दिवस के रूप में अधिसूचित किया गया हो कि उस दिन ट्रस्ट का कार्यालय बंद रहेगा।

XI. सूचीबद्धता :

अभिधान बंद होने की तारीख से छः माह के भीतर इस योजना के अंतर्गत जारी यूनिट एनएसई के थोक ऋण खंड पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। सेबी से योजना का अनुमोदन प्राप्त होने के तुरंत बाद सेबी (म्यूचुअल फंड) अधिनियम, 1996 के विनियम 32 के अनुसार एनएसई को सूचीबद्धता के लिए आवेदन किया जाएगा।

XII. सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र :

ट्रस्ट आवेदक को सदस्य के विकल्प पर, सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र जारी करेगा।

यूनिट प्रमाणपत्र अंतरणीय है जबकि सदस्यता सूचना नहीं। हालांकि, निवेशक के प्लान में शामिल होने के संबंध में दोनों समान रूप से वैध साक्ष्य हैं। निवेशक, आवेदन पत्र में उपयुक्त स्थान पर निशान लगा करके सदस्यता सूचना या यूनिट प्रमाणपत्र में से कोई एक प्राप्त करने का चयन कर सकते हैं। सामान्यतया, ऐसे निवेशक जो योजना के सूचीबद्ध होने पर शेयर बाजारों में लेन-देन करना चाहते हैं वे यूनिट प्रमाणपत्र हेतु अपना विकल्प दे सकते हैं। तथापि, यदि आवेदन पत्र में कोई वरीयता न दी गई हो तो निवेशक को सदस्यता सूचना भेजी जाएगी।

अनिवासी भारतीय सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र के प्रेषण के लिए निम्नलिखित में से किसी एक तरीके का चयन कर सकता है :

- (क) आवेदक के भारतीय/विदेशी पते पर
या
- (ख) आवेदक के भारत में स्थित रिश्तेदार के पते पर

XIII. सदस्यता सूचना और यूनिट प्रमाणपत्र तैयार करने की रीति :

सदस्यता सूचना और यूनिट प्रमाणपत्र ट्रस्ट के कार्यपालक निवेशक द्वारा निर्णीत रूप के अनुसार होगी।

जैसा बोर्ड समय-समय पर निर्धारित करेगा, यूनिट प्रमाणपत्र उत्कीर्ण या लिथोग्राफ या मुद्रित किया जाएगा और ट्रस्ट द्वारा विधिवत् रूप से अधिकृत दो व्यक्तियों द्वारा, ट्रस्ट की ओर से हस्ताक्षरित होगा। ऐसा प्रत्येक हस्ताक्षर, स्वहस्ताक्षरित होगा या किसी यांत्रिक विधि से लगाया गया होगा। जब तक यूनिट प्रमाणपत्र इस रूप में हस्ताक्षरित नहीं होगा, तब तक वह वैध नहीं होगा। इस रूप में हस्ताक्षरित यूनिट प्रमाणपत्र वैध और बाध्यकारी होगा भले ही उसके जारी होने से पहले कोई व्यक्ति जिसका हस्ताक्षर उस पर है, ट्रस्ट की ओर से यूनिट प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने हेतु अधिकृत व्यक्ति न रहा हो।

किंतु यदि इस रूप में तैयार किए गए यूनिट प्रमाण पत्र में किसी प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर हैं जो प्रमाणपत्र जारी होने के समय मृत है तो ट्रस्ट किसी तरीके से जिसे वह सर्वोत्तम समझता है, प्रमाणपत्र पर विद्यमान उक्त व्यक्ति के हस्ताक्षर को निरस्त कर सकता है और उस पर किसी अन्य प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर करवा सकता है। इस रूप में जारी यूनिट प्रमाणपत्र भी वैध होंगे।

XIV. सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र का विनिमय और सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र के कट-फट जाने, विरूपित हो जाने, खो जाने आदि की स्थिति में प्रक्रिया :

सदस्यता सूचना

योजना और इसके अन्तर्गत बने प्लान में सदस्य उक्त प्रयोजनार्थ ऐसे नियमों/दिशा-निर्देशों/प्रक्रियाओं का पालन करेंगे और ऐसे दस्तावेजों का निष्पादन करेंगे, जो समय-समय पर ट्रस्ट द्वारा बनाये जाएंगे/अपेक्षित होंगे।

यूनिट प्रमाणपत्र

यदि कोई यूनिट प्रमाणपत्र कट-फट जाता है या घिसपिट या विरूपित हो जाता है तो ऐसे मामले में ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वत्वाधिकारी व्यक्ति को एक नया यूनिट प्रमाणपत्र जारी कर सकता है जिसके यूनिटों की कुल संख्या उतनी ही होगी जितनी कि कटे-फटे, विरूपित यूनिट प्रमाणपत्र की थी। यदि कोई यूनिट प्रमाणपत्र खो जाता है, चुराया जाता है या नष्ट हो जाता है तो ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वत्वाधिकारी व्यक्ति को उसके बदले में नया यूनिट प्रमाणपत्र जारी करेगा।

कोई नया यूनिट प्रमाणपत्र तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक आवेदक -

- (i) मूल यूनिट प्रमाणपत्र के कटे-फटे होने, टूटने, विरूपित होने, खो जाने, चुरा लिए जाने या नष्ट हो जाने के संतोषजनक साक्ष्य ट्रस्ट को प्रस्तुत नहीं करता।
- (ii) तथ्यों की जाँच के संबंध में सभी खर्चों का भुगतान नहीं करता।
- (iii) (कटे-फटे या घिसे-पिटे या विरूपित यूनिट प्रमाणपत्र के मामले में), ट्रस्ट को ऐसे कटे-फटे, घिसे-पिटे या विरूपित यूनिट प्रमाणपत्र प्रस्तुत और अभ्यर्पित नहीं करता और
- (iv) ट्रस्ट को आवश्यक क्षतिपूर्ति बंध पत्र प्रस्तुत नहीं करता।

इस खण्ड के प्रावधान के अंतर्गत ट्रस्ट सदभावना के आधार पर उक्त प्रमाणपत्र जारी करने का उत्तरदायित्व नहीं लेगा।

उपरोक्त के बावजूद, योजना के अंतर्गत सदस्य को ऐसे नियमों/दिशानिर्देशों/प्रक्रियाओं का पालन करना होगा तथा ऐसे दस्तावेज निष्पादित करने होंगे जो समय-समय पर ट्रस्ट द्वारा प्रतिपादित/अपेक्षित होंगे।

XV. सदस्यों की पंजी :

सदस्यों के पंजीकरण के सम्बंध में निम्नलिखित उपबंध लागू होंगे :

- (1) ट्रस्ट द्वारा सदस्यों की पंजी रखी जाएगी और अन्य बातों के साथ-साथ पंजी में निम्नलिखित दर्ज किए जाएंगे;
 - (क) सदस्यों के नाम और पते;
 - (ख) सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्रों की संख्या और हरेक ऐसे व्यक्ति द्वारा धारित यूनिटों की संख्या; और
 - (ग) जिस तिथि को ऐसा व्यक्ति अपने नाम के यूनिटों का धारक हो गया।
- (2) सदस्य की ओर से उसके नाम और पते के परिवर्तन की सूचना ट्रस्ट को दी जाएगी। ट्रस्ट ऐसे परिवर्तन से संतुष्ट होने पर और यथापेक्षित औपचारिकताएं पूरी करने पर तदनुसार पंजी में परिवर्तन करेगा। किसी अन्य व्यक्ति, जो मानसिक रूप से विकलांग हो, के लाभ के लिये यूनिटों हेतु आवेदन के रूप में होनेवाले परिवर्तन की प्रविष्टि पंजी में तदनुसार की जाएगी।
- (3) केवल पंजी बंदी को छोड़कर, इसमें इसके बाद अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार कामकाज के समय के दौरान (ट्रस्ट द्वारा यथानिर्णीत समुचित प्रतिबंधों के साथ प्रत्येक कार्य दिवस को न्यूनतम दो घंटे के लिये पंजी के निरीक्षण की अनुमति दी जाएगी) सदस्य द्वारा उसके स्वयं के निवेश के संबंध में निःशुल्क निरीक्षण के लिए पंजी खुली रहेगी।
- (4) ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर यथानिर्धारित समय और अवधि के लिये पंजी बन्द रहेगी, लेकिन एक वर्ष में 45 दिन से अधिक समय के लिये बन्द नहीं रहेगी। ट्रस्ट समाचार पत्रों में या अन्य माध्यम से विज्ञापन द्वारा ऐसी बंदी की सूचना देगा।
- (5) किसी यूनिट से संबंधित कोई स्पष्ट निहित और रचनात्मक सूचना पंजी में दर्ज नहीं की जाएगी।

XVI. पात्र संस्थाओं, नाबालिगों और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति आदि के लाभ के लिये किसी आवेदक का आवेदन और पंजीकरण :

- (1) पात्र संस्थाएं, निगमित निकाय और समितियां (सहकारी समितियों के साथ) सदस्य के रूप में पंजीकृत की जाएंगी।

- (2) कोई भी वयस्क, जो किसी नाबालिग का माता-पिता हो, सौतेला माता-पिता हो या विधिक अभिभावक हो, अधिनियम की धारा 21 की उपधारा (2ए) के अनुसार और उपबंधित सीमा तक यूनिट रख सकता है और क्रय-विक्रय कर सकता है। अपेक्षानुसार ऐसा वयस्क ट्रस्ट द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से नाबालिग की उम्र और नाबालिग की ओर से यूनिट रखने तथा क्रय-विक्रय करने की क्षमता का प्रमाणपत्र ट्रस्ट के समक्ष पेश करेगा। आवेदन में ऐसे वयस्क द्वारा किये गये कथन के अनुसार बिना किसी अतिरिक्त प्रमाण के ट्रस्ट को कार्य करने का अधिकार होगा।
- (3) जहां किसी अन्य व्यक्ति, जो मानसिक रूप से विकलांग है, के लाभ के लिये किसी व्यक्ति द्वारा आवेदन किया जाए वहां ट्रस्ट प्रस्तुत कथन के आधार पर कार्य करेगा और ऐसा करने में यह समझा जाएगा कि ट्रस्ट सद्भावपूर्वक कार्य कर रहा है। ट्रस्ट को हक होगा कि वह केवल आवेदक के साथ व्यवहार करे और उसकी मृत्यु की स्थिति में सभी व्यावहारिक प्रयोजनों के लिए वैकल्पिक आवेदक के साथ व्यवहार करे तथा उक्त आवेदक या वैकल्पिक आवेदक को ट्रस्ट द्वारा यूनिट के सम्बंध में किया गया भुगतान ट्रस्ट के लिए सही उन्मोचन माना जाएगा।
- (4) पात्र संस्थाओं, निगमित निकायों या समितियों से जब कभी अपेक्षा की जाएगी, उन्हें यूनिट में निवेश करने की आवेदक की क्षमता से संबंधित सभी दस्तावेज, जैसे संस्था के अंतर्नियम और बहिर्नियम उप-विधियां आदि, प्रबंध निकाय द्वारा पारित संकल्प की प्राधिकृत प्रति और अपेक्षित मुख्तारनामा की प्रति ट्रस्ट के समक्ष पेश करनी होगी।
- (5) फर्म को सदस्य के रूप में पंजीकृत किया जाएगा और सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र फर्म के नाम से बनाया जाएगा।

XVII. ट्रस्ट के उन्मोचन करने के लिये सदस्य द्वारा रसीद :

योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के यूनिटों के संबंध में सदस्य को प्रदत्त राशि के लिये उसके द्वारा दी गई रसीद ट्रस्ट के प्रति अच्छा उन्मोचन होगा।

XVIII. सदस्यों द्वारा नामांकन :

- (1) नामांकन सुविधा केवल अपनी ओर से आवेदन करने वाले व्यक्तियों अर्थात् एकल या संयुक्त रूप से दो तक के लिए उपलब्ध है। आवेदक एक व्यक्ति को नामित कर सकते हैं। अवयस्क तथा अनिवासी भारतीय भी नामित किए जा सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी किए गये दिशानिर्देशों के अनुसार अनिवासी भारतीय नामित किए जा सकते हैं। प्लान के चालू रहने के दौरान आवेदक किसी भी समय नामांकन में परिवर्तन कर सकता है।
- (2) सदस्यों को, जो नाबालिग की ओर से माता-पिता हों या विधिक अभिभावक हों तथा पात्र संस्था, समिति, निगमित निकाय और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिट हेतु आवेदन करने वाले आवेदक को नामांकन करने का अधिकार नहीं होगा।

अन्य प्रावधान विनियमों में उपलब्ध कराई गई सीमा तक रहेंगे।

XIX. सदस्य की मृत्यु :

- (1) यूनिट के संयुक्त सदस्यों में किसी एक की मृत्यु हो जाने पर ट्रस्ट द्वारा जीवित व्यक्ति को ही योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के यूनिटों के हकदार होने या उसके हिताधिकारी होने की मान्यता दी जाएगी।
लेकिन इसमें अंतर्विष्ट कोई भी बात उक्त यूनिटों के संदर्भ में ऐसे जीवित व्यक्ति के विरुद्ध किसी अन्य व्यक्ति के किसी अधिकार को प्रभावित नहीं करेगी।
- (2) किसी एकल सदस्य की मृत्यु की स्थिति में नामिती को यूनिटों के संबंध में ट्रस्ट द्वारा देय राशि के हकदार व्यक्ति के रूप में ट्रस्ट द्वारा मान्यता दी जाएगी।
- (3) किसी एकल सदस्य द्वारा वैध नामांकन नहीं किये जाने की स्थिति में मृत व्यक्ति का निष्पादक या प्रशासक या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 (1925 का 39) के भाग X के अंतर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का धारक ही वह व्यक्ति होगा, जिसे यूनिटों के हकदार के रूप में ट्रस्ट द्वारा मान्यता दी जा सकती है।
- (4) किसी सदस्य/सदस्यों की मृत्यु के परिणामस्वरूप यूनिट के हकदार हो जानेवाले व्यक्ति को, ट्रस्ट द्वारा उसके हक के लिये पर्याप्त समझे गये साक्ष्य के प्रस्तुतीकरण के बाद तथा दावेदार द्वारा दावा संबंधी सभी औपचारिताएं पूरी करने के बाद मृत व्यक्ति के खाते में जमा सभी यूनिटों के पुनर्खरीद मूल्य का भुगतान किया जाएगा।
- (5) यदि नामिती/विधिक उत्तराधिकारी यूनिट रखने का पात्र है तो उक्त नामिती/विधिक उत्तराधिकारी को उसकी इच्छा के अनुसार मृत व्यक्ति के खाते में जमा सभी यूनिटों का पुनर्खरीद मूल्य प्राप्त करने के बदले उसको सदस्य के रूप में यूनिट रखने और पंजीकृत सदस्य के रूप में बने रहने की अनुमति दी जाएगी तथा जितने यूनिट वह रखना चाहेगा, न्यूनतम यूनिट रखने की शर्तों पर उतने यूनिटों का उल्लेख करते हुए उसके नाम से सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।
- (6) जिस आवेदक ने मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिये यूनिटों हेतु आवेदन किया है, उसकी मृत्यु हो जाने की स्थिति में ट्रस्ट वैकल्पिक आवेदक के साथ व्यवहार करेगा, मानो वही आवेदक हो। इसके अलावा आवेदक या वैकल्पिक आवेदक की मृत्यु की स्थिति में, जैसा भी मामला हो, मौजूदा आवेदक अपने वैकल्पिक आवेदक के रूप में किसी अन्य व्यक्ति को नियुक्त करेगा।
- (7) अवरुद्ध अवधि में एकल सदस्य की मृत्यु की स्थिति में ट्रस्ट आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दावे का निपटान करेगा और संबंधित खण्ड में दिये गये ब्योरे के अनुसार या ट्रस्ट द्वारा यथानिर्णीत अन्य रीति से कानूनी वारिस/नामिती को भुगतान करेगा।
- (8) अ-निवासी सदस्य(सदस्यों) की मृत्यु के मामले में यूनिटों की पुनर्खरीद राशि का विप्रेषण अ-निवासी नामिती अथवा विधिक धारिस/वारिसों को किया जा सकता है बशर्ते :
(क) यूनिटें भारत के बाहर से विप्रेषित निधि में से, भारत में अ-निवासी (ई) खाते में धारित निधि में से अथवा एफसीएनआर जमा-राशि में से खरीदी गई हों और

(ख) नामिती भारत के बाहर निवास कर रहा हो/विधिक वारिस भारत के बाहर रहता हो/रहते हों।

जहां यूनिटें एनआरओ खातों में धारित निधि से खरीदी गई हों, वहां अ-निवासी नामिती अथवा विधिक वारिस(वारिसों) के मामले में, पुनर्खरीद राशि भारत के बाहर प्रत्यावर्तन के योग्य नहीं होगी। जहां नामिती नामांकन के समय निवासी था परन्तु बाद में अ-निवासी बन गया हो, ऐसे दावों के मामले में, राशि के विप्रेषण की विधि हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक की राय लेनी होगी।

XX. आय वितरण एवं आय का संचय :

सदस्य को निम्नलिखित में से किसी विकल्प में भाग लेने का अधिकार होगा :

- 1) मासिक आय
- 2) वार्षिक आय या
- 3) संचयी विकल्प

यह योजना में निवेश के समय किया जाएगा और एक बार दिया गया विकल्प अंतिम होगा। ₹ 10,000/- या उससे अधिक के निवेश के लिए निवेशक द्वारा विकल्प नहीं दिए जाने के मामले में उसे मासिक आय विकल्प समझा जाएगा एवं तदनुसार ही कार्रवाई की जाएगी।

प्लान के अंतर्गत सुनिश्चित प्रतिलाभ एवं परियोजना पर निवेशित पूंजी की सुरक्षा की गारंटी ट्रस्ट को विकल्प प्रारक्षित निधि द्वारा दी गई है।

योजना एवं उसके अंतर्गत बने प्लान के प्रावधान दोनों विकल्पों के लिए लागू होंगे और जहां प्रावधानों में हेरफेर है, वहां संबंधित ब्यौरे तदनुसार दिए गए हैं।

(I) मासिक आय विकल्प

- (1) इस विकल्प के अंतर्गत, ट्रस्ट 12.50% प्र.व. की दर से सुनिश्चित लाभांश प्लान के पाँचों वर्षों के लिए उत्तर दिनांकित मासिक वारंटों द्वारा अदा करेगा।

निवेश उद्देश्यों और प्लान की प्रचलित नीतियों तथा लिखतों से अनुमानित लाभ, जिनमें योजना की निधियों का निवेश किया जाएगा, के आधार पर योजना को प्लान के अंतर्गत 12.50% प्रति वर्ष की दर से मासिक रूप से देय न्यूनतम आश्वासित आय अदा करने के लिए पर्याप्त आय प्राप्त हो सकेगी।

प्रत्येक माह के लिये आय वितरण अगले महीने के प्रारंभ में देय होगा और पूर्व भुगतान व्यवस्था के अंतर्गत ट्रस्ट द्वारा भुगतान ट्रस्ट द्वारा विनिर्दिष्ट बैंक की शाखाओं पर सममूल्य पर देय आय वितरण वॉरंट या किसी लिखत के माध्यम से किया जाएगा।

ऐसे यूनिट जिनकी बिक्री किसी महीने की 15 तारीख को या उसके पहले ट्रस्ट द्वारा स्वीकृत आवेदन के अंतर्गत की जा चुकी है, पूरे महीने के आय वितरण के पात्र होंगे और जो यूनिट महीने की 15 तारीख के बाद बेचे गए हों वे उस आधे महीने के आय वितरण के पात्र होंगे।

आय की हकदारी निम्न रूप से होगी :

28.01.1998 से 31.01.1998	-	आधे महीने की आय
01.02.1998 से 15.02.1998	-	पूरे महीने की आय
16.02.1998 से 28.02.1998	-	आधे महीने की आय
01.03.1998 से 13.03.1998	-	पूरे महीने की आय

- (3) निवेश की तिथि पर निर्भर करते हुए, दो आय वितरण वारंट, एक 31 मार्च 1998 (दिनांकित 31 मार्च, 1998) तक की अवधि के लिए और दूसरा 1 अप्रैल 1998 से 30 जून 1998 (दिनांकित 1 मई, 1998) तक की अवधि के लिए एवं 9 उत्तर दिनांकित वारंट जुलाई '98 से मार्च '99 तक की अवधि के लिए सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र के साथ भेजे जाएंगे।

उसके बाद के वर्षों के लिए आय वितरण वारंट, कर-कानूनों में हुए परिवर्तनों पर निर्भर करते हुए, प्रत्येक वर्ष मार्च/अप्रैल महीने में जारी किया जाएगा और उसे अग्रिम रूप से भेजा जाएगा। उसके बाद के वर्षों के लिए वारंटों का प्रेषण निम्नलिखित सारणी के अनुसार होगा :

अवधि	वारंटों का प्रेषण
01.04.1999 से 31.03.2000	मार्च-अप्रैल 1999 तक
01.04.2000 से 31.03.2001	मार्च-अप्रैल 2000 तक
01.04.2001 से 31.03.2002	मार्च-अप्रैल 2001 तक
01.04.2002 से 31.03.2003	मार्च-अप्रैल 2002 तक

प्रत्येक वर्ष मार्च माह के लिए आय वितरण वारंट पर तारीख 31 मार्च होगी।

- (4) उप खण्ड (3) के उपबंधों के अधीन मासिक आधार पर आय वितरण के भुगतान के लिए वारंट सदस्य को अग्रिम रूप से भेजे जाएंगे।

वारंट को इस प्रकार दिनांकित किया जाएगा कि सदस्य भुगतान के लिए परिपक्व होने पर प्रत्येक वारंट को भुना सके। हरेक वारंट तीन महीने के लिए वैध रहेगा। वैध अवधि पूरी होने के पहले सदस्य के पास कोई वारंट नहीं पहुंचने या उनके पुराने हो जाने की स्थिति में ट्रस्ट ब्याज का भुगतान करने के लिये बाध्य नहीं होगा।

- (5) पुनर्खरीद की स्थिति में अवतत वारंटों को अभ्यर्पित नहीं करने पर सदस्य अगले महीने देय और परिपक्वता तिथि को सदस्य की अभिरक्षा में शेष वारंटों को भुनाने का हकदार होगा और ऐसे आय वितरण वारंट की राशि पुनर्खरीद की राशि से काट ली जाएगी।
- (6) सदस्य की मृत्यु की स्थिति में, यदि एकमात्र नामिती/विधिक उत्तराधिकारी यूनिट रखने का पात्र है और आगे भी यूनिट रखना चाहता है, तो ऐसा नामिती/विधिक उत्तराधिकारी आवश्यक सुधार के लिए भावी महीनों के अनभुनाए सभी वारंट वापस करने के लिए बाध्य होगा।

तथापि, आगे यूनिट रखने के इच्छुक नाभिली/विधिक उत्तराधिकारी मृत सदस्य के पक्ष में पहले से जारी वारंट को सुधार करके नये प्रविष्ट सदस्य के पक्ष में करने में लगनेवाले समय के लिये कोई ब्याज या मुआवजा प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा।

- (7) किसी आवेदक की मृत्यु की स्थिति में, जहां मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिये आवेदक द्वारा आवेदन किया जाए, वहां वैकल्पिक आवेदक को आवश्यक सुधार के लिये भावी महीनों के अनभुनाए सभी आय वितरण वारंट वापस करने होंगे। लेकिन, ऐसा वैकल्पिक आवेदक मृत आवेदक के पक्ष में पहले से जारी वारंट को सुधार करके नये प्रविष्ट आवेदक के पक्ष में करने में लगनेवाले समय के लिये कोई ब्याज या मुआवजा प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा।

(2) वार्षिक आय विकल्प

- i) इस विकल्प के अंतर्गत, सभी 5 वर्षों के लिए वार्षिक रूप से देय 13.24% प्र.व. की दर से आश्वासित आय का भुगतान करेगी।
- ii) पहला आय वितरण वारंट अप्रैल, 1998 से मार्च 1999 (दिनांकित 31 मार्च 1999) की अवधि के लिए मार्च, 1999 में भेजा जाएगा। बाद के आय वितरण वारंट, प्रतिवर्ष अप्रैल-मार्च की अवधि के लिए निम्नलिखित सूची के अनुसार भेजे जाएंगे। हालांकि निवेश की तिथि पर निर्भर करते हुए, निवेशकों को मासिक आय विकल्प के सदस्यों पर लागू सीमा तक 12.50% प्र.व. की दर से 31 मार्च, 1998 तक की अवधि के लिए सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र के साथ भेजे जानेवाले चेक के जरिए मुआवजा अदा किया जाएगा।

अवधि

वारंटों के प्रेषण

01.04.1999 से 31.03.2000	मार्च, 2000
01.04.2000 से 31.03.2001	मार्च, 2001
01.04.2001 से 31.03.2002	मार्च, 2002
01.04.2002 से 31.03.2003	मार्च, 2003

(3) संचयी विकल्प

इस विकल्प के अंतर्गत कोई आय वितरित नहीं की जाएगी। प्रतिलाभ 13.24% प्र.व. की दर से संचयित किया जाएगा ताकि इस विकल्प के अंतर्गत निवेशित रु. 5000/-, पाँच वर्षों के बाद प्रतिदान के समय कम से कम रु. 9310/- हो जाए। तथापि, निवेश की तिथि पर निर्भर करते हुए, मासिक आय विकल्प के अंतर्गत सदस्यों को लागू सीमा तक, निवेशक को 12.50% प्र.व. की दर से 31 मार्च, 1998 तक मुआवजा दिया जाएगा और उसे चेक के माध्यम से यूनिट प्रमाणपत्रों/सदस्यता सूचना के साथ भेजा जाएगा।

प्लान के अंतर्गत 12.50% प्र.व. प्रतिलाभ का औचित्य

मान लीजिये कि यह योजना 100 करोड़ रुपये एकत्रित करती है। आरंभिक व्यय 3% हैं और उन्हें 3 वर्षों की अवधि के पश्चात् बट्टे खाते में डाला है (यह इसलिए कि 3 वर्षों के बाद पुनर्खरीद शुरू हो जाती है)। पहले वर्ष में उपलब्ध निवेश योग्य निधियां 97 करोड़ रुपये होंगी।

फंड ऋण लिखतों में 75%, एवं इक्विटी में 25% का निवेश करेगा। योजना, ऐसे डिबेंचर/बॉण्ड में निवेश करेगी, जिसका जोखिम तत्त्व न्यून से मध्यम हो। इन लिखतों में वाईटीएम 14.50% से 16.50% की सीमा में हैं। इसका अर्थ है कि ऋण लिखतों की औसत भारित आय 15.30% होगी।

इक्विटी पर वार्षिकीकृत प्रतिलाभ, लाभांश आय, मूल्य वृद्धि/मूल्यहास और अंकित लाभ के अनुसार करीब 15% होगी।

लिखतें	पोर्टफोलियो का प्रतिशत	निवेश योग्य निधि	आय प्रतिशत
डिबेंचर	75	72.75	15.30
इक्विटी	25	24.25	15.00

पोर्टफोलियो पर औसत भारित आय =

$$\frac{72.75 * 15.3 + 24.25 * 15}{100} = 14.77\%$$

वार्षिक व्यय एवं प्रावधानों को 1.5% मानते हुए, वितरण के लिए उपलब्ध आय 13.27% होगा। यह मासिक रूप से 12.50% प्र.व. की दर से देय, वार्षिकीकृत आय 13.24% के भुगतान के लिए पर्याप्त होगा।

उपरोक्त निदर्शी है और प्लान के शुरूआत के समय बाजार की स्थितियों पर आधारित है।

निवेशकों के बैंक विवरण

इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा :

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने समाशोधन गृह के जरिए एक नई अवधारणा इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (ईसीएस) आरंभ की है जिससे कागज के लिखतों को जारी करने तथा उनको संभालने की आवश्यकता का निराकरण किया जाए और इस प्रकार ग्राहक सेवा में सुधार करके उसे सुविधाजनक बनाया जा सके। ट्रस्ट द्वारा यह मुख्य रूप से कलकत्ता/चेन्नई/मुंबई/नई दिल्ली/बंगलोर में ऐसे निवेशकों की सहायता करने हेतु आरंभ किया गया है जिनकी लाभांश से होनेवाली आय एक एकल लिखत के अनुसार रु.50,000/- से कम है।

इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार निवेशक से अपेक्षित है कि वह ईसीएस हेतु अपना अधिदेश आवेदन पत्र में दिए गए प्रारूप के अनुसार उसमें सभी विवरण पूरा करके प्रस्तुत करें। इससे ट्रस्ट को निवेशक के संबंधित बैंक खाते में आय की राशि अतिशीघ्र जमा करने में सहायता मिलेगी तथा आय वारंट के मुद्रण एवं प्रेषण संबंधी कार्य नहीं रहेंगे और वह निवेशकों को बेहतर सेवा प्रदान कर सकेगा। बैंक शाखा सदस्य के खाते में क्रेडिट करेगी तथा पासबुक/खाता विवरण में क्रेडिट प्रविष्टि को "ईसीएस" से निर्विष्ट करेगी। जो आवेदक यह सुविधा प्राप्त करना चाहते हैं वे आवेदन पत्र में अपने बैंक का नाम और पता, खाते का प्रकार और नंबर, 9 अंकों वाली बैंक एवं शाखा कूट संख्या इत्यादि भरें।

यद्यपि इस सुविधा का लाभ प्राप्त करना अनिवार्य नहीं है।

यदि इस सुविधा पर मिली प्रतिक्रिया इसके संचालन हेतु पर्याप्त नहीं है या कोई अन्य कारण से इसका संचालन नहीं किया जा सके तो "ईसीएस" के अंतर्गत आय का भुगतान करने के बजाय ट्रस्ट उपरोक्तानुसार आय वारंट जारी करके आय की अदायगी कर सकता है।

आय वितरण वारंटों के खो जाने/गलत स्थान पर पहुंचने के कारण उनके संभावित कपटपूर्ण नकदीकरण के विरुद्ध सावधानी के तौर पर उपरोक्त सुविधा का लाभ नहीं उठाने वाले तथा कलकत्ता, चेन्नई, मुंबई, नई दिल्ली एवं बंगलोर - नगरों से बाहर रहने वाले आवेदकों से अनुरोध किया जाता है कि वे रिकार्ड के लिए आवेदन फार्म में उपयुक्त स्थान पर तथा पावती रसीद वाले भाग पर अपने बैंक खाते का पूरा विवरण (अर्थात् खाते का प्रकार एवं खाता संख्या, बैंक का नाम) दें। तब आय वितरण वारंट इस प्रकार से निर्दिष्ट किए गए उनके खाते में जमा करने के लिए बैंक के पक्ष में तैयार कर उन्हें भेजे जाएंगे। सदस्य कथित बैंक में अपने खाते में जमा (क्रेडिट) करने हेतु उस आय वितरण वारंट को प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि बैंक संबंधी पूरा विवरण नहीं दिया जाता है तो आय वितरण वारंट सदस्य के नाम से जारी किया जाएगा।

आय वितरण वारंट/पुनर्खरीद चेक/परिपक्वता चेक के कपटपूर्ण नकदीकरण से बचने के निवेशकों को यह सलाह दी जाती है कि अपनी सुविधा के लिए आवेदन पत्र में उपयुक्त स्थान पर बैंक - ब्यौरा भर दें। यदि बैंक ब्यौरा नहीं दिया जाता है तो कपटपूर्ण नकदीकरण से निवेशक को होने वाली हानि के लिए ट्रस्ट उत्तरदायी नहीं होगा।

अनिवासी भारतीय निवेशक को आय वितरण

प्लान के अंतर्गत आय मुद्रा नियंत्रण विनियमों के अनुसार अदा की जाएगी। आय के भुगतान की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है :

- i) वारंट निवेशक के नाम जारी किया जा सकता है तथा सदस्य के एनआरई/एनआरओ खाते में जमा करने के लिए उसके किसी ऐसे रिश्तेदार को भेजा जा सकता है जो भारत का निवासी हो।

अथवा

- ii) वारंट किसी ऐसे रिश्तेदार के नाम जारी किया जा सकता है जो भारत का निवासी हो तथा उसे भेजा जा सकता है ताकि वह अपने खाते में जमा कर सके।

मासिक आय योजना 1998 [एमआईएस '98] का ब्यौरा जारी

III. इस योजना से संबंधित आस्तियों का मूल्यांकन :

- (1) अवरुद्ध अवधि के अधीन वाले निवेशों सहित उद्धृत निवेशों का मूल्यांकन, मूल्यांकन की तारीख को बाजार में बंद मूल्य पर या मूल्यांकन की तारीख से साठ दिन पूर्व की अवधि में बिल्कुल हाल ही की उपलब्ध दर पर किया जाता है। यदि मूल्यांकन की तारीख से साठ दिन पूर्व की अवधि हेतु कोई भाव उपलब्ध नहीं है तो उसे अनोद्धृत निवेश माना जाता है।
- (2) उद्धृत डिबेंचरों और बॉण्डों के मामले में, बाजार दर, जो ब्याज सहित है उसे ब्याज तत्त्व, यदि कोई हो, के लिए समायोजित किया जाता है।
- (3) अनोद्धृत/गैर-व्यापारिक इक्विटी शेयरों का मूल्यांकन प्राप्तियों के पूंजीकरण और बही मूल्य (विश्लेषित मूल्य) के औसत में से 10% घटाकर किया जाता है।
- (4) अनोद्धृत डिबेंचर, बॉण्ड और अंतरणीय नोट परिपक्वता पर प्रतिफल के आधार पर जैसा कि ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित हो, मूल्यांकित किए जाते हैं।

- (5) अनोधृत वारंट, पड़े हुए शेयरों की बाजार दर पर, आय तत्त्व, यदि कोई हो, के लिए बट्टा काटकर तथा देय प्रायोगिक मूल्य से कम करके, लिए जाते हैं। जिन मामलों में इस तरह लिए गए मूल्य से प्रायोगिक देय मूल्य ज्यादा हो, वहां वारंटों का मूल्य शून्य लिया जाता है।
- (6) परिवर्तनीय डिबेंचर और बॉण्ड, जहां मिश्र बाजार भाव उपलब्ध न हो, वहां परिवर्तनीय भाग का मूल्यांकन, संबंधित इक्विटी शेयरों, जिनमें लाभांश तत्त्व, यदि कोई हो, के लिए बट्टा काट कर किया जाता है। ऐसे डिबेंचरों एवं बॉण्डों का अपरिवर्तनीय भाग, यदि कोई हो, का मूल्यांकन, परिपक्वता पर प्रतिफल के आधार पर, जैसा कि ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित हो, किया जाता है। जहां परिवर्तनीय भाग के लिए परिवर्तन की शर्तें विनिर्दिष्ट न हों, वहां उन्हें लागत पर लिया जाता है।
- (7) मुद्रा बाजार लिखतों का मूल्यांकन एक से अधिक डीलर या दलाल से प्राप्त भाव के आधार पर किया जा सकता है।
- (8) सरकारी प्रतिभूतियों का मूल्यांकन, प्रचलित बाजार दरों पर आधारित, परिपक्वता पर प्रतिफल (वाईटीएम) आधार पर किया जाएगा।
- (9) उपरोक्त पैरा (1) से (8) तक के अनुसार यथासंगणित निवेशों के सकल मूल्य की तुलना ऐसे निवेशों की कुल लागत से की जाती है और परिणामी मूल्यहास, यदि कोई हो, को राजस्व लेखे से प्रभारित किया जाता है।

IV. शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) का परिकलन और प्रकटीकरण :

योजना के अंतर्गत जारी यूनिटों के शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन योजना के उपचयों और उपबंधों को ध्यान में रखते हुए योजना की आस्तियों के मूल्य को निर्धारित कर और योजना की देयताओं को घटाकर किया जाएगा। प्रति यूनिट शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन योजना के एनएवी में उस तिथि को जारी और बकाया यूनिटों की कुल संख्या से भाग दे कर किया जाएगा। योजना का एनएवी मासिक आय विकल्प, वार्षिक आय विकल्प और संचयी विकल्प के लिए अलग-अलग निर्धारित किया जाएगा। प्लान के आरंभ होने के छः माह के बाद और उसके बाद मासिक आधार पर शुद्ध आस्ति मूल्य (पूर्ववर्ती आधार पर) समाचार पत्रों में प्रकाशन हेतु जारी किया जाएगा।

V. (क) निवेश उद्देश्य :

योजना का निवेश उद्देश्य मुख्यतः ग्राहक को नियमित मासिक आय उपलब्ध कराना तथा योजना की परिपक्वता पर ग्राहक की पूंजी में वृद्धि के लिए प्रयत्न करना भी है।

योजना के अंतर्गत संग्रहीत निधियों का सभी प्रारंभिक परिचालन पूर्व और परिचालनगत खर्चों का प्रावधान करने के बाद सामान्यतः निम्न रूप में निवेश किया जाएगा :

- (i) निधियों का कम से कम 70% ऋण लिखतों में निवेश किया जाएगा। निवेश का जोखिम तत्त्व न्यून से मध्यम होगा।
- (ii) निधियों का 30% से अनधिक इक्विटी और इक्विटी संबंधी लिखतों में निवेश किया जाएगा। जोखिम तत्त्व इक्विटी निवेश में उच्च हो सकता है।

न्यूनतम एवं अधिकतम आस्ति निर्धारण :

ऋण : न्यूनतम 70% अधिकतम 100%

इक्विटी : अधिकतम 30%

मुद्रा बाजार लिखतों के लिए सामान्यतः कोई नियत निर्धारण नहीं है। मुद्रा बाजार लिखतों में निवेश न्यूनतम रखा जाएगा ताकि प्लान के तरलता की आवश्यकताएं पूरी हो सकें।

ट्रस्ट, सुरक्षा के ख्याल से अल्प अवधि के लिए आस्ति निर्धारण के विकल्प को बदलने का विकल्प रखता है।

ऊपर बताए गए निवेश उद्देश्यों के अनुसार योजना की निधियों के प्रतिभूतियों में, विनियोजन किए जाने तक ट्रस्ट योजना की निधियों का निवेश अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के अल्पावधि जमाओं में कर सकता है।

(ख) निवेश नीतियां

- (i) सभी ऋण लिखतें जिनमें योजना द्वारा निवेश किया जाता है, उनके निवेश दर्जे का निर्धारण समय-समय पर मान्यता प्राप्त किसी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा किया जाएगा, बशर्ते यदि ऋण लिखत का निर्धारण नहीं किया गया हो, तो निवेश के लिए ट्रस्ट के न्यासी मंडल से विशिष्ट अनुमोदन लिया जाएगा।
- (ii) इस योजना द्वारा कोई सावधि ऋण नहीं दिये जाएंगे।
- (iii) इस योजना से दूसरी योजना/प्लान में अंतरण केवल तभी किया जाएगा जब -
 - (क) उद्धृत लिखतों के लिए प्रचलित बाजार मूल्य पर ऐसे अंतरण स्पॉट आधार पर किए गए हों।
 - (ख) ऐसी अंतरित प्रतिभूतियां उस योजना/प्लान के निवेश उद्देश्यों के अनुरूप हों जिनमें ऐसे अंतरण किए जाते हैं।
 - (ग) प्लान की असूचीबद्ध या उद्धृत न किए गए निवेशों का ट्रस्ट की अन्य योजना/प्लान में अंतरण यूटीआई के न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित नीतियों के अनुसार किया जाएगा।
- (iv) योजना ट्रस्ट या किसी दूसरे म्यूचुअल फंड की किसी अन्य योजना/प्लान में कोई शुल्क प्रभारित किए बिना निवेश कर सकती है, बशर्ते ट्रस्ट की सभी योजनाओं द्वारा किया गया कुल अन्तरयोजना निवेश या किसी दूसरी आस्ति प्रबंधन कंपनी द्वारा प्रबंधित योजनाओं में किया गया निवेश ट्रस्ट के शुद्ध आस्ति मूल्य के 5% से अधिक न हो।
- (v) ट्रस्ट प्रतिभूतियों का क्रय विक्रय सुपुर्दगियों के आधार पर करेगा और खरीद के सभी मामलों में संबंधित प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी लेगा और बिक्री के सभी मामलों में प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी करेगा और किसी भी मामलों में खुद को ऐसी स्थिति में नहीं डालेगा जिससे इसे मंदड़िया बिक्री करनी पड़े या सौदे का वायदा (कैरी फारवर्ड) करना पड़े या बदला वित्त में लिप्त होना पड़े।

- (vi) जब भी निवेश दीर्घावधि प्रकृति के होने वाले हों, ट्रस्ट योजना की ओर से प्रतिभूतियों की खरीद या अंतरण ट्रस्ट के नाम से करवाएगा।
- (vii) योजना यूनिटों की पुनर्खरीद, प्रतिदान या ब्याज की अदायगी या सदस्यों को आय अदा करने के लिए नकदी की अस्थाई जरूरतों को पूरा करने के लिए उधार लेने के सिवा उधार नहीं लेगी। परन्तु उधार योजना की शुद्ध आस्ति के 20% से अधिक नहीं लिया जाएगा और इस तरह के उधार की अवधि छः माह से अधिक नहीं होगी।

प्लान की प्रतिभूतियों के लेन देन के लिए शेयर-दलाली फर्म और यूटीआई की सहायक संस्था यूटीआई सिक्योरिटीज एक्सचेंज लिमिटेड (यूटीआई-एसईएल) की सेवाएं ली जा सकती हैं जो नीतियों के अनुसार हों और ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा तय की गई सीमाओं के अधीन हों। यूटीआई एसईएल 1994 में स्थापित की गई थी। यह निवेशकों की आवश्यकताओं के अनुरूप उचित, पारदर्शी और कुशल सेवाएं प्रदान करने वाली उच्च तकनीकी कंपनी है। इसका पंजीकृत कार्यालय मुंबई में है।

- (ग) तथापि, ऊपर खण्ड III, IV और V (ख) के संबंध में किसी भी बात के होते हुए, आस्तियों का मूल्यांकन, शुद्ध आस्ति मूल्य का अभिकलन, पुनर्खरीद मूल्य और उनके प्रकटीकरण का अंतराल सेबी द्वारा समय-समय पर जारी सेबी (एमएफ) विनियमों के प्रावधानों/दिशा निर्देशों/निदेशों के अनुसरण में होगा।

VI. योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के प्रयोजनार्थ ट्रस्टों को स्वीकृति और मान्यता नहीं दिया जाना :

- (1) जो व्यक्ति सदस्य के रूप में पंजीकृत है और जिसके नाम से सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र जारी किया गया है, वही व्यक्ति ट्रस्ट द्वारा सदस्य के रूप में मान्य होगा और चूंकि ऐसे यूनिटों में उसका अधिकार, हक और हित है, इसलिये ट्रस्ट ऐसे सदस्य को उसके पूर्ण स्वामी के रूप में मान्यता देगा और इस योजना से संबंधित यूनिटों के हक को प्रभावित करने वाले किसी न्यास या इक्विटी या अन्य हित को मान्यता देने के लिए यहां स्पष्ट रूप से किए गए प्रावधान या किसी सक्षम प्राधिकार वाले न्यायालय के आदेश को छोड़कर किसी विपरीत नोटिस या किसी न्यास के निष्पादन पर ध्यान देने के लिए बाध्य नहीं होगा।
- (2) जब कोई व्यक्ति, किसी अन्य व्यक्ति जो मानसिक रूप से विकलांग है, के लाभ के लिये आवेदन करता है और ट्रस्ट द्वारा उसे स्वीकार किया जाता है तो यह नहीं माना जाएगा कि ट्रस्ट ने किसी विश्वास को ध्यान में रखा है। ट्रस्ट योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के अंतर्गत सभी प्रयोजनों के लिये आवेदक या आवेदक की मृत्यु होने पर आवेदन पत्र में वैकल्पिक आवेदक के रूप में उल्लिखित व्यक्ति के साथ व्यवहार करेगा।

VII. यूनिटों का अंतरण/गिरवी रखा जाना/समनुदेशन :

इस योजना के अंतर्गत जारी यूनिटें निम्नलिखित शर्तों के अधीन अंतरणीय/गिरवी रखे जाने योग्य/समनुदेशनीय होंगी :

- (क) इस योजना के प्रावधानों के अनुसार जारी यूनिट प्रमाणपत्र (सदस्यता सूचना नहीं) परक्राम्य है और जैसा कि इस प्लान के प्रावधानों के खण्ड III में उल्लेख किया गया है इसे व्यक्तिगत, व्यक्त या अन्य श्रेणियों को अंतरित किया जा सकता है।
- (ख) यूनिटधारण करने की क्षमता रखनेवाले अंतरणकर्ता और अंतरिती के द्वारा और बीच अंतरण प्रभावकारी होगा। किसी अन्य अंतरण को मान्यता देने के लिए ट्रस्ट बाध्य नहीं होगा।
- (ग) संबंधित यूनिट प्रमाणपत्रों के साथ अंतरण दस्तावेज और अंतरण माह सहित और तक अनभुनाये गए वारंट (मासिक आय विकल्प के मामले में) तथा ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर निर्धारित शुल्क इस कार्य हेतु नियुक्त किए गए रजिस्ट्रार के किसी भी कार्यालय में प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
- (घ) ट्रस्ट के किसी भी कार्यालय में प्रस्तुत या कार्यालय द्वारा स्वीकृत अंतरण संलेख नजदीक के रजिस्ट्रार के कार्यालय में अग्रेषित किए जाएंगे।
- (ङ.) प्रत्येक अंतरण लिखत पर अंतरणकर्ता तथा अंतरिती के हस्ताक्षर होंगे और रजिस्ट्रार द्वारा अंतरिती का नाम धारकों के रजिस्ट्रार में दाखिल करने तक अंतरण कर्ता को ही यूनिट का धारक समझा जाएगा।
- (च) अंतरणकर्ता के स्वत्वाधिकार या उसके यूनिटों का अंतरण करने के अधिकार के समर्थन में रजिस्ट्रार ऐसा कोई सबूत मांग सकते हैं जो उन्हें आवश्यक लगे।
- (छ) यदि यूनिट प्रमाणपत्र खो गया हो, चुरा लिया गया हो, नष्ट हो गया हो तो कुछ अपेक्षाओं, जिन्हें रजिस्ट्रार जरूरी समझे, को पूरा करने के बाद मूल यूनिट प्रमाणपत्र की प्रस्तुति के संबंध में रजिस्ट्रार छूट देंगे।
- (ज) यूनिटों के अंतरण का पंजीकरण होने पर अंतरण के सभी लिखत और यूनिट प्रमाणपत्र रजिस्ट्रार के पास रहेंगे।
- (झ) अंतरण को मान्यता देने वाले तथा पंजीकृत करनेवाले रजिस्ट्रार, उक्त अंतरण एवं प्रमाणपत्रों तथा वारंटों को जारी करने के संबंध में देय प्रभारों की अदायगी तथा वसूली के बाद, मूल या नया यूनिट प्रमाणपत्र और आय वितरण वारंट, यदि कोई हों (मासिक आय विकल्प के मामले में) अंतरिती को जारी करेंगे।
- (ञ) यदि कोई अंतरिती अधिकारिक क्षमता के कारण विधि के परिचालन से या गिरवी लागू होने पर अनुसूचित बैंक यूनिटों का धारक बन जाता है तो इच्छुक अंतरिती यूनिटों के धारण के लिए अन्यथा पात्र होने पर रजिस्ट्रार ऐसे साक्ष्य जिसे पर्याप्त समझे, के प्रस्तुतीकरण के अधीन अंतरण प्रभावी करेंगे।
- (ट) इसमें ऊपर उल्लिखित प्रावधानों के अधीन ट्रस्ट अंतरण को पंजीकृत करेगा और यूनिट प्रमाणपत्र दाखिल करने की तिथि से 30 दिनों के भीतर अंतरिती को आय वारंट, यदि कोई हो, सहित यूनिट प्रमाणपत्र अंतरण संबंधी सभी लिखतों के साथ वापस करेगा।

VIII. विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) में अंशदान :

प्रत्येक वर्ष मासिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.25% ट्रस्ट के डीआरएफ में अंशदान के रूप में रखा जाएगा।

डीआरएफ अंशदान आवर्ती व्यय का अंश होगा।

आश्वासित आय के साथ शुरु की गई योजनाओं के 12,175 करोड़ रुपए की निवेश योग्य निधियों की तुलना में 30 नवंबर 1997 को विकास प्रारक्षित निधि का परिमाण 575 करोड़ रुपए है। इन योजनाओं का कार्यनिष्पादन संतोषजनक है। एमआईपी 98 एवं अन्य आश्वासित आय योजनाओं की कमी को पूरा करने के लिए विकास प्रारक्षित निधि का परिमाण पर्याप्त समझा जाता है। अन्य आश्वासित आय योजनाओं की संख्या एवं स्थायी निधि पृष्ठ संख्या 46 पर दी गई है। ट्रस्ट ने इस निधि की स्थापना एक सामान्य निधि के रूप में 1983-84 में की थी ताकि ट्रस्ट नई योजनाओं को लागू करने के संबंध में अनुसंधान एवं विकास कार्यों को करने, नई पद्धतियों और प्रक्रियाओं का अवधारणा के स्तर पर प्रवर्तन करने तथा उत्पादन एवं विकास से संबंधित ऐसे बहुत से अन्य कार्यों जो किसी विशेष योजना से जुड़े अथवा संबंधित न हों, पर होने वाले व्ययों को पूरा कर सके। इस निधि का उपयोग आर्थिक और पूंजी बाजार अनुसंधान, प्रबंधन और व्यावसायिक प्रशिक्षण, ट्रस्ट के लिए सर्वेक्षण एवं बाजार अनुसंधान, मार्केटिंग और कॉर्पोरेट के छवि निर्माण संबंधी ऐसे प्रयासों जो किसी विशेष योजना से जुड़े हुए न हों तथा मानव संसाधन विकास संबंधी प्रयासों जिनका दीर्घकालिक प्रभाव हो और जो ट्रस्ट के भविष्य के कार्यकलापों से संबंधित हों, तथा ट्रस्ट की किसी भी योजनाओं में दिए गए आश्वासित प्रतिफल की दर में कमी होने पर, उनकी पूर्ति करने के लिए भी किया जा सकता है।

IX. कर्मचारी कल्याण ट्रस्ट में अंशदान :

प्रत्येक वर्ष मासिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.10% कर्मचारी कल्याण ट्रस्ट में अंशदान के रूप में रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारी कल्याण ट्रस्ट की स्थापना अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए की है जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सा सहायता, स्वास्थ्य सहायता अथवा इसी प्रकार के अन्य प्रयोजन शामिल हैं।

X. लेखों का प्रकाशन :

ट्रस्ट प्रत्येक वर्ष 30 जून के छः सप्ताह के भीतर यथाशीघ्र सेबी द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से विज्ञापन के माध्यम से लेखों को प्रकाशित करेगा, जिसमें उस तिथि को समाप्त अवधि के दौरान बनाई गई योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के कार्यों का विवरण होगा। ट्रस्ट अर्धवार्षिकी की समाप्ति अर्थात् 31 दिसंबर से 2 महीने के भीतर अपरीक्षित लेखा परिणाम प्रकाशित करेगा। ट्रस्ट सेबी को विधिवत् रूप से परीक्षित तुलनपत्र सहित वार्षिक लेखों की प्रतियां और राजस्व लेखा, अपरीक्षित अर्ध वार्षिक लेखों और एनएवी में हुए उतार चढ़ाव का एक तिमाही पोर्टफोलियो विवरण पिछली अवधि में हुए परिवर्तनों सहित भेजेगा। ट्रस्ट निवेशकों को वह जानकारी देगा जो उनके निवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के बारे में हो और जिनका सूचित किया जाना आवश्यक हो। ट्रस्ट, सदस्य से लिखित रूप में अनुरोध प्राप्त होने पर, उसे प्रकाशित लेखों और विवरणों की एक प्रति भेजेगा।

XI. योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में परिवर्धन और संशोधन :

बोर्ड समय-समय पर इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में परिवर्धन या अन्यथा संशोधन कर सकता है और उसमें किये गये परिवर्धन/संशोधन की अधिसूचना सरकारी राजपत्र में की जाएगी। किसी संशोधन के मामले में सेबी का पूर्व अनुमोदन लिया जाएगा।

जब योजना की मूल विशेषताओं या ट्रस्ट या शुल्क या देय प्रभारों में या अन्य कोई ऐसा परिवर्तन किया जाना हो जिससे योजना परिवर्तित हो जाए या सदस्यों के हितों पर प्रभाव पड़े तो ऐसे परिवर्तन करने के लिए कम से कम तीन-चौथाई सदस्यों की सहमति ली जाएगी :

परन्तु यह कि तब तक ऐसा कोई परिवर्तन न किया जाए जब तक तीन-चौथाई सदस्यों ने अपनी सहमति न दे दी हो और जो अपनी सहमति न दें उन्हें योजना से अपनी धारिताएं मोचित करने की अनुमति है।

स्पष्टीकरण : इस खण्ड के प्रयोजन के लिए "मूल विशेषताओं" का अर्थ है निवेश उद्देश्य, तथा योजना की शर्तें।

XII. योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति :

- (क) प्लान 31-03-2003 को पूर्ण रूप से समाप्त किया जाएगा, सदस्यों के बकाया यूनिटों की पुनर्खरीद की जाएगी और सदस्यों को उनके यूनिटों के मूल्य की अदायगी उक्त अवधि के दौरान अंतिम पुनर्खरीद के लिए निर्धारित पुनर्खरीद मूल्य पर की जाएगी। निर्धारित पुनर्खरीद मूल्य की प्राप्ति के अलावा बाद की किसी अवधि के लिए पुनर्खरीद मूल्य में वृद्धि या आय के रूप में किसी प्रकार का कोई अतिरिक्त लाभ उपचित नहीं होगा। फिर भी, ट्रस्ट, सेबी की पूर्व अनुमति से इस योजना को 5 वर्षों से आगे बढ़ाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। ऐसी स्थिति में सदस्यों को विकल्प दिया जाएगा कि या तो वे यूनिटों को वापस ट्रस्ट को बेच दें अथवा इस योजना में बने रहें। ट्रस्ट द्वारा निवेशक को यह विकल्प भी दिया जा सकता है कि वह पुनर्खरीद की राशि को आरंभ की गई अथवा उस समय परिचालन में रहने वाली किसी भी योजना में परिवर्तित कर सके। योजना अवधि का 5 वर्षों के बाद विस्तार विनियम 33 के उपविनियम 4 के अनुसार होगा। उपविनियम के प्रावधान हैं : एक नियतकालिक योजना परिपक्वता अवधि के उपरांत पूरी तरह उन्मोचित होगी यदि यूनिटधारकों का बहुमत एक संकल्प के जरिए संके रॉलओवर का निश्चय न करे। फिर भी रॉलओवर का विकल्प नहीं चुननेवाले निवेशकों को योजना में अपनी धारिता को उन्मोचित करने की अनुमति दी जाएगी।
- (ख) ट्रस्ट योजना और उसके अंतर्गत बनाए गए प्लान को निम्नलिखित परिस्थितियों में समाप्त कर सकता है :
- i) प्लान के पांच वर्ष पूरे होने पर अर्थात् 31 मार्च, 2003 को अथवा 5 वर्ष के आगे ऐसी तारीख की समाप्ति पर जो ट्रस्ट द्वारा यथानिर्धारित हो।
 - ii) कोई ऐसी घटना घटित होने पर जिससे ट्रस्ट की राय में योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति आवश्यक हो, या
 - iii) योजना के 75% सदस्यों द्वारा योजना को समाप्त करने का संकल्प पारित करने पर, या
 - iv) सदस्यों के हित में सेबी ऐसा करने के लिए निर्देश दें।
- (ग) जहां उपर्युक्त उप खण्ड (ख) के अनुसरण में योजना की समाप्ति की जाती है, तो ट्रस्ट को योजना को समाप्त करने वाले कारणों की सूचना, समापन के कम से कम एक सप्ताह पहले सेबी को और अखिल भारतीय स्तर पर परिचालित होनेवाले दो दैनिक समाचार पत्रों में और मुंबई में एक स्थानीय भाषा के समाचार पत्र में देनी होगी।
- (घ) योजना की समाप्ति संबंधी विज्ञापन की तिथि को और उस तिथि से ट्रस्ट -
- (i) इस योजना से संबंधित कोई भी व्यावसायिक क्रियाकलाप नहीं करेगा।
 - (ii) इस योजना के अंतर्गत यूनिटों को उत्पन्न और रद्द करना बंद करेगा।
 - (iii) इस योजना में यूनिटों को जारी करना और यूनिटों का प्रतिदान भी बंद करेगा।

- (ड.) न्यासी मंडल सदस्यों की एक बैठक बुलाएगा जिसमें उपस्थित सदस्यों द्वारा विचार किया जाएगा तथा साधारण बहुमत से आवश्यक संकल्प पारित किया जाएगा और मतदान द्वारा न्यासियों अथवा किसी अन्य व्यक्ति को योजना की समाप्ति हेतु कदम उठाने के लिए प्राधिकृत किया जाएगा।

परन्तु यदि योजना परिपक्वता अवधि के पूरा होने पर समाप्त की जाती है तो बैठक आवश्यक नहीं होगी।

- (च) (i) न्यासी मंडल या योजना के उप खंड (ड.) के अन्तर्गत प्राधिकृत व्यक्ति योजना से संबंधित आस्तियों को योजना के सदस्यों के सर्वोत्तम हित में निपटाएगा।
- (ii) ऊपर दिए गए खण्ड (च)(i) के अनुसार की गई बिक्री की राशि को पहले दृष्टान्त में, योजना के अंतर्गत ऐसी देयताओं के उन्मोचन के लिए उपयोग किया जाएगा जो उचित रूप से देय हों और ऐसी समाप्ति से संबंधित व्ययों को चुकाने के लिए उचित प्रावधान करने के बाद समाप्ति का निर्णय लेने वाली तिथि को योजना की आस्तियों में यूनिट धारकों के हित के समानुपात में उन्हें शेष राशि का भुगतान किया जाएगा।
- (छ) समाप्ति पूरी होने पर, ट्रस्ट सेबी और सदस्यों को समाप्ति के बारे में एक रिपोर्ट प्रेषित करेगा जिसमें ऐसी परिस्थितियाँ, जिनके कारण योजना समाप्त हुई, समाप्ति से पूर्व आस्तियों के निपटान के लिए उठाए गए कदम, समाप्ति के लिए की गई योजना का व्यय, सदस्यों को वितरण के लिए उपलब्ध शुद्ध आस्तियों के विवरण और योजना के लेखा परीक्षकों से प्राप्त एक प्रमाण पत्र भेजेगा।
- (ज) इसमें ऊपर दी गई किसी भी बात के बावजूद, सेबी [म्यूचुअल फंड] विनियम 1996 के प्रावधान, अर्धवार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट के प्रकटीकरण के लिए लागू रहेंगे।
- (झ) खण्ड XII (छ) में संदर्भित रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद यदि सेबी संतुष्ट हो जाती है कि योजना समाप्त करने की सारी कार्यवाही पूरी हो गयी है तो योजना समाप्त हो जाएगी।
- (ञ) ट्रस्ट द्वारा पुनर्खरीद के लिए अनुरोध पत्र के साथ सदस्यता सूचना/विधिवत् रूप से उन्मोचित यूनिट प्रमाणपत्र प्राप्त होने पर और अन्य प्रक्रिया और परिचालन संबंधी औपचारिकताएँ पूरी करने पर यथाशीघ्र पुनर्खरीद मूल्य का भुगतान किया जाएगा। सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र पुनर्खरीद के लिए प्राप्त अनुरोध पत्र और अन्य फार्म, यदि कोई हों, ट्रस्ट द्वारा रद्दकरण के लिए रख लिए जाएंगे।
- (ट) अनिवासी निवेशकों के मामले में पुनर्खरीद/परिपक्वता राशि निवेश के स्रोत पर निर्भर करते हुए निम्नानुसार विप्रेषित की जाएगी :
- (i) जब यूनिटों की खरीद निवेश से विप्रेषित विदेशी मुद्रा से की गई हो अथवा सदस्य की एफसीएनआर जमाओं की राशि से की गई हो अथवा सदस्य के भारत में स्थित अनिवासी (बाह्य) खाते में धारित निधियों से की गई हो तो प्राप्तियाँ, सदस्य को विदेशी मुद्रा में विप्रेषित की जा सकती हैं।
- (ii) जब यूनिटों की खरीद सदस्य के अनिवासी (सामान्य) खाते में धारित निधियों से की गई हो तो परिपक्वता चेक भारत में निवेशक के रिश्तेदार को प्रेषित किया जाएगा, जिसे सदस्य के एनआरओ लेखा में जमा किया जाएगा।

XIII. प्रावधानों के अर्थ निर्धारण का अधिकार :

योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के किसी भी उपबंध की व्याख्या में कोई संदेह उत्पन्न होने पर केवल अध्यक्ष और यदि उस समय कोई अध्यक्ष नियुक्त न हो, तो कार्यपालक न्यासी को योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के उपबंधों के अर्थ निर्धारण का अधिकार होगा। ऐसा अर्थ किसी भी रूप में प्रतिकूल प्रभाव डालनेवाला या योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की मूल संरचना के विपरीत नहीं होगा तथा ऐसा निर्णय निश्चायक, बाध्यकारी और अंतिम होगा। इसके अंतर्गत बने योजना के प्रावधान और प्लान के प्रावधान, जैसे योजना में कहा गया है, एक दूसरे के साथ पढ़े जाएं।

XIV. प्रावधानों में ढील :

केवल अध्यक्ष और यदि कोई अध्यक्ष नियुक्त न हो तो ट्रस्ट का कार्यपालक न्यासी कठिनाइयों को कम करने के उद्देश्य से या योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के निर्बाध और सहज संचालन के लिए योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के किसी भी उपबंध में सेबी को सूचित करते हुए ढील दे सकता है, बशर्ते किसी सदस्य या सदस्य वर्ग के लिए ऐसा करना समीचीन हो।

पेशकश दस्तावेज के प्रावधानों में कोई परिवर्तन सेबी के पूर्व अनुमोदन के बाद एवं विनियमों की शर्तों के अनुसार ही किया जाएगा।

XV. योजना और उसके अंतर्गत बना प्लान सदस्यों के लिये बाध्यकारी होगा :

इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान की शर्तों के साथ समय-समय पर इनमें किये गये संशोधन और परिवर्तन प्रत्येक सदस्य और उसके माध्यम से दावा करनेवाले हरेक अन्य व्यक्ति के लिये इस प्रकार बाध्यकारी होंगे, मानो वह इसके लिए सहमत हो कि योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के उपबंधों में अंतर्विष्ट किसी विपरीत बात के बावजूद ऐसा करने के लिये बाध्य हो।

XVI. सदस्यों को लाभ :

योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति के समय पूंजी, प्रारक्षित निधि और अधिशेष के संबंध में योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में उपचित सभी लाभ केवल उन्हीं सदस्यों को प्राप्त होंगे जो योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति तक पूरी अवधि के लिये यूनिट के धारक रहे हों।

प्लान के सदस्यों का अनुमोदन निम्नलिखित परिस्थितियों में मांगा जाएगा :

- (i) सदस्यों के हित में जब कभी सेबी द्वारा ऐसा किया जाना अपेक्षित हो; या
- (ii) प्लान के तीन-चौथाई सदस्यों द्वारा जब कभी मांग करने पर ऐसा किया जाना आवश्यक हो;
- (iii) जब न्यासियों ने बहुमत से समाप्त करने का निर्णय लिया हो या यूनिटों का समयपूर्व प्रतिदान किया जाए; या,
- (iv) जब कोई परिवर्तन योजना के खण्ड XI में उल्लिखित मूलभूत विशिष्टताओं में या शुल्क और देय व्यय में किया जाना हो या अन्य कोई परिवर्तन जिससे प्लान संशोधित होता हो या सदस्यों का हित प्रभावित होता हो, तो ऐसा प्रस्तावित परिवर्तन तब तक न किया जाए जब तक तीन-चौथाई सदस्यों की सहमति न ले ली जाए।

कर मार्गदर्शक

कर रियायतें

प्लान के अंतर्गत आय और पूंजी वृद्धि पर कराधान प्रचलित कर कानूनों के अधीन होगा। वर्तमान कराधान कानूनों के अनुसार “एमआईपी-98” सहित ट्रस्ट की सभी योजनाओं के अंतर्गत सभी निवासियों और अनिवासियों (यदि यूनिटों की खरीद अनिवासी खाते से अदायगी के जरिए की गई हो, व्यक्तियों एवं एचयूएफ को हुई आय से हो) को यूनिटों से प्राप्त आय पर आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80 एल के अंतर्गत रु. 15,000/- तक की कुल सीमा तक आय से कटौती उपलब्ध होगी।

इस प्लान के अंतर्गत होने वाला कोई भी दीर्घावधि पूंजी अभिलाभ आयकर अधिनियम 1961 की धारा 48 और 112 में दिए गए निर्देशों के अधीन होगा।

इस प्लान के अंतर्गत यूनिटों में किए गए निवेश का मूल्य धनकर से मुक्त है।

धारा 54 ईए के अंतर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट

दीर्घावधि पूंजीगत आस्तियों के अंतरण से प्राप्त होने वाली सम्पूर्ण या आंशिक शुद्ध राशि का एमआईपी-98 में किया गया निवेश आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54 ईए के अंतर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट के लिए पात्र होगा, बशर्ते पुनर्खरीद/अंतरण/गिरवीकरण, यूनिटों की आबंटन तिथि से तीन वर्षों के बाद किया जाए/रखे जाएं।

पात्र ट्रस्टों के लिए

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11(2)(बी) के अंतर्गत यूनिट स्वीकृत प्रतिभूतियां हैं। अतः यूनिटों में निवेश कर रहे पात्र ट्रस्ट आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 और 13 के अंतर्गत आय और निधि के लिए आवश्यक कर छूट के योग्य होंगे।

स्रोत पर कर की कटौती

निवासी

वर्तमान कराधान कानूनों के अनुसार धारा 194के, के अधीन ट्रस्ट द्वारा इस प्लान के सभी तीनों विकल्पों के अंतर्गत व्यक्तिगत सदस्यों, एचयूएफ, भागीदारी फर्मों और अन्य निवेशक जो कंपनी नहीं हों को देय आय पर 15% की दर से स्रोत पर आयकर की कटौती की जाएगी बशर्ते, तीनों विकल्पों के अन्तर्गत यह आय वित्तीय वर्ष के दौरान रु. 10,000/- से अधिक हो।

इसी प्रकार, कंपनियों को देय आय से स्रोत पर 20% की दर से कर की कटौती की जाएगी यदि यह आय वित्तीय वर्ष के दौरान रु. 10,000/- से अधिक हो।

अनिवासी

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 196ए को अनिवासी द्वारा यूटीआई की किसी भी योजना के यूनिटों के संवर्धन में प्राप्त आय पर 20% की दर से स्रोत पर कर की कटौती किए जाने हेतु प्रतिस्थापित कर दिया गया है जिन्हें उन्होंने अनिवासी (सामान्य) खाते से अदायगी करके अर्जित किया हो।

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, द्वारा जारी दिनांक 24 जनवरी, 1996 के परिपत्र सं. 734 एफ सं. 500/4/96-एफटीडी के अनुसार यूआई में रहने वाले अनिवासी सदस्यों को दोहरे कराधान से बचाव हेतु, जहां निधि का स्रोत एनआरओ खाता है, स्रोत पर 15% की रियायती दर से कर कटौती की जाएगी।

कर कटौती नहीं

निवासी :

सदस्य (कंपनी या फर्म को छोड़कर) जो स्रोत पर कर की कटौती के बिना आय चाहते हैं उन्हें ट्रस्ट को लिखित रूप से निर्धारित फार्म सं. 15 एच पर दो प्रतियों में घोषणा प्रस्तुत करनी चाहिए और उसे इस आशय की निर्धारित रीति से सत्यापित किया जाना चाहिए कि उसकी गत वर्ष की अनुमानित कुल आय पर कर "शून्य" होगा। स्रोत पर कर की कटौती नहीं करने संबंधी निर्धारित फार्म आवेदन पत्र के साथ तथा उत्तरवर्ती वर्षों के लिए आय वितरण वारंटों के भेजे जाने के कम से कम तीन माह पूर्व प्रस्तुत किए जाने चाहिए, ऐसा न करने पर प्रचलित कराधान कानूनों के अनुसार कर कटौती की जाएगी।

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 अथवा 12 अथवा 10(22) अथवा 10(22ए) अथवा 10(23) अथवा 10(23एए) अथवा 10(23सी) के अंतर्गत आनेवाले पात्र ट्रस्टों द्वारा आवेदन पत्र में उपलब्ध कराए गए प्रारूप में घोषणा किए जाने के आधार पर उन पर कर की कटौती नहीं की जाएगी।

अनिवासी

अनिवासियों के मामले में, यदि यूनिटों की खरीद सीधे विदेशी मुद्रा के विप्रेषण के जरिए अथवा भारत में रखे गए अनिवासी (बाह्य) खाते के जरिए अथवा एफसीएनआर जमाओं की राशि से की गई है तो ऐसे यूनिटों से प्राप्त आय पूर्णतया आयकर से मुक्त है।

उपरोक्त मामले में यूटीआई स्रोत पर कर की कटौती नहीं करेगा, भले ही आय की राशि कितनी भी हो।

आयकर/धन-कर/उपहार-कर/पूंजीगत अभिलाभ कर, अनिवासी भारतीयों/ओसीबी/ एफआईआई द्वारा किए गए निवेशों के संबंधित प्रकटीकरण प्रचलित आयकर अधिनियम, फेरा और रिजर्व बैंक के निदेशों और अनुमतियों के अनुरूप हैं।

सदस्यों के अधिकार :

1. प्लान के अधीन सदस्यों को प्लान की आस्तियों के लाभकारी स्वामित्व तथा प्लान द्वारा घोषित आय में समानुपातिक अधिकार है।
2. सदस्यों को न्यासियों से ऐसी कोई भी जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है जो उनके निवेशों पर प्रतिकूल प्रभाव रखती हो तथा सदस्यों को ऐसी जानकारी देने के लिए न्यासी बाध्य होंगे।
3. सदस्यों को "निरीक्षण के लिए उपलब्ध दस्तावेज" शीर्षक के अंतर्गत सूचीबद्ध किए गए सभी दस्तावेजों का निरीक्षण करने का अधिकार है।

अभिरक्षक

भारतीय स्टॉक धारिता निगम के साथ 17 जनवरी 1994 को हुए करार के अनुसार हमारी सभी योजनाओं और प्लानों का अभिरक्षक भारतीय स्टॉक धारिता निगम है जिसका कार्यालय मितल कोर्ट, बी विंग, नरीमन प्वाइंट, मुंबई -400 021 में स्थित है।

अभिरक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे ट्रस्ट की योजनाओं/फंडों/प्लानों की सभी प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी लें और उन्हें अपनी अभिरक्षा में रखें। अभिरक्षक प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी केवल ट्रस्ट के अनुदेशों के अनुसार और प्रतिफल प्राप्त करने पर ही करेंगे। जब तक ट्रस्ट द्वारा अन्यथा निर्देश न दिया गया हो, अभिरक्षक, एजेंट के रूप में उसके द्वारा धारित प्रतिभूतियों, अन्य आस्तियों की बिक्री, खरीद, अंतरण एवं अन्य लेन-देन से संबंधित अभिरक्षा संबंधी सामान्य कार्यों का पालन करने के लिए सभी गैर विवेकाधीन एवं प्रक्रियात्मक ब्यौरों के लिए सामान्यतया प्राधिकृत होगा।

अभिरक्षक सभी सूचनाएं रिपोर्टें अथवा ट्रस्ट की योजनाओं/फंडों/प्लानों से संबंधित प्रतिभूतियों के वास्तविक रूप से सत्यापन एवं मिलान और लेखा परीक्षा के प्रयोजन हेतु ट्रस्ट अथवा ट्रस्ट के लेखा परीक्षकों द्वारा मांगा गया कोई भी स्पष्टीकरण उपलब्ध करायेंगे।

लेखा परीक्षक

मेसर्स एस के कपूर एण्ड कं. 16/98, एलआईसी बिल्डिंग, दी गाल, कानपुर-208001 और मेसर्स चतुर्वेदी एंड कंपनी, सनदी लेखाकार, 60 बेंटिक स्ट्रीट, कलकत्ता 700 069। योजना के लेखा परीक्षकों की नियुक्ति आईडीबीआई द्वारा की जाती है, और वे प्रत्येक वर्ष बदले जाने के अधीन हैं।

निवेशकों की शिकायतें

01.01.97 से 31.12.97 तक की अवधि के लिए प्राप्त शिकायतों की संख्या, जिनका निवारण किया गया और जो निवारणाधीन हैं, उन्हें नीचे दिया गया है :

योजना का नाम	शिकायतों की संख्या			कुल प्राप्त में से निवारणाधीन शिकायतें
	प्राप्त शिकायतें	जिनका निवारण किया गया	निवारणाधीन	
सीसीसीएफ	900	847	53	5.89%
सीजीजीएफ	6415	6166	249	3.88%
सीजीएस-83	372	280	92	24.73%
सीजीयूएस-91	3470	3450	20	0.58%
सीआरटीएस	264	254	10	3.79%
डीआईपी-91	3918	3892	26	0.66%
डीआईयूपी-93	527	523	4	0.76%
डीआईयूपी-95	1602	1595	7	0.44%
डीआईयूएस-90	1979	1953	26	1.31%
डीआईयूएस-91	2783	2735	48	1.72%

डीआईयूएस-92	2248	2186	62	2.76%
ईओएफ	716	707	9	1.26%
जीसीजीआई	29702	29664	38	0.13%
जीएमआईएस-91	10857	10727	130	1.20%
जीएमआईएस-92	11179	10994	185	1.65%
जीएमआईएस-92(II)	1087	900	187	17.20%
जीएमआईएस-बी-92	1169	1070	99	8.47%
जीएमआईएस-बी-92 (II)	2119	2080	39	1.84%
ग्रैंडमास्टर-93	1384	1374	10	0.72%
गृहलक्ष्मी यूनिट प्लान	1231	1141	90	7.31%
आवास यूनिट योजना	414	347	67	16.18%
आईआईएसएफयूएस	3	2	1	33.33%
आईईएफ-97	35	22	13	37.13%
मास्टरगेन-92	163574	162369	1205	0.74%
मास्टरग्रोथ-93	8724	8672	52	0.60%
मास्टरप्लस-91	14053	13537	516	3.67%
मास्टरशायर-86	21400	18934	2466	11.52%
एमईपी-91	4462	4378	84	1.88%
एमईपी-92	22423	21836	587	2.62%
एमईपी-93	65280	64649	631	0.97%
एमईपी-94	53111	52796	315	0.59%
एमईपी-95	5786	5746	40	0.69%
एमईपी-96	2182	2161	21	0.96%
एमईपी-97	1216	1151	65	5.335%
एमईपी-98	1	1	0	0.00%
एमआईपी-93	1939	1911	28	1.44%
एमआईपी-94(I)	2581	2539	42	1.63%
एमआईपी-94(II)	2303	2282	21	0.91%
एमआईपी-94(III)	6708	6663	45	0.67%
एमआईपी-95	5971	5932	39	0.65%
एमआईपी-95(II)	5988	5974	14	0.23%
एमआईपी-95(III)	5467	5433	34	0.60%
एमआईपी-96	4854	4819	35	0.72%
एमआईपी-96(II)	3971	3942	29	0.73%
एमआईपी-96(III)	5374	5334	40	0.74%
एमआईपी-96(IV)	16753	16341	412	2.46%
एमआईपी-97	8589	8342	247	2.88%
एमआईपी-97(II)	6952	6695	257	3.70%
एमआईपी-97(III)	3117	3014	103	3.30%

एमआईपी -97(IV)	23	20	3	13.04%
एमआईपी -97(V)	2	2	0	0.00%
एमआईएस-बी-93	4231	4194	37	0.87%
एमआईएसजी-90(I)	5611	5285	326	5.81%
एमआईएसजी-90(II)	2007	1875	132	6.58%
एमआईएसजी-91	1688	1651	37	2.19%
ओमनी-प्लान	101	90	11	10.89%
प्राइमरी इक्विटी प्लान	1163	1078	85	7.31%
राजलक्ष्मी यूनिट प्लान	3276	3098	178	5.43%
सेवानिवृत्ति लाभ प्लान	2484	2361	123	4.95%
वरिष्ठ नागरिक यूनिट प्लान	1031	971	60	5.82%
यूजीएस-2000	8679	8158	521	6.00%
यूजीएस-5000	4326	4166	160	3.70%
यूलिप	10214	8975	1239	12.13%
यूएस -64	92285	86527	5758	6.24%
यूएस -92	6087	5929	158	2.60%
यूएस-95	2	2	0	0.00%
कुल	670363	652742	17621	2.63%

शिकायतें लंबित रहने के कारण :

- (1) संग्रहण कर्ता बैंकों से आवेदन पत्र/निधियों का प्राप्त न होना।
- (2) आवेदन पत्र में निवेशक के पते, नाम और हस्ताक्षर सहित अपूर्ण विवरण
- (3) निवेशक के पते में हुए परिवर्तन को सूचित नहीं किया जाना/अद्यतन नहीं किया जाना।
- (4) मार्ग में ही-खो जाना।
- (5) डाक सेवा में विलंब
- (6) अंतरण/मृत्यु दावों/पुनर्खरीद के मामलों में अपेक्षित दस्तावेजों का उपलब्ध नहीं कराया जाना।
- (7) शिकायतें भेजते समय अपूर्ण ब्यौरा
- (8) कमीशन प्राप्त न होना/विलंब से प्राप्त होना
- (9) पत्रों/दस्तावेजों को गलत कार्यालय/रजिस्ट्रार को भेजा जाना।

सभी निवेशक अपनी शिकायतें निवेश संबंधी पूर्ण विवरण देते हुए सम्बंधित निवेशक संपर्क कक्ष को निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं :

पश्चिमी अंचल :

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

निवेशक संपर्क कक्ष, कामर्स सेंटर 1, 28वीं मंजिल,
विश्व व्यापार केंद्र, जी डी सोमानी मार्ग,
कफ परेड, मुंबई-400 005
टेली : 218 0172/218 1600

पूर्वी अंचल :

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

निवेशक संपर्क कक्ष,
2, फेयरली प्लेस, 2री मंजिल,
कलकत्ता-700 001
टेली : 243 4581

दक्षिणी अंचल :

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

निवेशक संपर्क कक्ष,
यूटीआई हाऊस, 29, राजाजी सालै,
चेन्नई-600 001
टेली : 517101 विस्तारित : 360/364

उत्तरी अंचल :

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

निवेशक संपर्क कक्ष,
हेरोल्ड हाऊस, 2री मंजिल,
5ए, बहादुरशाह ज़फर मार्ग,
नई दिल्ली 110 002
टेली : 332 9860

रजिस्ट्रार

मेसर्स एम एन दस्तुर एण्ड कं. लि. को रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

यह सुनिश्चित कर लिया गया है कि रजिस्ट्रार के पास आवेदन पत्रों, अंतरण फार्मों एवं पुनर्खरीद आग्रहों की प्रोसेसिंग करने, यूनिट प्रमाणपत्रों एवं लाभांश वारंटों को निर्धारित समय के भीतर प्रेषित करने और निवेशक की शिकायतों को दूर करने जैसी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की पर्याप्त क्षमता है।

आवेदन पत्रों की प्रोसेसिंग और बिक्री के पश्चात् सेवाएं रजिस्ट्रार की निम्नलिखित कार्यालयों द्वारा प्रदान की जाएंगी :

पश्चिमी अंचल : मातुल्य केंद्र "ए", 249, सेनापति बापत मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुंबई 400 013.
दूरध्वनि : 493 1078/1085/1123

पूर्वी अंचल : 52, चौरंगी लेन (चौथी मंजिल), कलकत्ता 700 071. दूरध्वनि : 242 5142/8701/8309/8189

उत्तरी अंचल : फ्लैट संख्या - ए-301-311, सोमदत्त चैम्बर्स-1, 5, भीकाजी कामा प्लेस, आर.के.पुरम, नई दिल्ली 110 066. दूरध्वनि : 618 5798/6252/6323/5682

दक्षिणी अंचल (कर्नाटक राज्य को छोड़कर) : अभियांत्रिकी केंद्री, 480, अना सलाइ, नंदनम, चेन्नई 600 035. दूरध्वनि : 4342303/2026/2002.

कर्नाटक राज्य के लिए : रहेजा टॉवर, 28/27, एम जी रोड, बंगलोर 560 001. दूरध्वनि : 558 9934/9936

निरीक्षण के लिए उपलब्ध दस्तावेज

निम्नलिखित दस्तावेज निरीक्षण के लिए केंद्रीय निवेशक संपर्क कक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, बेसमेंट द्वार नं. 1, सर विठ्ठलदास ठाकरसी मार्ग, मुंबई-400 020 में उपलब्ध रहेंगे :

- यूटीआई अधिनियम
- सामान्य विनियम
- अभिरक्षक, रजिस्ट्रार और संग्रहणकर्ता बैंकों के साथ किए गए करार
- पेशकश दस्तावेज एमआईपी 98 की प्रति

यूटीआई के पिछले पाँच मासिक आय प्लानों का विवरण

प्लान	एमआईपी '97	एमआईपी '97(II)	एमआईपी '97(III)	एमआईपी '97(IV)	एमआईपी '97(V)
आरंभ होने की तिथि	01.05.1997	01.07.1997	01.09.1997	01.11.1997	01.01.1998
समाप्ति की तिथि	31.04.2002	30.06.2002	30.08.2002	31.10.2002	31.12.2002
मासिक आय	सभी पाँच वर्षों के लिए 14% प्र.व.	सभी पाँच वर्षों के लिए 14% प्र.व.	सभी पाँच वर्षों के लिए 13% प्र.व.	सभी पाँच वर्षों के लिए 12.5% प्र.व.	सभी पाँच वर्षों के लिए 11.75% प्र.व.
संचयी विकल्प	रु. 2,000/- कम से कम बनते हैं	रु. 2,000/- कम से कम बनते हैं	रु. 5,000/- कम से कम बनते हैं	रु. 10,000/- कम से कम बनते हैं	रु. 10,000/- कम से कम बनते हैं
	रु. 4,012/-	रु. 4,012/-	रु. 9,543/-	रु. 18,622/-	रु. 17,940/-
वार्षिक आय	--	--	--	--	सभी पाँच वर्षों के लिए 12.40% प्र.व.
संग्रह की गई राशि	रु. 1,142.30 करोड़	रु. 1,495.93 करोड़	रु. 794.88 करोड़	रु. 880.66 करोड़*	रु. 426.59 करोड़*
आवेदनों की संख्या	3,25,649	4,12,238	1,88,775	75,086 *	73,931 *

* दिनांक 7.01.1998 तक

सारणी

क्र. सं.	प्लान	वार्षिक आय प्रदत्त / देय मासिक	आश्वासित परिपक्वता पर पूंजी वृद्धि (%)		बोनस (%) प्रदत्त/देय
			आश्वासित	वास्तविक	
1	2	3	4	5	6
परिपक्व योजनाएं					
1.	एमआईएस-1	12% प्र.व.	-	6	-
2.	एमआईएस-2	12% प्र.व.	-	7	-
3.	एमआईएस-3	12% प्र.व.	-	8	-
4.	एमआईएस-4	12% प्र.व.	-	8	-
5.	एमआईएस-5	12% प्र.व.	-	10	-
6.	एमआईएस-6	12% प्र.व.	2	5.5	1.5
7.	एमआईएस-7	12% प्र.व.	2	6	1.5
8.	एमआईएस-8	12% प्र.व.	2	7	1.5
9.	एमआईएस-9	12% प्र.व.	2	9	1.75
10.	एमआईएस-10	12% प्र.व.	2	9	2.00
11.	एमआईएस-11	12% प्र.व.	2	11	2.25
12.	एमआईएस-12	12% प्र.व.	2	28	2.25
13.	एमआईएस-13	12% प्र.व.	2	40	3.00
14.	जीएमआईएस 92	पहले 3 वर्षों के लिए 14.5% प्र.व. और अंतिम 2 वर्षों के लिए 15% प्र.व.	मासिक आय विकल्प के मामले में न्यूनतम 2% परिपक्वता पर संचयी विकल्प	5.6	-
15.	एमआईएसजी '90	12% प्र.व.	--	8	1% , प्रत्येक वर्ष की समाप्ति पर देय
16.	जीएमआईएस 92 (II)	पहले 3 वर्षों के लिए 14.5% प्र.व. और अंतिम 2 वर्षों के लिए 15% प्र.व.	मासिक आय विकल्प के मामले में न्यूनतम 2% परिपक्वता पर	5	-
17.	एमआईएसजी '90 (II)	13% प्र.व.	-	2	2%, 3 रे वर्ष की समाप्ति पर घोषित और अतिरिक्त 2% बोनस 5 वे वर्ष की समाप्ति पर घोषित.
18.	जीएमआईएसजी '92	पहले 3 वर्षों के लिए 14.5% प्र.व. एवं अंतिम 2 वर्षों के लिए 15% प्र.व.	मासिक आय विकल्प के मामले में परिपक्वता पर न्यूनतम 2%	2	2% बोनस लाभांश घोषित एवं परिपक्वता पर देय

प्रचलित योजनाएँ

19	एमआईएस जी 91	13% प्र.व.			1% तत्पश्चात् वर्ष की समाप्ति पर घोषित और अतिरिक्त 3% अगले वर्ष की समाप्ति पर देय
20	जीएमआईएस '91 (31.12.2001 तक एमआईपी 96 (IV) के रूप में आवर्तित)	14.5% प्र.व. पहले 3 वर्षों के लिए और 15% प्र.व. अंतिम 2 वर्षों के लिए	मासिक आय विकल्प के मामले में परिपक्वता पर न्यूनतम 2%	3.7	
			संचयी विकल्प	1.7	
21.	जीएमआईएसबी '92 (II)	14% प्र.व. पहले 2 वर्षों के लिए और 14.5% प्र.व. अंतिम 3 वर्षों के लिए	- वही -	2	2% 3 रे वर्ष की समाप्ति पर घोषित और परिपक्वता पर देय
22.	एमआईएसबी '93	14%	- वही -	2	3 रे वर्ष की समाप्ति पर शून्य बोनस घोषित किया गया।
23.	एमआईपी '93	13.5% प्र.व.	- वही -	-	2 रे वर्ष की समाप्ति पर शून्य बोनस घोषित किया गया। 4 रे वर्ष की समाप्ति पर बोनस घोषित किया जा सकता है और वह परिपक्वता पर देय होगा।
24.	एमआईपी '94	पहले 2 वर्षों के लिए अर्थात् फरवरी '96 तक 13% प्र.व. और मासिक आय विकल्प के अंतर्गत 13.5% प्र.व. की दर से और संचयी विकल्प के अंतर्गत 1.3.96 से 28.2.98 * की अवधि के लिए 14% प्र.व. की दर से			
25.	एमआईपी '94 (II)	13% प्र.व. पहले 2 वर्षों के लिए मासिक आधार पर देय 14% प्र.व. अगले दो वर्षों के लिए मासिक आधार पर देय *			
26.	एमआईपी '94 (III)	12% प्र.व. 1 ले वर्ष के लिए और 13% प्र. व. 2 रे वर्ष के लिए देय। 1.1.1997 से 31.3.1997 तक की अवधि के लिए 13% प्र.व. 1.4.1997 से 31.3.1998* तक के लिए 13% प्र.व.			

27.	एमआईपी '95	13% प्र.व. 1 ले वर्ष के लिए और 14% प्र.व. दूसरे वर्ष के लिए 1.7.1997 से 31.3.1998* तक के लिए 14% प्र.व.	-	-	-
28.	एमआईपी '95 (II)	13.5% प्र.व. 1 ले वर्ष के लिए और 14% प्र.व. दूसरे वर्ष के लिए, 1.4.1997 से 31.3.1998 * तक के लिए 14% प्र.व.	-	-	-
29.	एमआईपी '95 (III)	14% प्र.व. 1 ले वर्ष के लिए । 1.1.1997 से 31.3.1997 तक की अवधि के लिए 14% 1.4.1997 से 31.3.1998* तक के लिए 14%	-	-	-
30.	एमआईपी '96	14.5% प्र.व. 1 ले वर्ष के लिए । 1.5.1997 से 31.3.1998* तक के लिए 14.5%	-	-	-
31.	एमआईपी '96(II)	15% प्र.व. 1 ले वर्ष के लिए । 1.7.1997 से 31.3.1998* तक के लिए 15%	-	-	-
32.	एमआईपी '96(III)	15% प्र.व. 1 ले वर्ष के लिए । 1.10.1997 से 31.3.1998* तक के लिए 15%	-	-	-
33.	एमआईपी '96(IV)	15% प्र.व. 1 ले वर्ष के लिए । 1.1.1998 से 31.3.1998* तक के लिए 15%	-	-	-
34.	एमआईपी '97	14% प्र.व. सभी 5 वर्षों के लिए	-	-	-
35.	एमआईपी '97(II)	14% प्र.व. सभी 5 वर्षों के लिए	-	-	-
36.	एमआईपी '97(III)	13% प्र.व. सभी 5 वर्षों के लिए	-	-	-
37.	एमआईपी '97 (IV)	12.5% प्र.व. सभी 5 वर्षों के लिए	-	-	-
38.	एमआईपी '98	11.75% प्र.व. सभी 5 वर्षों के लिए	-	-	-

* बाद के वर्षों के लिए आय दर पिछले वर्ष की समाप्ति पर या उसके पहले घोषित की जाएगी।

पूर्ववर्ती आंकड़े - मासिक आय योजनाएं

पूर्ववर्ती आंकड़े	1993-94						1994-95								
	एमआईएस पूरा	एमआईएस 90 पूरा	जीएमआईएस पूरा	जीएमआईएस 92 पूरा	एमआईएस 93 पूरा	एमआईएस 94 पूरा	एमआईएस 94(II) पूरा	एमआईएस 90 पूरा	जीएमआईएस पूरा	जीएमआईएस 92 पूरा	एमआईएस 93 पूरा	एमआईएस 94 पूरा	एमआईएस 94 (II) पूरा	एमआईएस 94(III) पूरा	एमआईएस 95 पूरा
(क) शुद्ध अस्तित्व मूल्य, प्रति यूनिट	14.86	11.36	13.00	11.71	10.96	10.06	10.10	10.91	13.03	11.49	10.78	9.87	9.58	9.47	10.05
(ख) सकल आय प्रति यूनिट में विभक्त	1.99	1.44	1.53	1.63	0.90	0.55	0.05	1.40	1.72	1.64	1.34	0.96	0.67	0.17	0.06
(i) निवेशों के किसी पर लाभ के अतिरिक्त आय, प्रति यूनिट	3.26	-	0.35	-	0.10	-	-	-	0.03	0.17	0.08	-	-	0.03	-
(ii) निवेश के अंतर योजना विफल/अंतरण पर लाभ से आय, प्रति यूनिट	0.17	0.02	0.04	0.07	0.05	-	-	0.04	0.05	-	-	0.01	0.01	-0.03	-
(iii) तृतीय पक्ष को निवेशों के किसी पर लाभ से आय, प्रति यूनिट															
(iv) पिछले वर्ष के आश्रित से राजस्व लेखों में अंतरण, प्रति यूनिट															
(ग) कुल व्यय अपेक्षित, प्रति यूनिट	0.10	0.03	0.05	0.05	0.07	0.06	0.04	0.05	0.06	0.07	0.06	0.07	0.07	0.07	0.01
एवं प्रभार, प्रति यूनिट	5.33	1.44	1.88	1.64	0.97	0.49	0.02	1.40	1.74	1.74	1.36	0.90	0.60	0.10	0.05
(घ) शुद्ध आय, प्रति यूनिट															
(ङ) निवेशों के मूल्य में अप्रत्यक्ष मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास, प्रति यूनिट	-0.12	0.80	1.71	1.00	0.86	0.04	0.09	0.28	1.00	0.05	0.27	-0.42	-0.40	-0.44	-0.62
(च) बाजार मूल्य															
उच्चतम															
न्यूनतम															
पुनर्विनिर्दिष्ट मूल्य															
उच्चतम															
न्यूनतम															
विक्री मूल्य															
उच्चतम															
न्यूनतम															
लाभ उपार्जन अनुपात															
(ज) औसत शुद्ध आस्ति पर प्रति यूनिट व्यय का अनुपात प्रतिशत में	0.65	0.23	0.36	0.45	0.65	0.57	0.35	0.46	0.49	0.56	0.55	0.66	0.76	0.69	0.14
(झ) औसत शुद्ध आस्ति पर प्रति यूनिट सकल आय का अनुपात प्रतिशत में															
(ञ) औसत शुद्ध आस्ति पर प्रति यूनिट (गत वर्ष के अपेक्षित से राजस्व लेखों में अंतरण को छोड़कर परंतु अप्रत्यक्ष निवेशों में बढ़ोतरी को सम्मिलित करते हुए)	36.49	19.95	28.01	23.03	17.41	5.45	1.42	15.49	21.51	16.06	15.47	9.73	2.84	-2.87	0.42
(डा) प्रति यूनिट शुद्ध आस्ति मूल्य	14.86	11.36	13.00	11.71	10.96	10.06	10.10	10.91	13.03	11.49	10.78	9.87	9.58	9.47	10.05

पूर्ववर्ती आंकड़े - एगसिक आध योजनाएं

क्र.सं. आंकड़े	1995-96										
	एगसाईट्स की 90	जीएसआरएस	जीएसआरएस की 92	एगसाईट्स की 93	एगसाईट्स की 94	एगसाईट्स की 94	एगसाईट्स की 94	एगसाईट्स की 95	एगसाईट्स की 95	एगसाईट्स की 96	एगसाईट्स की 96
	पूल	पूल	पूल	पूल	पूल	(II)	(III)	(II)	(III)	(II)	(III)
(क) शुद्ध अतिरिक्त मूल्य, प्रति यूनिट	10.89	13.95	12.57	11.44	10.44	9.76	9.61	10.35	10.99	10.29	9.96
(ख) सकल आय प्रति यूनिट में विभक्त ; (ग) निवेशों के बिंदी पर लाग के अतिरिक्त अवय, प्रति यूनिट	1.40	1.74	1.65	1.45	1.60	1.15	1.20	1.28	1.19	0.27	0.05
(घ) निवेश के अंतर योजना दिक्कत/अंतरण पर लाग से आय, प्रति यूनिट	-	0.05	0.10	0.02	0.11	0.01	0.02	-	-	0.01	-
(ङ) एकीकृत फंड को निवेशों के बिंदी पर लाग से आय, प्रति यूनिट	0.06	0.51	0.12	0.35	0.08	0.05	0.03	0.02	0.11	-	-
(च) निवेशों के अंतरण से उत्पन्न लेखों में अंतरण, प्रति यूनिट	-	-	0.04	-	0.01	-	-	-	-	-	-
(ज) कुल अवय, अतिरिक्त, परीक्षण एवं प्रसार, प्रति यूनिट	0.04	0.07	0.07	0.07	0.08	0.07	0.07	0.07	0.09	0.04	0.05
(झ) शुद्ध अंतर, प्रति यूनिट	1.43	2.22	1.84	1.43	1.70	1.15	1.17	1.35	1.22	0.24	0.02
(ञ) निवेशों के मूल्य में अंतरण मूल्यकृष्टि मूल्यकृष्टि, प्रति यूनिट	0.26	0.72	0.41	0.40	0.39	0.12	0.40	0.06	0.55	0.43	0.07
(ट) बाजार मूल्य उत्पन्न न्यूनता पुनर्वर्धन मूल्य उत्पन्न न्यूनता विक्री मूल्य उत्पन्न न्यूनता	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ड) लाभ उपर्जन अनुमान अतिरिक्त शुद्ध अतिरिक्तों पर प्रति यूनिट अवय का अनुमान प्रतिरत में अतिरिक्त शुद्ध अतिरिक्तों पर प्रति यूनिट सकल अवय का अनुमान प्रतिरत में (मात्र वर्ष के अतिरिक्त से राजस्व लेखों में अंतरण को छोड़कर पालु अंतरण निवेशों में बढोत्तरी को सम्मिलित करते हुए)	0.34	0.54	0.60	0.60	0.39	0.73	0.15	0.71	0.81	0.44	0.28
(च) अतिरिक्त शुद्ध अतिरिक्त मूल्य	15.82	22.39	19.30	17.09	17.55	12.61	13.06	14.33	16.97	6.89	1.16
	10.89	13.95	12.57	11.44	10.44	9.76	9.61	10.35	10.99	10.29	9.96

1996-97															
पूर्विका आंकड़े		* एमआईएसबी		* जीएसडीएस		* जीएसडीएस		* एमआईएसबी		* एमआईएसबी		* एमआईएसबी		* एमआईएसबी	
		90	पूल	पूल	92	पूल	93	पूल	94	94	94	95	95	96	97
(क)	शुद्ध आदि मूल्य, प्रति यूनिट	10.85	12.34	13.37	11.53	10.39	9.73	9.69	10.79	11.42	11.80	11.65	11.25	11.04	10.69
(ख)	सकल आय प्रति यूनिट में विभक्त ; निवेशों के बिना पर लाभ के अतिरिक्त	1.89	3.85	1.63	1.15	1.29	1.15	1.27	1.05	1.22	1.55	1.45	1.28	0.96	0.51
(1)	आय प्रति यूनिट	0.16	0.91	0.53	0.06	-0.23	-0.07	-0.03	0.17	0.16	0.18	0.10	0.10	0.03	0.00
(2)	निवेश के अंतर योजना विकल्प/अंतरण	0.10	0.72	0.01	0.01	0.02	0.06	0.00	-0.02	0.05	0.06	-0.00	-0.02	-0.03	0.00
(3)	पर लाभ से आय, प्रति यूनिट	-0.00	1.08	0.12	0.00	0.00	0.00	-0.00	0.00	0.01	0.00	-0.00	0.00	0.00	0.00
(4)	लेखों में अंतरण, प्रति यूनिट	0.07	0.27	0.08	0.07	0.08	0.07	0.08	0.08	0.13	0.12	0.12	0.12	0.09	0.01
(5)	एवं प्रभाव, प्रति यूनिट	2.08	5.20	2.11	1.15	1.01	1.07	1.17	1.12	1.30	1.66	1.40	1.24	0.90	0.25
(6)	शुद्ध आय, प्रति यूनिट	0.07	0.34	0.11	0.27	0.03	-0.33	-0.28	0.33	0.77	1.24	0.90	1.21	1.12	0.37
(7)	निवेश के मूल्य में अग्रिम मूल्यवृद्धि														
(8)	मूल्यवर्धन, प्रति यूनिट														
(9)	बाजार मूल्य														
(10)	उच्चतम														
(11)	न्यूनतम														
(12)	पुनर्विनिर्देश मूल्य (सचपी विक्टर)														
(13)	उच्चतम														
(14)	न्यूनतम														
(15)	पुनर्विनिर्देश मूल्य (मॉडिक विक्टर)														
(16)	उच्चतम														
(17)	न्यूनतम														
(18)	लाभ उपायन अनुपात														
(19)	औसत शुद्ध आसिधियों पर प्रति यूनिट														
(20)	व्यय का अनुपात प्रतिशत में														
(21)	न्यूनतम शुद्ध आसिधियों पर प्रति यूनिट														
(22)	सकल आय का अनुपात प्रतिशत में														
(23)	(मा वर्ष के अंतर्गत से राजस्व लेखों में अंतरण को छोड़कर परतु अंतरण														
(24)	निवेशों में बहोतरी को सम्मिलित करते हुए														
(25)	प्रति यूनिट शुद्ध आसिध मूल्य														
(26)															
(27)															
(28)															
(29)															
(30)															
(31)															
(32)															
(33)															
(34)															
(35)															
(36)															
(37)															
(38)															
(39)															
(40)															
(41)															
(42)															
(43)															
(44)															
(45)															
(46)															
(47)															
(48)															
(49)															
(50)															
(51)															
(52)															
(53)															
(54)															
(55)															
(56)															
(57)															
(58)															
(59)															
(60)															
(61)															
(62)															
(63)															
(64)															
(65)															
(66)															
(67)															
(68)															
(69)															
(70)															
(71)															
(72)															
(73)															
(74)															
(75)															
(76)															
(77)															
(78)															
(79)															
(80)															
(81)															
(82)															
(83)															
(84)															
(85)															
(86)															
(87)															
(88)															
(89)															
(90)															
(91)															
(92)															
(93)															
(94)															
(95)															
(96)															
(97)															
(98)															
(99)															
(100)															

आंकड़े पूल के अनुसार हैं, अलग-अलग योजनाओं के अनुसार नहीं

आंकड़े अलग-अलग योजनाओं से संकलित हैं

© केवल एमआईएसबी 93 के अंतर्गत

आश्वासित आय योजनाओं का विस्तृत विवरण

(करोड़ रुपए में)

योजना	निवेश योग्य निधियां 31.12.97 के अनुसार \$
I. 1.7.94 से पूर्व शुरू की गई योजनाएं	
सीजीजीएफ	2921.01
एमआईएसजी 90 पूल एमआईएसजी 90 (I) एवं एमआईएसजी 90(II) एमआईएसजी 91	
	1587.57 @
आईआईएसएफयूस 93	864.54
एमआईएसबी 93 पूल एमआईएसबी 93 एमआईपी 93	
	1392.55 @
एमआईपी 94	377.30
एमआईपी 94 (II)	504.44
II. 1.7.94 के बाद शुरू की गई योजनाएं	
एमआईपी 97 (I)	1120.85
एमआईपी 97 (II)	1368.83
एमआईपी 97 (III)	602.59
एमआईपी 97 (IV)	908.25
आईआईएसएफयूस 97	497.08
आईआईएफ	30.00
	12175.01

@ समग्र पूल के लिए

\$ अनंतिम

एवं शामिल होने की तिथि पर निर्भर रहते हुए 1.11.97 से 16.1.98 के बीच समाप्त

यूटीआई ने निम्नलिखित नियत तत्परता प्रमाणपत्र सेबी के पास जमा किया है

इस बात की पुष्टि की जाती है कि

- पेशकश दस्तावेज का ड्राफ्ट भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (म्यूचुअल फंड) अधिनियम, 1996 एवं समय-समय पर सेबी द्वारा जारी दिशानिर्देशों एवं निर्देशों के अनुसार है ;
- पेशकश दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरण सत्य, उचित एवं प्रस्तावित योजना में निवेश के लिए निवेशकों को सोच समझकर निर्णय लेने में सहायता देने के लिए पर्याप्त है ;
- पेशकश दस्तावेज में उल्लिखित सभी बिचौलिए सेबी के साथ पंजीकृत हैं और आज की तिथि के अनुसार ऐसे पंजीकरण वैध हैं।

दिनांक : 22/1/98

हस्ताक्षर

स्थान : मुंबई

नाम : बी एस पंडित

अनुपालन अधिकारी
मुहर के साथ

भारतीय यूनिट ट्रस्ट कार्पोरेट कार्यालय

13, सर विठ्ठलदास ठाकरसी मार्ग (न्यू मरीन लाईन्स), मुंबई-400 020. दूरध्वनि : 206 8468.

आंचलिक कार्यालय

पश्चिमी अंचल : कामर्स सेंटर -1, 28 वीं मंजिल, विश्व व्यापार केंद्र, कफ परेड, कोलाबा, मुंबई-400 005. दूरध्वनि : 218 1600. **पूर्वी अंचल :** 2, फेयरली प्लेस, दूसरी मंजिल, कलकत्ता-700 001. दूरध्वनि : 220 9391. **दक्षिणी अंचल :** यूटीआई हाऊस 29, राजाजी सलई, चेन्नई-600 001. दूरध्वनि : 517 101. **उत्तरी अंचल :** जीवन भारती, 13वीं मंजिल, टावर II, कनाट सर्कस, नई दिल्ली-110 001. दूरध्वनि : 332 9860.

पश्चिमी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

अहमदाबाद : बी जे हाऊस, दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380 009. दूरध्वनि : 642 3043. **बड़ौदा :** मेघधनुष, चौथी और पांचवीं मंजिल, ट्रान्स्पेक सर्कल, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा-390 015. दूरध्वनि : 332 481. **भोपाल :** पहली मंजिल, गंगा जमुना कमर्शियल काम्प्लेक्स, प्लॉट नं. 202, महाराणा प्रताप नगर, अंचल -1, स्कीम-13, हबीब गंज, भोपाल-462 001. दूरध्वनि : 558 308. **इन्दौर :** सिटी सेंटर, दूसरी मंजिल, 570, एम. जी. रोड, इन्दौर-452 001. दूरध्वनि : 22796, **मुंबई :** (1) यूनिट सं. 2, ब्लॉक 'बी' गुलमोहर क्रॉस रोड नं. 9, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई - 400 049. दूरध्वनि : 620 1995. (2) पर्सपोलिस बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, आंध्रा बैंक के ऊपर, सेक्टर 17, वाशी, नवी मुंबई-400 703. दूरध्वनि : 767 2607. (3) लोटस कोर्ट बिल्डिंग, 196, जमशेदजी टाटा रोड, बैंकबे रिक्लमेशन, मुंबई-400 020. दूरध्वनि : 285 0821. (4) श्रद्धा शॉपिंग आर्केड, पहली मंजिल, एस.वी. रोड, बोरिवली (पश्चिम), मुंबई-400 092. दूरध्वनि 802 0521. (5) सागर बोनांजा, पहली मंजिल, खोत लेन, घाटकोपर (पश्चिम), मुंबई- 400 086. दूरध्वनि : 516 2256. **कोल्हापुर :** अयोध्या टावर्स, सी एस नं. 511, केएच-1/2, ई' वार्ड, दाभोलकर कार्नर, स्टेशन रोड, कोल्हापुर-416 001. दूरध्वनि : 657 315. **नागपुर :** श्री मोहिनी काम्प्लेक्स, तीसरी मंजिल, 345, सरदार वल्लभाभाई पटेल रोड, नागपुर-440 001. दूरध्वनि: 536893. **नासिक :** सारदा संकुल, दूसरी मंजिल, एम.जी. रोड, नासिक-422 001. दूरध्वनि: 572166. **पणजी :** ई.डी.सी. हाऊस, भूतल, डॉ. ए बी मार्ग, पणजी, गोवा-403 001. दूरध्वनि: 222472. **पुणे :** सदाशिव विलास, तीसरी मंजिल, 1183 फर्ग्युसन कालेज रोड, शिवाजी नगर, पुणे - 411 005. दूरध्वनि : 325954. **राजकोट :** लल्लूभाई सेन्टर, चौथी मंजिल, लखाजी राज रोड, राजकोट-360 001. दूरध्वनि : 35112. **सूरत :** सैफी बिल्डिंग, डच रोड, ननपुरा, सूरत-395 001. दूरध्वनि : 434 550. **ठाणे :** यूटीआई हाऊस, स्टेशन रोड, ठाणे (प.) -400 601. दूरध्वनि : 540 0905.

पूर्वी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

भुवनेश्वर : ओसीएचसी बिल्डिंग, 1ली एवं 2री मंजिल 24, जनपथ, खारवेला नगर, राम मंदिर के समीप, भुवनेश्वर - 751 001. दूरध्वनि: 410 995. **कलकत्ता :** 2, फेयरली प्लेस, कलकत्ता 700 001. दूरध्वनि : 220 9391. **दुर्गापुर :** तीसरी एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, आसनसोल, दुर्गापुर विकास प्राधिकरण, सिटी सेन्टर, दुर्गापुर 713 216. दूरध्वनि : 546 136. **गुवाहाटी :** हिन्दुस्तान बिल्डिंग, 1ली मंजिल, एम एल नेहरू रोड, पानबाजार, गुवाहाटी 781 001. दूरध्वनि : 543 131. **जमशेदपुर :** 1-ए, राम मंदिर परिसर, भूतल और दूसरी मंजिल, बिस्तूपुर, जमशेदपुर 831 001. दूरध्वनि: 425508. **पटना :** जीवन दीप बिल्डिंग, भूतल और पांचवीं मंजिल, एक्विजिबिशन रोड, पटना 800 001. दूरध्वनि : 235 001. **सिलीगुड़ी :** जीवन दीप, भूतल, गुरु नानक सरणी, सिलीगुड़ी - 734 401. दूरध्वनि : 424671.

दक्षिणी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

बंगलोर : रहेजा टावर्स, 26-27, 12वीं मंजिल, पश्चिम विंग, एम.जी.रोड, बंगलोर 560 001. दूरध्वनि : 5091. **कोचीन :** जीवन प्रकाश, पांचवीं मंजिल, एम जी रोड, एर्नाकुलम, कोचीन 682 011. दूरध्वनि : 362 354. **कोयम्बतूर :** चेरन टावर्स, तीसरी मंजिल, 6/25, आर्टस् कालेज रोड, कोयम्बतूर 641 018. दूरध्वनि : 214 973. **हुबली :** कालबुर्गी मेशन, 4थी मंजिल, लेमिंगटन रोड, हुबली 580 020. दूरध्वनि : 363 963. **हैदराबाद :** पहली मंजिल, सुरभि आर्केड, 5-1-664, 665, 669, बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद 500 195. दूरध्वनि : 511 095. **चेन्नई :** यू.टी.आई. हाऊस, 29, राजाजी सलई, चेन्नई 600 001. दूरध्वनि : 517 101. **मदुराई :** तमिलनाडु सर्वोदय संघ बिल्डिंग, 108, तिरुप्परनकुन्द्रम रोड, मदुराई 625 001. दूरध्वनि : 38186. **मंगलोर :** सिद्धार्थ बिल्डिंग, पहली मंजिल, बाल-मत्ता रोड, मंगलोर-575 001. दूरध्वनि : 426 258. **तिरुअनंतपुरम :** स्वस्तिक सेन्टर, तीसरी मंजिल, एम.जी रोड तिरुअनंतपुरम 695 001. दूरध्वनि : 331 415. **त्रिची :** 104, सलई रोड, कोरैयूर, तिरुचिरापल्ली 620 003. दूरध्वनि : 760060. **त्रिचूर :** 28/876/77, वेस्ट पल्लिथामाम बिल्डिंग, करुणाकरण नंबियार रोड, राउंड नॉर्थ, त्रिचूर 680 020. दूरध्वनि : 331 259. **विजयवाड़ा :** 27-37-156, बन्दर रोड, मनोरमा होटल के आगे, विजयवाड़ा 520 002. दूरध्वनि: 74434. **विशाखापट्टनम् :** रत्ना आर्केड, तीसरी मंजिल, 47/15/6, स्टेशन रोड, द्वारका नगर, विशाखापट्टनम् 530 016. दूरध्वनि : 548 121.

उत्तरी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

आगरा : भूतल, जीवन प्रकाश, संजय प्लेस, महात्मा गांधी रोड, आगरा - 282 002. दूरध्वनि : 54408. **इलाहाबाद :** यूनाइटेड टावर्स, तीसरी मंजिल, 53, लीडर रोड, इलाहाबाद 211 003. दूरध्वनि: 400521. **अमृतसर :** श्री द्वारकाधीश काम्प्लेक्स, दूसरी मंजिल, क्विन्स रोड, अमृतसर-143 001. दूरध्वनि : 210367. **चंडीगढ़ :** जीवन प्रकाश, एलआईसी बिल्डिंग, सेक्टर 17-बी, चंडीगढ़-160 017. दूरध्वनि: 703 683. **देहरादून :** दूसरी मंजिल, 59/3, राजपुर रोड, देहरादून 248 001. दूरध्वनि: 746720. **फरीदाबाद :** बी-614-617, नेहरु ग्राउंड, एनआईटी, फरीदाबाद-121 001. दूरध्वनि : 219156. **गाजियाबाद :** 41, नवयुग मार्केट, सिंधानी गेट के समीप, गाजियाबाद-201 001. दूरध्वनि : 790366. **जयपुर :** आनंद भवन, तीसरी मंजिल, संसार चन्द्र रोड, जयपुर 302 001. दूरध्वनि: 365 212. **कानपुर :** 16/79इ, सिविल लाईन्स, कानपुर 208 001. दूरध्वनि: 317 278. **लखनऊ :** रिजेन्सी प्लाजा बिल्डिंग, 5, पार्क रोड, लखनऊ 226 001. दूरध्वनि : 238599. **लुधियाना :** सोहन पैलेस, 455, दि माल, लुधियाना 141 001. दूरध्वनि: 441264. **नई दिल्ली :** गुलाब भवन, दूसरी मंजिल, 6, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110 002. दूरध्वनि: 331 8638. **शिमला :** फ्लैट नं.401,402, मुकेश एपार्टमेन्टस्, फिंगस्क एस्टेट, होटल शील के पास, शिमला 171 001. दूरध्वनि: 257803. **वाराणसी :** पहली मंजिल, डी-58/2ए-1, भवानी मार्केट रथयात्रा, वाराणसी 221 001. दूरध्वनि: 358606.

RESERVE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

DEPARTMENT OF GOVERNMENT AND BANK ACCOUNTS

Mumbai, the 4th April 1998

No. — In pursuance of Rule 18 of the Rule made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act 1944 and published in the Gazette of the 20th April, 1945 [as amended under the Notification No. F. (8)/70-B/52 dated the 29th April, 1954 and the Notification in extra ordinary Gazette No. 67 dated 21st February 1996] the following list for the month ended February 1998 is hereby advertised of securities lost etc. In respect of which prima facie ground exists for believing that the securities have been lost and that the claim of applicants just. All persons other than the respective claimants named below who have any claim upon these securities should communicate immediately with the Chief General Manager, Reserve Bank of India, Central Office, Department of Government and Bank Accounts, Central Debt Division, Mumbai.

The list has been divided into two parts: List 'A' being securities now advertised for the first time and list 'B' the list of securities previously advertised.

LIST 'A'

No. of security	Value in Rs./Grams	In whose name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate and/or payment of discharge value	No. and date of order issued.
1	2	3	4	5	6

NDGB 1980 'A' Series (Chennai Circle)

MS-037513	7 Grams.	S. Ponniiah	24-12-65	P. Robert	G.M. Diary No. 79 dated 26-2-1998
-----------	----------	-------------	----------	-----------	-----------------------------------

LIST 'B'

No. of Security	Value	In whose name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate and/or payment of discharge value	No. & Date of orders issued
1	2	3	4	5	6

CALCUTTA CIRCLE

6.25% Loan 1997

CA-001509	Rs. 10,000/-	Reserve Bank of India	Interest paid upto 2nd half-year	Indian Bank	File No. I-2343 General Manager's order dated 13-1-98 vide Dy. No. LCO-92 dated 13-1-98
-----------	--------------	-----------------------	----------------------------------	-------------	---

6.50% Loan 2002 (CALCUTTA CIRCLE)

CA-000108	Rs. 13,000/-	Reserve Bank of India	Interest paid upto 20th half-year	Trs. The Chloride Pension Fund.	File No. I-2523 General Manager's Order dated 26-12-1997 vide Dy. No. LCO-85 dated 26-12-1997
CA-001300	Rs. 25,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.
CA-001847	Rs. 10,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.

9% Khetri Pond 1993 (NEW DELHI CIRCLE)

DH-000021	Rs. 2,50,000/-	Roshan Lal	Since issued (Being Cumulative)	Roshan Lal	LN-15/97 dated 3-1-1998
-----------	----------------	------------	---------------------------------	------------	-------------------------

N. A. AHLEY
P. Chief General Manager

STATE BANK OF INDORE
(HEAD OFFICE)

Indore, the 23rd March 1998

NOTICE is hereby given that for the purpose of ascertaining the names of the shareholders of Bank to whom the dividend on their holdings for the year 1997-98 may become payable, if declared by the Board, the Register of shareholders of the State Bank of Indore will remain closed for transfer of shares from 25-05-1998 to 20-06-1998 (both days inclusive).

BY ORDER OF THE BOARD OF DIRECTORS

C. K. MEHROTRA, Managing Director

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the March 1998

No. N-15/13/14/13/96-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46 (2) of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-3-1998 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Tamil Nadu Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Tamil Nadu namely :—

"Areas comprising the revenue villages of Asaripatti, S. Ramalingapuram and Arasjarnativ of Ralapelavam Taluk and revenue village of Pillarkulam of Srivilliputhur Taluk in Virudhunagar District."

L. K. PATTANAIK
Jt. Director (P&D)

No. N-15/13/14/6/97-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46 (2) of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-3-1998 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Andhra Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Andhra Pradesh namely :—

"The areas falling within the limits Revenue Villages of Gajilapur and Dindigul in Quitbullapur Mandal in Ranga Reddy District."

L. K. PATTANAIK
Jt. Director (P&D)

No. N-15/13/14/12/96-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46 (2) of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-3-1998 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Tamil Nadu Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Tamil Nadu namely :—

"Area comprising the revenue village of Thottanuthu,

"Areas comprising the revenue villages of Thottanuthu, Sindhalakundu and Pithalsinativ of Dindigul Taluk and revenue villages of Ayakkudi West Sivagirinativ and Ayakkudi East of Palani Taluk in Dindigul District"

L. K. PATTANAIK
Jt. Director (P&D)

No. N-15/13/6/10/96-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46 (2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-12-1997 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Kerala Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1957, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Kerala namely :—

"The areas within the revenue village of Choovannor in Thalappilly taluk and Thengaloor in Trichur taluk of Trichur District."

L. K. PATTANAIK
Jt. Director (P&D)

REGIONAL OFFICE ORISSA

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

Bhubaneswar-7, the 16th March 1998

Sub : Reconstitution of Local Committee for Charampa (Bhadrak) area under ESI Scheme.

No. 44-V-34/12/28/89-Bft.—It is hereby notified that the Local Committee Charampa Area in the district of Orissa, set up under Regulation 10-A of the ESI (General) Regulation, 1950 has been reconstituted consisting of the following members with effect from the date of issue of this Notification.

Chairman

1. Under Regulation 10-A (1) (a)
Sub-Collector, Bhadrak.

Members

2. Under Regulation 10-A (1) (b)
District Labour Officer, Bhadrak.
3. Under Regulation 10-A (1) (c)
Insurance Medical Officer-Incharge,
E.S.I. Dispensary,
Charampa.
4. Under Regulation 10-A (1) (d)
 - (i) Shri Dharam Singh, Partner,
M/s. Shree Pohopsingh Rice Mill,
Charampa, Bhadrak.
 - (ii) Sri S. K. Sharma, Director,
M/s. Utkal Flour Mills (P) Ltd.,
Charampa, Bhadrak.
5. Under Regulation 10-A (1) (e)
 - (i) Shri Mohandhra Biswal, Supervisor,
M/s. Tarini Rubber Industries,
Charampa, Bhadrak.
 - (ii) Sri Bijoy Kumar Gupta,
M/s. Bijoy Rice Mills,
Charampa, Bhadrak.

Member-Secretary

(Ex. Officio)

6. Under Regulation 10-A (1) (f)
Manager, Local Office, E.S.I.
Corporation, Jajpur Road.

U. H. RAO
Regional Director
ESI Corporation, Orissa
Bhubaneswar

MINISTRY OF LABOUR

EMPLOYEES' PROVIDENT FUND ORGANISATION
(CENTRAL OFFICE)

New Delhi-110066, the 3rd March 1998

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/4470.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I, (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution

or payment of premium, in enjoyment of benefit under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C., Tamil Nadu from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the Establishments	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F. C.'s File No.
01.	M/s. N. L. C. Employees. Co-operative Thrift & Credit Society Ltd., Block-12, Neyveli-607803	TN/TR/8170	01-01-1990 to 31-12-1992 & 01-01-1993 to 31-12-1995 & 01-01-1996 to 31-12-1998	DLI/16 (293)/97
02.	M/s. Seldeen Wire Products (P) Ltd., B-1, Sidco Industrial Estate, Krishnagiri-635001.	TN/SLM/17077-A	01-04-1995 to 31-03-1998	DLI/14/(295)/97
03.	M/s. Kali Composite Metals, 42/6-B, Madras Road, Melakaveri, Kumbakonam-612002	TN/17782	01-10-1987 to 30-09-1990 & 01-10-1990 to 30-09-1993 & 01-10-1993 to 30-09-1996	DLI/14/(209)/96
04.	M/s. G. K. & Sons 30, Madras Bye Pass Road, Mannarpura, Triuchirapalli-620020	TN/19603	01-03-1989 to 29-02-1992 (Switch over to EDLI Scheme, 76 with effect from 1-3-92 on wards)	DLI/14/(276)/97
05.	M/s. Lakshmi Medical Services, 23-B, Ramakrishna Road, Salem-636007.	TN/SL/21340-A	01-12-1996 to 30-11-1999	DLI/14/(296)/97
06.	M/s. Sakthi Soft Drinks Ltd., 15, Sastri Road, Ramnagar, Coimbatore-641009.	TN/21889	01-09-1996 to 31-08-1999	DLI/14/(294)/97

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before given his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

S. BHATTACHARJEE
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.1/4481.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments etc. without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the GROUP Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh from the operation of the Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE — I

S. No.	Name & Address of the Establishments	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F. C's. File No.
01.	M/s. Shree Krishna Drugs Pvt. Ltd., S. No. 57, Rai Kunta Golkond Kalan, Shamshabad Mandal, Ranga Reddy Distt. Andhra Pradesh	AP/HY/21964	01-03-1993 to 29-02-1996 and 01-03-1996 to 28-02-1999	1/113/DLI/97
02.	M/s. Restile Ceramics Ltd., 6-3-655/12, 2nd Floor, Civil Supplies Bhawan Lane, Somajiguda, Hyderabad-500482. (along with its branches)	AP/HY/26246	01-02-1995 to 31-01-1998	1/114/DLI/97

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

S. BHATTACHARJEE
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959 DLI/Exemp./39/P.F.I./4489.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 23(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C., Gujarat from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE — I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F. C's File No.
01.	M/s. Swastik Organics, Sabar Dairy Road, N. H. No. 8. Piplodi Post Hajipura Ta-Himanagar, (Gujarat)	GJ/15800	01-12-1989 to 30-11-1992 & 01-12-1992 to 30-11-1995 & 01-12-1995 to 30-11-1998	4/89/97/DLI
02.	M/s. Techno Chemicals, 2nd Floor, Sunergy House, Subhanpura Road, Baroda-39007.	GJ/20484	01-12-1995 to 30-11-1998	4/90/97/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would

be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

S. BHATTACHARJEE
Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi-110066, the 11th March 1998

No. C.P.F.C. E.1(4)/OR(1606)/97/4681—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Establishment	Date of Coverage
1	2	3	4
1.	OR/7259	M/s. Bohara Enterprises, At Bhalupatra, Post Beldi Distt. Sundargarh (Orissa)	1-12-1996
2.	OR/5023	M/s. Balasore Co-op. Urban Bank Ltd., At /P.O. Vivekanand Marg., At/P.O./Distt. Balasore-756001.	1-4-1996
3.	OR/4985	M/s. The Talcher Co-op. Agriculture and Development Bank Ltd., At/P. O. Talcher (Hatatola) Distt. Angul.	1-10-1995
4.	OR/4924	M/s. Kamakhya Nagar Co-op. Agriculture and Dev. Bank Ltd., At/P.O. Kamakhya Nagar, Distt. Dhenkanal (Orissa)	1-4-1995
5.	OR/4957	M/s. Hirdal Co-op. Agricultural & Rural Development Bank Ltd., At/P.O. Hirdal Distt. Dhenkanal (Orissa)	1-4-1995

1	2	3	4
6.	OR/7157	M/s. Minz Associates, 16, NAC Market (Old Taxi Stand) Rourkela-I.	1-1-1996
7.	OR/5206	M/s. Dharmagarh Co-op. Agriculture & Rural Development Bank Ltd., At/P. O. Dharmagarh, Distt. Kalahandi (Orissa)	1-6-1996
8.	OR/5010	M/s. Special Security Service, Nehru Nagar, Main Road, Berhampur-760003, Distt. Ganjam	1-10-1995
9.	OR/4919	M/s. Berhampur Co-op. Agriculture & Rural Development Bank Ltd., At/P.O. Berhampur, Near S.D.I. Main Branch, Distt. Ganjam.	1-9-1994
10.	OR/RL/7075	M/s Santa Chemicals (P) Ltd. Plot No. 140 & 141, Industrial Estate, Distt Sundargarh, Kalunga-770031 (Orissa)	1-12-1994

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act. Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

S. BHATTACHARJEE
Regional Provident Fund Commissioner

No.C.P.F.C. 1(4)MH(1609)/97/4695—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No.	Name & address of the establishment	Date of Coverage
1.	MH/NK/50964	M/s. Kalpak Tools and Allied Products Pvt. Ltd., Plot No. G-23, M.I.D.C., Ambad, Nashik-422010.	1-1-1997
2.	MH/95959	M/s. N. M. Enterprises, At./Post. Pigonde (Amboghar), Tal. Roha Distt. Raigad-402106.	1-8-1996
3.	MH/95964	M/s. S. O. Fabricators, Maharashtra Co-op Housing Society, No C-82, Room No. 1/2, Sector 26, Vashi New Mumbai-400705.	1-9-1996
4.	MH/95971	M/s. Sudhan Construction Co. Engineers & Contractors, Gaval Ali, At./Post Nagothane, Tal. Roha, Distt. Raigad-402106.	1-9-1996
5.	MH/95972	M/s. Kashinath Shankar Rathod, R.C. F. Labour Colony, Waishet-Alibagh-Raigad-402208.	1-8-1996
6.	MH/95986	M/s. Shri Luxmi Industries Nago Thana, Near Old Petrol Pump, (Mumbai Goa Road) Tal. Roha, Distt. Raigad.	1-10-1996
7.	MH/96002	M/s. Luxmi Enterprises, Shop No. 2, Parsi Bagh, Near Jaisingh Plastic Co. Chakala Road Andheri (E), Mumbai-400099.	1-8-96

1	2	3	4
8.	MH/96029	M/s. Jai Bhawani Const. & Supplier, At. Post Pigonda (Amb. ghar), Tal. Roha, Distt. Raigad.	1-11-1996
9.	MH/96065	M/s. Diamond Egg. Works, Anarkhan, At. Post Nagothane, Tal. Roha, Distt. Raigad	1-1-1997
10.	MH/96070	M/s. Ambica Construction Company, 101, Devi Annapurna Premises Co-op. Society Ltd., Plot No. 8, Sector 18, Vashi, New Mumbai-400705	1-11-1996
11.	MH/96097	M/s. Tejal Constructions 209, Rachna, Plot No. 3, Sector 17, Vashi, New Mumbai-400705.	1-11-1996
12.	MH/96145	M/s. Trupti Enterprises, At. Kadsure P. O. Pigonda, Tal. Roha, Distt. Raigad.	1-4-1997
13.	MH/96146	M/s. Adhikari Brothers Works, At. & Post Nagothane, Tal. Roha, Distt. Raigad.	1-3-1997
14.	MH/96188	M/s. Mark Construction, H-2, M. Gandhi Chowk, Opp. Raigad Bazar, Nagothane, Raigad-402106.	1-1-1997
15.	MH/96189	M/s. Super Constructions, At. Khadak Ali P. O. Nagothane, Roha-Raigad Distt. -402106.	1-1-1997
16.	MH/96216	M/s. Yashwant Iliger Brothers., At post Naihane, Tal. Roha, Distt. Raigad-402106.	1-1-1997
17.	MH/96227	M/s. P. C. Bhawsar, At. & Post Nagothane, (Highway Road), Tal. Roha, Distt. Raigad-402106.	1-1-1997
18.	MH/95997	M/s. Vishal Enterprises, Post Office Road, Post Nagothane, Tal. Roha, Distt. Raigad	1-10-1996
19.	MH/Goa/10613	M/s. Goa Mould Crafters (P) Ltd., Plot No. 2, Margao Indl. Estate, St. Jose De Areal Salcete, Goa-403709.	1-5-1997
20.	MH/Goa/10632	M/s. Goa Chamber of Commerce & Industry, Goa Chamber Building Rua-de-Ormuz, P. O. Box No. 59, Panjim-Goa.	1-4-1997
21.	MH/Goa/10621	M/s. Puja Plastics, V. P. 16, Baingim Old Goa, Goa-403402.	1-5-1997
22.	MH/KP/100097	M/s. Shri Krishna Sahakari Dudo Vyavsayik Sanstha Maryadit, Bachani, Tal. Kagal, Distt. Kolhapur.	1-12-1996
23.	MH/Goa/10575	M/s. Star Earthmovers, Kakodkar Building, Near Central Bank of India, Kakoda-Corcholem, Goa-403706.	1-10-1996
24.	MH/Goa/10586	M/s. Palle Nutrasweet Pvt. Ltd., Plot No. L-68, Verma Industrial Estate, Verna Salcete, Goa-403722.	1-12-1996
25.	MH/Goa/10594	M/s. Vdapi Hotel, Chavdi, Canacona, Goa-403706.	1-1-1997

1	2	3	4
26.	MH/95993	M/s. Tripta Constructions, Shop No. 2, Parsi Baug Near Jai Singh Plastic Co., Chakala Road, Andheri (E), Mumbai-400099.	1-6-1996
27.	MH/KP/100061	M/s. Shree Birdev Sah Pani Purvat Sanstha Maryadit, Washi Tal. Karvir.	1-11-1996
28.	MH/KP/100115	M/s. Bhosle Engincers, Plot No. B-68, M.I.D.C. Shirol, Kolhapur.	1-10-1995
29.	MH/KP/100116	M/s. Auto Component Enterprises, Plot No. G-58, M. I. D. C., Shirol, Kolhapur-416122.	1-6-1997
30.	MH/KP/100119	M/s. Pandurang Sahakari Dudh Vyavasayik Sanstha Ltd., Palkarwadi, Tal. Radhanagri, Distt. Kolhapur.	1-3-1997
31.	MH/100120	M/s. Shri Bhavewashri Sah Dudh Vaysaik & Krushi Purak Sevi Sanstha Ltd., Uttur, Tal. Ajara. Distt. Kolhapur.	1-4-1997
32.	MH/KP/100125	M/s. Garware Elastomerics Ltd., Plot No. C-2, M.I.D.C. Wai, Distt. Satara-412803.	1-4-1997
33.	MH/KP/100128	M/s. Kavathemahankal Development Credit Society Ltd., Kavathemahankal, Distt. Sangli.	1-4-1996
34.	MH/KP/100129	M/s. Shri Dinkarrao Jadhav Nagari Sahakari Pat Sanstha Maryadit, Gargoti, Tal. Bhudargad. Distt. Kolhapur.	1-5-1997
35.	MH/KP/100132	M/s. Navchaitanya Nagri Sahakari Pat Sanstha Maryadit, Atit, Distt. Satara.	1-8-97
36.	MH/100137	M/s. Shri Hanuman Sahakari Dudh Vyasaik Sanstha Maryadit, Kembali Tal. Kagal, Distt. Kolhapur.	1-5-1997
37.	MH/100138	M/s. Mudhingi Dudh Utpadak Sahakari Society Ltd., Mudshingi Tal. Karvir, Distt. Kolhapur.	1-4-1997
38.	MH/KP/100140	M/s. Narkhecha Industries, B-58/59, M.I.D.C. Shirol, Kolhapur.	1-5-1997
39.	MH/KP/100141	M/s. Shri Arun Narake Nagari Sahakari Pat Sanstha Maryadit, 1897, 'A' Ward, Rankala Road, Kolhapur.	1-4-1997
40.	MH/KP/100142	M/s. Supertech, C-63, M.I.D.C. Shirol, Industrial Estate, Kolhapur-416122.	1-4-1997
41.	MH/KP/100143	M/s. Gargoti Janata Nagari Sah Pat Sanstha Ltd., Gargoti Tal. Bhudargad, Distt. Kolhapur.	1-8-1997
42.	MH/KP/100144	M/s. Nirmati Dnyanpeth Ajara, Tal. Ajara, Distt. Kolhapur.	1-3-1997
43.	MH/KP/100146	M/s. Shri Ravalnath Sahakari Dudh Vyavsaik Sanshta Ltd., Pernoli, Tal. Ajara Distt. Kolhapur.	1-8-1997
44.	MH/KP/100154	M/s. Auto Assembly Centre, 9/664-C, Building, No. 38, Industrial Estate, Ichalkaranji-416115, Distt. Kolhapur.	1-4-1997

1	2	3	4
45.	MH/KP/100155	M/s. Shri Vardhman Nagari Sahakari Pat Sanstha Ltd, Maryadit, a/550A, Mahavir Road, Vardhaman Chowk, Ichalkaranji-416115. Dist. Kolhapur,	1-4-97
46.	MH/KP/100156	M/s. The Koregaon Co-op. Peoples Bank Ltd., Koregaon-415501. Dist. Satara.	1-8-97
47.	MH/KP/100157	M/s. Dattagirao Barge Nagari Sahakari Path Sanstha Maryadit, Koregaon, Tal. Koregaon, Dist. Satara.	1-8-97
48.	MH/KP/100158	M/s. Shri Hanuman Sah Doodh Viya vsaik Sanstha Area, Gadegondewadi, Tal. Karveer Dist. Kolhapur.	1-11-96
49.	MH/KP/100166	M/s. Shri Hanuman Sahakari Dudha Vyavasalk Sanstha Maryadit Hasur, Tal. Karveer, Dist. Kolhapur.	1-6-97
50.	MH/95025	M/s. Yashwant Hospital Mahad, Dist. Raigad-402301.	1-1-92
51.	MH/95036	M/s. Das Offshore Engineering Pvt. Ltd. D-377, M.I.D.C. Kuksheth Village, Near H. P. Dist. Thane.	1-7-93
52.	MH/95054	M/s. New Bombay Offset Printers, D-381, Kuksheth Behind Hardillia Chemicals, Near Vadilal Gases New Mumbai, Dist. Thane.	1-4-93
53.	MH/95331	M/s. Konwin Confectioners, Plot No. 89, C.I.D.C.O. Service Ind. Area, Sector 23, Turbhe, New Mumbai-400705.	1-7-94
54.	MH/95319	M/s. S. K. Construction NL-5/13/16, Sector 3, Nerul, New Mumbai-400706,	1-7-94
55.	MH/95645	M/s. Enjoy Refrigeration Service Centre Shop No. 12, Khopkar Apartment, Kumbharwada Uran-400702, Dist. Raigad (M.H.),	1-9-95
56.	MH/05647	M/s. Virgo International P. B. No. 212, "Devprayag", Ravi Industrial Compound, Panchpakhadi, Thane-400602.	1-8-1995
57.	MH/95756	M/s. Virgo Telecom Systems Pvt. Ltd., P. B. No. 212, "Devprayag", Ravi Industrial Compound Panchpakhadi, Thane-400602.	1-8-1995
58.	MH/95757	M/s. Virgo Electronic Enterprises, P. B. No. 212, Devprayag Ravi Industrial Compound, Panchpakhadi, Thane-400602.	1-8-1995
59.	MH/95826	M/s. Chemtron Science Laboratory, EL-47, Electronics Zone Mahape, TTC Industrial Area, New Mumbai-400701.	1-8-1995
60.	MH/95880	M/s. ONGC Employees Consumers Co-op. Society Ltd., Canteen Building, LPG/CSU Plant, ONGC, Uran, Distt. Raigad-400702 (M.H.).	1-3-1995
61.	MH/95889	M/s. Brite Industries, Mora Fud No. 7, Uran Mora Road, P. O. Nad Karanja, Distt. Raigad (M.D.).	1-7-1996

1	2	3	4
62.	MH/95646	M/s. J. R. Kādu Contractors, At Nagoan -Peerwadi, Tal. Uran, Distt. Raigad.	1-11-1995
63.	MH/95775	M/s. Bharat Construction, Hotel Tissaai, Kotnaka, Uran-400702, New Mumbai,	1-1-1996
64.	MH/95918	M/s. Puma Engineers & Consultants Pvt. Ltd., R-625, MIDC Rabale, T.T., Ind. Area, New Mumbai-400701.	1-8-1996
65.	MH/95958	M/s. S. P. Koli, Contractors Labour & Garden Material Suppliers At Hanuman Koli Wade, Tal. Uran, Distt. Raigad.	1-8-1996

Now, therefore, in exercise of the powers conferred section (4) of Section 1 of the said Act, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

S. BHATTACHARJEE
Regional Provident Fund Commissioner

No. CPFC 1(4)/MH(1607/97)/4771.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Establishment	Date of Coverage
1	2	3	4
1.	MH/95640	M/s. Preventive Maintenance Service 85, New Modella Co-op., Premises Society Ltd., Padwal Nagar, Wagle Estate, Thane-400604.	1-9-1995
2.	MH/95666	M/s. Rahul Construction, A2/20, Sector 21, Turbhe, New Mumbai.	1-9-1995
3.	MH/95922	M/s. Minute Engineering Construction, Take Building No. 279, 1st Floor, Nagothane Raigad Maharashtra.	1-8-1996
4.	MH/KP/100021	M/s. Stieber Precision Pvt. Ltd., M-2, Addl. M. I. D. C. Area, Satara-415004.	20-3-1996
5.	MH/95078	M/s. Desai Associates, 1st, Floor, Chitre Building, Kharkarali, Thane-400601.	1-9-1993
6.	MH/42415	M/s. Bharathi Caterers & House Keeping, 3/302, "Rajmata" Housing Society, Near R. T. O. Andheri (West), Mumbai-400058.	1-11-1995
7.	MH/42417	M/s. Subh Industries, 11/12/13/ B, Valbhav Industrial Estate, Chandivall Village, Saki Vihar Road, Pawai, Andheri (East), Mumbai-400072.	31-12-1996
8.	MH/95251	M/s. Crystal India, W-114, M. I. D. C. 11, Dombivalli-421204 Distt. Thane (M.H.).	1-7-1993
9.	MH/NK/50720	M/s. Akole Taluka Sahakari Kharedi Vikri Sangh Ltd., A/P & Tal. Akole, Distt. Ahmednagar-622601.	1-4-1993

1	2	3	4
10.	MH/95210	M/s. Nahur Electronics Services Shop No. A 5, Mitradham Building Near Savodaya Nagar, Mulund(W), Mumbai-400080.	1-1-1994
11.	MH/42551	M/s. Ruma Investment (P) Ltd., 104, Kashiram Jamanadas Building, 5, P. D. Mello Road, Mumbai-9.	1-4-1996
12.	MH/50536	M/s. Widem Machines (P) Ltd., Plot No. 91/2, Road No. 17, M. I. D. C. Satpur, Nasik-422007.	1-2-1994
13.	MH/Goa/10556	M/s. Nilima Twines & Ropes Pvt. Ltd., Tivim Industrial Estate, Karaswada, Mapusa-Goa.	1-5-1994
14.	MH/NK/50589	M/s. Maharani Plast Pvt. Ltd., D-95, Add. M.I.D.C. Area, Jalgaon-425003.	1-6-1994
15.	MH/502575	M/s. Shama Sparklers Shama Nagar, Shirsoli-425126., Distt. Jalgaon.	31-3-1992
16.	MH/39146	M/s. Aimco Pesticides Ltd., Akhand Jyoti 8th Road, P, B, No. 6822, Santacruz (E), Mumbai-400055.	1-6-1991
17.	MH/NK/50912	M/s. Pushpamoti Cold Storage Pvt. Ltd., C-31, M. I. D. C., Ahmednagar-414111	1-11-1996
18.	MH/Goa/10616	M/s. D. P. C. Motors Pvt. Ltd., "Vishnu Smruti" Altnho, Mapusa-403507.	1-4-1997
19.	MH/Goa/10603	M/s. T. V. K. Traders, E-86, Marutigad Mala, Panaji-Goa.	1-4-1997
20.	MH/KP/100072	M/s. Shri Kamdhenu Sah Dudh Vyavsaik Sanstha Ltd., At. Post Padali, Tal, Hastkangalre, Distt. Kolhapur.	1-3-1997
21.	MH/KP/100084	M/s. Shri Birdev Sahakari Pani Purvatha, Mendali Ltd., Arjunwad, Tal, Shirol, Distt. Kolhapur.	1-11-1996
22.	MH/KP/100085	M/s. Ghogarai Nagari Sha Pat Sanstha Ltd., Padli, Tal, Hatkanangle, Distt. Kolhapur.	1-3-1997
23.	MH/42674	M/s. Rochem Separation Systems (India) Pvt. Ltd., 401/402, Lavlish Court C.T.S. Plot No. F-1412 Pandit Varde Road, Bandra(W), Mumbai-400050.	1-7-1996
24.	MH/42550	M/s. Venus Petrochemicals (Bombay) Pvt. Ltd., 27, 1st Floor, Minerva Comp, D. Sewree Sewreebunderd Sewree (East), Mumbai-400015.	1-10-1996
25.	MH/NK/50901	M/s. Bhaskarao Glande Patil Industrial Training Institute, Ashok Nagar, Tal. Shrirampur, Ahmednagar-413717.	1-4-1996

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

S. BHATTACHARJEE
Regional Provident Fund Commissioner

No. C.P.F.C. E 1(4)/MH (1608)/97/4802—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No.	Name & address of the establishment	Date of Coverage
1.	MH/42033	M/s. Indian Health Organisation Municipal School Building, J. J. Hospital Compound, Mumbai-400008.	1-4-96
2.	MH/42136	M/s A-I, Enterprises, Unit No. 2, Ground Floor, Creative Industries, Kalina, Santacruz (East), Mumbai-400098.	1-1-96
3.	MH/42479	M/s Ideal Monitoring Reports Pvt Ltd., Alwaral House, 1st Floor, 188 Veer Savara Marg Mahim, Mumbai-400016.	1-8-96
4.	MH/42618	M/s. Sunil Carriers & Traders Pvt. Ltd. 4, Koli Samaji Building, Opp. Sewree Railway Station, Sewree (E), Mumbai-15.	1-4-96
5.	MH/42620	M/s. Poply Gold Plazo, Plot No. 188-A, Turner Road, Bandra (West) Mumbai-400050.	1-4-97
6.	MH/42633	M/s. Anand Petrochem Koli Samaj Bldg. Koli Samaj Building, Sewree (East), Mumbai -400015.	1-4-96
7.	MH/42640	M/s Onshore Construction Co. Pvt. Ltd., Building No. 4 B/106, Powaj Vihar Complex, A-S, Margh, Powaj, Mumbai -76.	1-4-97
8.	MH/42643	M/s. Orient Telematics Pvt. Ltd., C-145, Station Plaza, Station Road, Bhandup Mumbai-400078.	1-4-97
9.	MH/NK/50623	M/s. Ashok Sahakari Sakhar Karkhana Pagardar Nokrandari Sahakari Pat Pedi Ltd, Ashok Nagar Tel. Shri Rampur Dist Ahmednagar,	1-3-94
10.	MH/50762	M/s Moonlight Cement Traders Ltd. Plot No. 43, Shau Nagar Pimprala Road, Jalgaon	1-4-95
11.	MH/NK/50814	M/s. Garud Sahakari Kukkut Palan Vyavasaik Sanstha Ltd., A/P Ghulewadi, Sangamner Sugar Factory, Sangamner, Ahmednagar-422608.	1-4-96
12.	MH/NK/50871	M/s. Bhadgaon Co-op. Fruit sale Society Ltd., Tali Bhadgaon Dist Jalgaon-425105.	1-4-96
13.	MH/NGP/61312	M/s. M.S.E.B. Employees Credit Co-operative Society, Near Mahakli Mandir Udhav wadi, Chandrapur.	31-8-94
14.	MH/60649	M/s. The Vendors Co-operative Society C/o Central Railway Station, Sewagram, Wardha-442001.	1-9-91
15.	MH/61888	M/s M.S.E.B Employees Co-operative Credit Society Ltd., Shramashakti, Opposite Santiji Mandir Sankat Modran Road, Yeotmal, A/P Yeotmal.	1-11-96
16.	MH/61955	M/s. Montfort Higher Secondary School Kemrith Village Bimini P. O. Ballarpur, Chandrapur Dt. (M.S.) 442701.	1-7-96
17.	MH/61969	M/s. Hotel Vijaylaxmi Bar & Restaurant, Saraj ward, Civil Lane, Chandrapur.	1-4-97
18.	MH/42804	M/s Pratap Enterprises Add. M. J. D., Mello House, Route, Marol, Mumbai-400059.	1-3-97
19.	MH/42806	M/s. Karyariddhi Blower System Pvt. Ltd, 9/4/11, Highland Park Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East) Mumbai-400059.	1-6-97

1	2	3	4	5
20.	MH/42809	M/s. Jagdamba Security Service Hill & Dale, 2nd Floor, Near Bandra Police Station, Above Abhyadaya Co-op. Bank, Hill Road, Bandra (West), Mumbai-400050.		1-9-97
21.	MH/42811	M/s. Meco Meters Pvt. Ltd., 301, Bharat Ind. Estate, T. J. Road, Sewree, Mumbai-400015.		1-4-97
22.	MH/61813	M/s. Jiwankar Brother Bazar Chowk Hingna, Dist. Nagpur-441110.		1-4-96
23.	MH/42818	M/s. Bhavin Electricals 10, Pinjara Building, Gaothan Road, Virar (W), Dist. Thane-401303.		1-6-97
24.	MH/42822	M/s. Sethco Engineering & Consultancy Pvt. Ltd., D.C. Silk Mills Compound, 5 Chunawala Estate, Kondivita Road, Andheri, Kurla Road, Mumbai-400059.		1-4-97
25.	MH/42824	M/s. Precision Plastic and Fabrika Inc., Sarita Estate Gala No. 35, Jarimari, Mumbai-400072.		30-5-94
26.	MH/42830	M/s. Ajay Construction, Opp. I.L.T. Main Gate, Gokhale Nagar, Jai Bharat Chawal, Room No. 1, Powai, Mumbai-400076.		25-6-97
27.	MH/42832	M/s. Royal Engineering, 47/371, Transit Camp Reclamation, Near Razvi Garden, Bandra (W), Mumbai-400050.		1-4-97
28.	MH/42845	M/s. Vimal Engineering Works, J-113, 1st Floor, Ansa Industrial Estate, Saki-Vihar Road, Saki-Naka Andheri (E), Mumbai-72.		1-7-97
29.	MH/42846	M/s. Dun And Bradstreet Information Services India Pvt. Ltd., 1st Floor, Saki Vihar Road, Powai, Mumbai-400072.		1-9-97
30.	MH/42851	M/s. Pearl, 239/A-2, Shah & Nahar Indl. Estate, Dhanraj Mills Compound, S. J. Marg, Lower Parel, Mumbai-400013.		1-4-97
31.	MH/42852	M/s. Promise A-2/336, Shah & Nahar Indul. Estate Dhanra, Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel, Mumbai-13.		1-4-97
32.	MH/42870	M/s. Jain Engineering, 64/209, Popat Compound, S. V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai-400102.		1-1-97
33.	MH/42872	M/s. R. J. Manjrekar & Sons, F/150, Madhuvan, J. P. Road, Andheri (W), Mumbai-400053.		1-4-97
34.	MH/50789	M/s. Pratik Agencies, Near Tower, 187, Navi Peth, Jalgaon-425001.		1-4-96
35.	MH/50924	M/s. Jalgaon Merchants Sahakari Bank Ltd., 8, Baliram Peth, M. G. Road, Jalgaon.		1-3-97
36.	MH/NK/50962	M/s. Dudh Ganga Nagari Sahakari Pat Sanstha Maryadit, A/P Sangamner, Dist. Ahmednagar.		1-4-97
37.	Goa/10501	Ajanta Medical (P) Ltd., Plot No. 71, Bethora Industrial Estate, Ponda-Goa 4034001.		1-4-97
38.	MH/Goa/10627	M/s. Caculo Automobiles (P) Ltd., 15, Shanta St. Inez, Panaji-Goa-403001.		1-7-97
39.	MH/Goa/10629	M/s. Vidhit Engineering Services, P. O. Box No. 230, Margao-Goa-403601.		1-8-97

1	2	3	4
40.	MH/39420	M/s. Oscar Print & Allied Pvt. Ltd A-2/263, Shah and Nahar Indl. Estate, S. J. Marg, Lower Parle, Mumbai-400013.	1-4-93
41.	MH/42256	M/s. N.S.D. India Ltd., Hempu Plaza, 1st Floor, Darshrathlal Joshi Marg, Vile Parle (W), Mumbai-56.	1-4-96
42.	MH/42453	M/s. Sheetal Enterprises, Rama Gulab Apartment, Subash Road, Vile Parle (E), Mumbai-57.	1-12-96
43.	MH/42694	M/s. Shree Govind Enterprises, 53, Prabhat Apartment, Subash Road, Vile Parle (E) Mumbai-5400051.	1-6-97
44.	MH/42454	M/s. Eonetta Trading (P) Ltd., 53, Prabhat Apartment, Hanuman Road, Vile Parle (E), Mumbai-57.	1-12-96
45.	MH/40542	M/s. Print A/2, 229 Shah & Nahar Ind. Estate, Lower Parle, S.J. Marg, Mumbai-400013.	31-3-94
46.	MH/40582	M/s. Alpha Offset 380/A-2, Shah & Nahar Indl. Estate, S.J. Marg, Lower Parle, Mumbai-400013.	1-4-94
47.	MH/42589	M/s. Lyka Export Ltd., 77, Nehru Road, Vile Parle (E), Mumbai-99.	1-12-97
48.	MH/42590	M/s. Swanways Corporation, 173/15A, Mohammed Estate Bandra-Kurla, Link Road, Santacruz(E), Mumbai-98.	1-11-96
49.	MH/42693	M/s. Metlok Company, 1/21, Usha Niketan Mahand Marg, Vile Parle (E), Mumbai-57.	1-5-97
50.	MH/42695	M/s. United C.B.N. Inks, (P) Ltd., Vinayak 27, Tejpal Scheme Road No. 5, Vile Parle (E), Mumbai-57.	1-8-96
51.	MH/42763	M/s. Maha Auto Car Agency (P) Ltd., 166, C.S.T. Road, Kalina Santacruz (E), Mumbai-98.	1-12-96
52.	MH/42785	M/s. Elegan Zinteriors (P) Ltd., 1 Shiv Shankar, R.D. Road, Vile Parle (W), Mumbai-56.	1-4-97
53.	MH/42786	M/s. Sriram Associates, Ruby 28-30 Jaishankar Co-op. Housing Society, Sector No. 1, Chadha Nagar, Chembur Mumbai-400089.	1-4-97
54.	MH/42791	M/s. Alok N. Engineers & Contractors, 16, Vaibhav Linking Road, Santacruz (W), Mumbai-54.	1-5-97
55.	MH/42795	M/s. E.M.E.S. Fabrication Pvt. Ltd., Plot No. 81827, Bharat Nagar, Bandra-Kurla Complex, Bandra(E), Mumbai-400051.	2-5-97
56.	MH/42797	M/s. Orion Support Service., New Puram, Union Park Khar, Mumbai-400052.	1-4-97
57.	MH/42801	M/s. Avinash Engineering Works, Mani Bhavan, 3rd Floor, Sion Trombay Road, Chembur, Mumbai-71.	1-4-97
58.	MH/42803	M/s. Tripura Construction, B-2, Goutom Apt. Dadabhai Road, Vile Parle (W), Mumbai-400056.	1-4-97

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, Central Provident Fund commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

S. BHATTACHARJEE
Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi-110066, the 12th March 1998

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/4872.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such

employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which exemption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Asiatic Industrial Gases Ltd., Norasapur Road, P.O. Balanagar-500037.	AP/3344	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dt. 15-11-97	31-1-97	1-2-97 to 31-1-2000	2/3894/DLI/91
2.	M/s. Naveen Diesel P.B. No. 1, Nagar, Cuddapah-516002.	AP/17169	Do. dt. 29-8-97	31-10-97	1-11-97 to 31-10-2000	2/2411/DLI/90
3.	M/s. Usha Kiran Movies 1-10-76, Fair Field Begumpet, Hyderabad-500016.	AP/Hy/16953	Do. dt. 7-1-93	31-1-93	1-2-93 to 31-1-96 1-2-96 to 31-1-99	2/4347/DLI/92
4.	M/s. Standard Medical and Pharmaceuticals Ltd., 6-3-152, Kantilya Somajiguda, Hyderabad-500082 alongwith its branches.	AP/16379	Do. dt. 25-10-96	30-9-96	1-10-96 to 30-9-99	2/3243/DLI/90
5.	M/s. Pinakini Beverages Pvt. Ltd., Gudipallipadu-524314, Nellore Dist. A.P.	AP/16946	Do. dt. 13-8-97	31-7-97	1-8-97 to 31-7-2000	2/2145/DLI/90
6.	M/s. Pioneer Spinning and Weaving Mills Ltd., P.B. No. 27, Puttur-517583 Chittoor Dist., A.P.	AP/14122	Do. dt. 30-9-97	31-12-97	1-1-98 to 31-12-2000	1/43/DLI/96
7.	M/s. L.V. Prasad Eye Institute, Road No. 2, Banjara Hills, Hyderabad-500034.	AP/Hy/18482	Do. dt. 13-8-97	31-7-96	1-3-96 to 31-7-99	2/4470/DLI/92
8.	M/s. Sri Satya Sai Institute of Higher Medical Sciences, Prashanti gram-515134, Anantapur Dist. A.P.	AP/25594	Do. dt. 14-8-97	31-10-97	1-11-97 to 31-10-2000	1/64/DLI/97
9.	M/s. The India Cements Ltd, P.O. Chilamkur-516310, Dist., A.P.	AP/20079	Do. dt. 13-8-97	31-12-97	1-1-98 to 31-12-2000	2/4401/DLI/92
10.	M/s. Upper India Steel Manufacturing & Engg. Company Ltd., 51-54, Indl. Development Area, Gujalamandyam-517520.	AP/18001	Do. dt. 29-8-97	28-2-98	1-3-98 to 28-2-2001	2/4867/DLI/93
11.	M/s. Kasi Combines Engg. Pvt. Ltd., B-14, T.I.E. Phase-II, Balanagar, Hyderabad-500037.	AP/19737	Do. dt. 25-1-96	30-9-95	1-10-95 to 30-9-98	2/1/DLI/95
12.	M/s. Hyderabad Industries Ltd., Sanatnagar, Hyderabad-500018.	AP/154	Do. dt. 25-1-96	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/21/DLI/95
13.	M/s. The Andara Pradesh Bank Formess Service Co. op. Society Ltd., Takulapally, H. No. 11-2-77/1, Balanagar Balanagar, Khamman, A.P.-507001.	AP/18254	Do. dt. 27-9-95	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/3867/DLI/94

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the period approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

S. BHATTACHARJEE

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/P.I/4891.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the GROUP Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Punjab from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE — I

S. No.	Name & Address of the Establishments	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F. C's. File No.
1	2	3	4	5
01.	M/s. XEN D/S Division, Punjab State Electricity Board, Nawan hahar-144514	PN/2514	01-07-1993 to 30-06-1996 & 01-07-1996 to 30-06-1999	12/27/97/DLI
02.	M/s Sandeep Industries, 25, Neti Subhash Road, Near K. N. V. College, Jalandhar-144004	PN/5412	01-03-1997 to 29-02-2000	12/28/97/DLI
03.	M/s. N. C. Model Senior Sec. School, Jalandhar Cantt.	PN/9492	01-01-1997 to 31-12-1999	12/29/97 DLI

1	2	3	4	5
04.	M/s. Railtech (Regd. Office at Mahavir Marg.), Kapurthala	PN/17044	01-12-1996 to 30-11-1999	12/30/97/DLI
05.	M/s. Gripwell Forgings and Tools A-I Focal Point, Jalandhar.	PN/17199	01-11-1996 to 31-10-1999	12/31/97/DLI
06.	M/s. Aman Machine Tools (P) Ltd., G. T. Road, Mandi Gobindgarh, Punjab.	PN/14357	01-07-1995 to 30-06-1998	12/13/97/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the scheme be less than the amount that should be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

S. BHATTACHARJEE
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/959/DLI/Exemp./89/Pt.I/4903.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the RPFC Punjab from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE — I

S. No.	Name & Address of the establishments	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F. C's. File No.
01.	M/s. Super Steel Trading Co. Amloh Road, Mandi Gobindgarh, (Punjab).	PN/2857	01-03-1995 to 28-02-1998	12/12/97/PN/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in this establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefit available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that should be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s) Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

S. BHATTACHARJEE
Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi, the 17th March 1998

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/4910.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE I

Sl. No.	Name & Address of the Estt. English	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was Granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Puri Gramya Bank, H.O. Pipilli Distt, Puri-752104 Orissa.	OR/1371	2/1959/DLI/Exmp./89/ Pt. II Dated 8-7-93	30-10-91	31-10-91 30-10-94 and 31-10-94 to 30-10-97	2/5073/93/DLI
2.	M/s. Radiant Electronics Ltd. A-129, Manoheswar Industrial Estate, Bhubaneswar-751010.	OR/3279	2/1959/DLI/Exmp./89/ Pt. II Dated 29-3-93	31-1-92	1-2-92 to 31-1-95 and 1-2-95 to 31-1-98	2/4523/92/DLI
3.	M/s. Orissa Shrimp Seed Production Supply and Research Centre, Gopalpur on Sea, Distt. Ganjam-761002.	OR/4221	2/1959/DLI/Exmp./89/ Pt. II Dated 1-2-94	31-8-95	1-9-95 to 31-8-98	2/5387/93/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before given his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

S. BHATTACHARJEE
Regional Provident Fund Commissioner

UNIT TRUST OF INDIA

The 5th March 1998

UT/DBDM/R-104/SPD71T/97-98.—The Offer Document of the Monthly Income Plan 1998 formulated under section 19 (1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) in relation to the unit scheme, the Monthly Income Scheme 1998 made under section 21 of the said Act approved in the Executive Committee Meeting held on 22-12-1997 is published herebelow.

A. G. JOSHI
General Manager
Business Development & Marketing

UNIT TRUST OF INDIA
MONTHLY INCOME PLAN 1998
OFFER DOCUMENT

Offer open from January 28, 1998 to March 13, 1998

The Monthly Income Plan 1998 has been formulated under section 19 (1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act 1963 (52 of 1963), in relation to the unit scheme, the Monthly Income Scheme 1998 made under section 21 of the said Act by the Board of Trustees of UTI.

The plan particulars have been prepared in accordance with Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, and the units offered for public subscription have not been approved or disapproved by the SEBI, nor has the SEBI certified on the accuracy or adequacy of the Offer Document.

Plan Objective

This is an income oriented Plan. The Plan aims at meeting the needs of investors by providing regular income on a monthly/annual basis or cumulation of income over a period of 5 years.

Highlights

A five year close ended plan.

Open to resident and non-resident adult individuals/mentally handicapped persons/minors/HUFs/Trusts/Societies/Regd. Co-operative Societies/Bodies Corporate including Companies and Banks/Overseas Corporate Bodies (OCBs)/Army/Navy/Air Force/Paramilitary Funds/Partnership Firms.

The plan offers three options : (1) Monthly Income Option (2) Annual Income Option & (3) Cumulative Option.

The Trust shall pay an assured income @12.50% p.a. payable monthly under monthly income option (yield 13.24%) and @ 13.24% p.a. payable annually under annual income option, for all the five years of the plan. Under the Monthly Income Option, income distribution warrants for the period upto March 1999 will be sent alongwith the membership advice/unit certificate. Thereafter income warrants payable monthly will be sent in advance for every April—March period. For receiving full year's income distribution the investor should hold the units for a full year.

Under the Annual Income Option, the first income distribution warrant for the period April, 1998 to March, 1999 (dated 31st March 1999) will be sent in the month of March 1999. Thereafter income distribution warrants for every April—March period will be sent in March. However, depending upon the date of investment, the investor will be compensated @ 12.50 p.a. upto 31st March 98 to the extent applicable to members under the monthly income option, by means of cheque which will be sent alongwith the membership advice/unit certificate.

Under the Cumulative Option Rs. 5,000/- will atleast become Rs. 9310/- on maturity (yield 13.24%). However for income above Rs. 10,000/- in a year, tax is deductible at source as per Income Tax Act, 1961.

Repurchase allowed from 1st April, 2001 at NAV based repurchase price under all the three options.

Scheme shall be listed on the wholesale debt segment of the NSE within six months from the closure of subscription.

It is guaranteed that the capital invested in the scheme will be protected on maturity i.e. units will not be redeemed below par. There is no such guarantee for premature repurchases and the repurchase price in such cases will be as per prevailing NAV.

There is scope for capital appreciation as a part of investment will be in equities.

* Income and Repurchase/Redemption proceeds for NRIs and OCBs are fully repatriable, where the investment is made by remittances from abroad or by debit to the NRE account or by cheque/draft issued from proceeds of FCNR deposits.

* Tax benefits U/S 80L and U/S 48 & 112 of Income Tax Act, 1961 on income distributed and capital gains from capital appreciation.

* Capital gains tax exemption U/S. 54EA of the Income Tax Act, 1961 subject to lock-in for three years from the date of acceptance.

Special attention of investors is invited to the highlights on income distribution repurchase and listing indicated in the above paragraph in bold fonts.

Risk Factors

* There is no guarantee of protection of capital for premature repurchases and the repurchase price in such cases will depend on the NAV.

* Investments in units of the Plan are subject to market risks and the NAV of the Plan may go up or down depending on the influence of market forces on the plan's portfolio.

* Performance of the previous schemes/plans is not necessarily an indication of future results.

* Monthly Income Plan 1998 is only the name of the Plan and does not in any manner indicate the quality of the Plan. Investors are urged to study the terms of the offer carefully before they invest in the Plan.

Management's perception of Risk Factors

* The Trust has been in operation for over 33 years and has built up expertise in managing funds of around Rs. 58,000 crores from over 50 million investors. UTI has never failed to meet the return assured in the previous assured income schemes. UTI is satisfied about the sufficiency of resources available to meet such assured return in future. Table indicating performance of thirty eight Monthly Income Plans of the Trust launched till date is given on page number 19.

Constitution of UTI

Unit Trust of India was set up as a statutory body under UTI Act, 1963 with a view to encouraging saving and investment and participation in the income, profits and gains accruing to the Trust from the acquisition, holding, management and disposal of securities. It started functioning with effect from 1st July, 1964.

Management of UTI

The Management of the affairs and business of the Trust are vested in the Board of Trustees with a full time chairman appointed by the Government of India.

Besides the Board, there is a statutory Executive Committee comprising the Chairman, the Executive Trustee and two other Trustees nominated by the Industrial Development Bank of India. This Committee is competent to deal with any matter within the competence of the Board.

Board of Trustees

1. Shri G P Gupta—Chairman
Unit Trust of India
2. Dr. P J Nayak—Executive Trustee
Unit Trust of India
3. Shri S H Khan—Chairman
Industrial Development Bank of India
4. N S Sekhsaria—Managing Director
Gujarat Ambuja Cements Ltd.
5. Shri P R Khanna—Chartered Accountant
Chairman, L.I.C.
6. Shri G Krishnamurthy—Chairman, L.I.C.

7. Shri M S Verma—Chairman, S.B.I.

8. Shri N Vaghul—Chairman, ICICI Ltd.

9. Shri Rashid Jilani—Chairman & Managing Director, Punjab National Bank.

DETAILS OF THE MONTHLY INCOME SCHEME 1998 [MIS '98]

I. Short Title and Commencement :

(1) This Scheme shall be called the Monthly Income Scheme 1998 [MIS '98].

(2) The Scheme shall be for a period of five years i.e. from 1st April, 1998 to 31st March, 2003.

(3) Units will be on sale from 28th January, 1998 to 13th March, 1998 for 45 days.

Provided, however the Executive Committee of the Board of Trustees of the Unit Trust/Chairman may suspend the sale of units under the Scheme at any time in circumstances like war, disruption of trading in Stock Exchanges and other socio-economic factors after giving 7 days notice in newspapers or in such other manner as may be decided by the Unit Trust.

II. Definitions :

In this scheme and plan made thereunder unless the context otherwise requires :

- (a) "Acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is in order, accepts the same.
- (b) The "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963).
- (c) "Alternate applicant" in case of minor means the parent other than the parent who has made the application on behalf of minor.
- (d) "Applicant" means a person who is eligible to participate in the scheme and plan made thereunder who is not a minor and shall include the alternate applicant mentioned in the application form when units are sold for the benefit of a mentally handicapped person and makes an application under Clause III of the Plan.
- (e) "Eligible institution" means an eligible trust as defined in the Unit Trust of India General Regulations 1964.
- (f) "Firm", "partner" and "partnership" have the meanings assigned to them in the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932), but the expression partner shall also include any person who being a minor is admitted to the benefits of the partnership.
- (g) "Listed" means the listing of units for the purpose of trading on the wholesale debt segment of the NSE.
- (h) "Member" used as an expression under the Scheme and Plan made thereunder shall mean and include the applicant who has been allotted units under the Scheme.
- (i) "Mentally handicapped person" means any individual who suffers from mental disability of such a nature which prevents him from carrying out normal activities of life.
- (j) "Non Resident Indian (NRI)", means Non Residents of Indian nationality/origin. A person shall be deemed to be "person of Indian origin" if he/she or either of his parents or any of the grandparents, however high in degree or ascent, whether of paternal side or maternal side, was born in India, as defined in the Government of India Act, 1935, as originally enacted.
- (k) "Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.

- (l) "Overseas Corporate Bodies (OCBs)", include overseas companies, partnership firms, societies and other corporate bodies which are owned, directly or indirectly, to the extent of at least 60% by individuals of Indian nationality or origin resident outside India as also overseas trust in which at least 60% of the beneficial interest is irrevocably held by such persons.
- (m) "Person" shall include an eligible institution as defined above.
- (n) "Registrars" means a person whose services may be retained by the Trust to act as the Registrars under the Scheme from time to time.
- (o) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43(1) of the Act.
- (p) "SEBI" means the Securities and Exchange Board of India set up under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992).
- (q) "Society" means a society established under the Societies Registration Act of 1860 or any other society established under any State or Central law for the time being in force.
- (r) "Trading" means the dealing in by buying or selling units through the wholesale debt segment of the National Stock Exchange (NSE) after the first allotment of units.
- (s) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.
- (t) "Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being.
- (u) "Unit Trust" or "Trust" means the Unit Trust of India established under Section 3 of the Act.
- (v) All other expressions not defined herein but defined in the Act/Regulations shall have the respective meanings assigned to them by the Act/Regulations.
- (w) Words importing singular shall include the plural and all reference to masculine gender shall include the feminine and vice versa. The other provisions of the scheme are available from page No. 11 to page No. 15.

DETAILS OF THE MONTHLY INCOME PLAN 1998 [MIP '98] FORMULATED UNDER THE MONTHLY INCOME SCHEME 1998 [MIS '98] ARE GIVEN HEREAFTER.

I. Definitions :

The words not defined in the Plan and defined in the Scheme and the Act/Regulations shall have the respective meanings assigned to them in the Scheme/Act/Regulations.

II. Face value of each unit :

The face value of each unit issued under the scheme shall be ten rupees.

III. Application for units :

- (1) Application for units may be made by residents and also non residents.

Residents

- (a) individuals either singly or jointly with another or upto two other individuals.
- (b) Father/Mother/Step-parent/Lawful Guardian on behalf of a resident minor. An application cannot be made by an adult and minor jointly.
- (c) an eligible institution as defined under the scheme including Private Trust being irrevocable trust and created by an instrument in writing.
- (d) an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person.
- (e) a society as defined under the scheme.
- (f) a registered co-operative society.
- (g) other bodies corporate including companies formed under the Companies Act, 1956 and Banks.

(h) Hindu Undivided Family.

(i) Army/Navy/Air Force/Paramilitary Funds.

(j) A partnership firm.

Non-Residents

On fully repatriable basis by :

(a) Non-resident adult individuals either singly or jointly with another or upto two other individuals.

(b) Father/Mother/Step-parent/Lawful Guardian on behalf of Non-resident minor.

(c) Non-Resident HUF.

(d) Non-resident Company/Overseas Corporate Bodies owned by NRIs to the extent of atleast 60%.

(2) An application by a partnership firm shall be made by not more than three members of the firm and the first named person shall be recognised by the Trust for all practical purposes as the member.

(3) Application shall be made in such form as may be approved by the Chairman/Executive Trustee of the Trust.

IV. Minimum amount of investment

Application shall be made for a minimum of Rs. 10,000/- under the monthly and annual income options and for a minimum of Rs. 5,000/- under the cumulative option. There will be no maximum limit. For investments not in multiple of Rs. 10/-, units will be allotted in fraction upto three places after the decimal. In case of investment of Rs. 50,000/- and above, the investor is advised to furnish income Tax P.A.N./G.I.R. number and IT Circle address if he/she is having so.

V. Minimum target amount to be raised

Amount of Rs. 100 crores is targeted to be raised under the scheme. Oversubscription, if any, will be retained by the Trust in full.

The Trust shall by A/C payee cheque/refund order refund not later than six weeks from the date of closure of the sale of units under the scheme the entire amount collected under the scheme, if the said targeted amount of Rs. 100 crores is not subscribed.

In the event of failure to refund the amounts within the period stipulated above, the Trust shall be liable to pay interest to the applicants @ 15% per annum on the expiry of six weeks from the date of closure of the sale of units.

VI. Limitation on expenses :

Initial issue expenses shall not exceed 6% of the funds raised under the Scheme. Initial issue expenses of the Scheme is estimated to be as under :

Expenses	%
Printing & Postage	1.50
Publicity & Marketing	1.75
Commission to agent	1.50
Registrars Charges	0.50
Bank Charges	0.25
Stamp fees	0.50
Total	6.00

Thus for every Rupee invested by an investor not less than 94 paise will be invested in the Scheme.

In addition to the initial issue expenses, the following expenses will be charged to the scheme on a recurring basis. Estimated recurring expenses are as under :

Expenses	%
Administrative Expenses	0.90
Custodial Fees	0.50
Development Reserve Fund	0.25
Staff Welfare Trust	0.10
Registrars Fees	0.50
Total	2.25

The above expenses are estimates and are subject to change inter se as per actual expenses incurred. However the total expenses would be within the limit of 6% of the funds collected for initial issue expenses, in accordance with SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

The total annual recurring expenses of the scheme excluding initial issue expenses and redemption expenses but including administrative expenses, contribution to Development Reserve Fund and Staff Welfare Trust shall be subject to the following limits :

- On the first Rs. 100 crores of the average monthly net assets—2.25%
- On the next Rs. 300 crores of the average monthly net assets—2.00%
- On the next Rs. 300 crores of the average monthly net assets—1.75%
- On the balance of the assets—1.50%.

Administrative expenses, contribution to Development Reserve Fund and contribution to Staff Welfare Trust will not exceed the limits specified under clause 2 of regulation 52 of SEBI (MFs) Regulations, 1996, namely :

- One and quarter of one percent of the monthly average net assets outstanding in each accounting year for the scheme as long as the net assets do not exceed Rs. 100 crores, and
- One percent of the excess amount over Rs. 100 crores, where net assets so calculated exceed Rs. 100 crores.

UTI does not charge any investment management and advisory fees as provided in the SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996. However, UTI will ensure that the initial issue expenses and the annual recurring expenses shall remain within the limits specified under regulation 52 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

VII. Mode of Payment

- The payment for units by an applicant shall be made by him alongwith the application in cash, cheque or draft. Where applications are submitted at UTI branch offices, cheques or drafts should be drawn on branches of banks within the city where the UTI branch office at which the application is tendered is situated.

Provided, however, that the applicant who wishes to apply from a place other than where the Trust has its branch office/collection centre/franchise office may do so by sending the application to the branch office of the Trust along with the bank draft after deducting therefrom charges payable for bank draft as per guidelines of Indian Banks Association. The collection centres/franchise offices are authorised to accept applications alongwith cheque payable locally or demand draft payable at places upto which the scheme is decentralised in which case the applicant may deduct charges as per the guidelines of Indian Banks Association, e.g. if the application amount is Rs. 10,000 the bank draft charges for this amount is Rs. 20/-. Thus the draft can be prepared for Rs. 9,980/- (i.e. Rs. 10,000/- less Rs. 20/-). The draft commission charges will form a part of the initial issue expenses of the Plan.

However, in case of applications received along with local bank draft where the Trust has its branch office/collection centre/franchise office bank draft commission will have to be borne by the investor.

- (ii) If the payment is made by cheque, the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the application is received by the branch office of the Trust or authorised collection centre.

If payment is made by draft, the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date of issue of such draft, provided, the application is received by the branch office of the Trust or authorised collection centre within 7 days from the date of issue of draft. If the application amount is less than the minimum investment under the plan, the entire amount shall be refunded to the applicant at his cost in such manner as the Trust may deem fit.

- (iii) Mode of Investment with repatriation benefits:

The investments by NRIs/OCBs shall carry the right of repatriation of capital invested and income earned thereon and capital appreciation (if applicable), as long as the investor continues to be resident outside India. Investment in these cases can be made through one of the following modes:

- Draft in foreign currency.
- Draft in rupees issued in favour of UTI by foreign banks/Exchange House drawn on their Indian correspondent banks.
- By cheque drawn on investor's NRE account maintained with a Bank in India.
- By cheque/draft issued from the proceeds of FCNR deposits.

Further, payment in Nepalese and Bhutanese currencies are not accepted. Investment in units is made in rupees, all foreign currency drafts are converted into Indian rupees at the rate of exchange ruling at the time of such conversion. Shortfall, if any, will have to be remitted by NRI investors.

In view of the above it is advisable that NRI/OCB investors make payment by instruments mentioned at (b) & (c) above.

- (iv) Mode of investment without repatriation benefits:

Where funds held in NRO accounts are utilised for purchase of units, the funds so invested and capital appreciation (if applicable), will not qualify for repatriation out of India.

However as per RBI circular A.D. (M.A. Series) No. 18 dated August 19, 1994 the entire income earned thereon during the financial year 1996-97 and onwards will qualify for full repatriation.

While in such cases UTI will make payment in Rupees for credit to NRO A/C, investors are advised to contact their banks/Tax consultants if they desire remittance of income on units.

- (2) (a) Right of the Trust to accept or reject application:

The Trust shall have the right at its sole discretion to accept and/or reject application for issue of units under the Scheme and the Plan made thereunder. The Trust shall reject an application for issue of units in the following circumstances:

- the application is received with less than the minimum investment of Rs. 10,000/- or Rs. 5,000/- as the case may be.
- the application has not been signed by the first applicant, and
- the applicant is not eligible to invest in the scheme. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make an application under

the Scheme and the Plan made thereunder shall be final.

- (b) Incomplete Application Liable for Rejection:

In case the application is found to be incomplete, the same will be liable for rejection and refund of such application money will be made by the Trust as soon as possible without incurring any liability whatsoever for interest or other sum. Refund will be made after compliance of requisite operational and procedural formalities.

- (3) Applicant to comply with requirements under the Scheme and the Plan made thereunder before being issued units:

Persons applying for units under the Scheme and the Plan made thereunder shall satisfy the Trust about their eligibility to make an application and comply with all requirements of the Trust, such as Trust deed. Resolution by the Managing Body to buy units in case of application from Trusts, Birth Certificate in case of application on behalf of minor, certified copy of partnership deed in case of application on behalf of partnership firms etc. depending on the category of the investors. The compliance or otherwise to the satisfaction of the Trust of such requirements shall be at the sole discretion of the Trust.

Person who holds units under a false declaration shall be liable to have the membership cancelled and the name deleted from the register of members.

The Trust shall have the right in such an event to repurchase the units at par after deduction of 25% as penalty or at such price as may be decided by the Trust, and recover the Income Distribution wrongly paid from out of the repurchase proceeds and return the balance.

The amount shall not carry any interest irrespective of the period it takes the Trust to effect the repurchase and to remit the repurchase proceeds to the applicant.

VIII. Sale of units:

The sale price of units during the period of offer shall be at par. The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall as soon thereafter as possible, issue to the applicant Membership Advice/Unit Certificate at his option. A Membership Advice/Unit Certificate issued by the Trust to the eligible institution, firm or body corporate shall be made out in the name of the eligible institution/firm/body corporate. The Trust shall not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the Membership Advice/Unit Certificate so sent.

The Trust shall send the Membership Advice/Unit Certificate not later than 6 weeks from the date of closure of sale of units under the Plan.

IX. Repurchase of units:

- Repurchases under the plan will commence after three years from the date of commencement of the plan i.e. from 1st April, 2001 under all the three options. There shall be no repurchase during the first three years of the Scheme and Plan made thereunder except for settlement of death claim cases. The repurchase price will be based on the NAV of units (on historic basis) and shall be issued to the press for publication six months from the date of commencement of the plan i.e. on 1-10-1998 and on a quarterly basis thereafter till 31-3-2001. From 1-4-2001 the repurchase price will be announced at intervals of not more than one month. The repurchase price valid for a month is based on the NAV determined on the last valuation day of the preceding month.

Further, as a portion of the investments will be made in equities, there is scope for capital appreciation.

(2) Monthly Income option :

The Trust will offer to repurchase the units after three years from the date of commencement of the Scheme and the Plan made thereunder. Repurchase price will be based on historic NAV and shall be issued to the press for publication after six months from the date of commencement of the plan i.e. on 01-10-98 and on a quarterly basis thereafter till 31-03-2001. From 01-04-2001 the repurchase price will be announced at intervals of not more than one month. While calculating the repurchase price the Trust shall be at liberty to deduct administrative cost and other charges not exceeding 5% of the NAV per unit. Repurchase will be effected on receipt of the Membership Advice alongwith a request letter on plain paper duly signed by all the holders and duly witnessed by another person giving his name, occupation and address/Unit Certificate duly discharged. Partial repurchase shall be permitted subject to the member maintaining a minimum balance of Rs. 10,000/- (face value). The member while making an application for repurchase shall be bound to surrender all the unencashed Income Distribution Warrants remaining outstanding subsequent to and inclusive of the month of repurchase to the Trust.

In the event of repurchase in full the Trust shall not on accepting the Membership Advice along with the request letter for repurchase/Unit Certificate duly discharged be bound to pay any Income Distribution on the units for the month of acceptance or future months nor shall any interest be payable on the repurchase proceeds.

All the documents and the unencashed Income Distribution Warrants if any, received shall be retained by the Trust for cancellation.

In the event of partial repurchase, depending on the number of units retained by him, the member shall be issued a fresh membership advice/unit certificate and a fresh set of income distribution warrants for the remaining period including the month of acceptance. No interest shall be payable on the repurchase proceeds.

- (3) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clauses, the Trust shall be at liberty while repurchasing the units, in the event of failure of the member to surrender the Income Distribution Warrants which are then outstanding to deduct from the repurchase proceeds such amount representing the amount of the Income Distribution Warrant payable in future as have not been surrendered and pay the balance to the member. On acceptance of the Membership Advice and the request letter for repurchase/Unit Certificate duly discharged by the Trust, and in the event of full repurchase, the members' right to receive future Income Distribution including the Income Distribution for the month of acceptance will cease and the Trust shall have a claim on the amount represented by such outstanding Income Distribution.

- (4) A member to be entitled to a full year's Income Distribution paid out on a monthly basis should have held the units for a full year. A member who holds units for a part of the year shall be entitled to receive proportionate Income Distribution for the period of holding which shall always be full English Calendar months of holding, part of a month of whatever length being always ignored.

- (5) In the event of the death of the member/s and on surrender to the Trust by the legal representative or nominee of the Membership Advice/Unit Certificate, the request letter for repurchase and the unencashed Income Distribution Warrants outstanding to the deceased member, the Trust shall on compliance with the requirements laid down in

connection with the recognition of claim, repurchase the units in the manner prescribed in sub clause (2) and (3) hereinabove in accordance with such rules and guidelines as may be formulated by the Trust and pay the outstanding proportionate monthly income distribution upto the date of settlement of the claim.

(6) Annual & Cumulative Options

The Trust shall in case of units issued under Annual and Cumulative Options offer to repurchase the units after three years from the date of commencement of the scheme and the plan made thereunder i.e. from 1st April 2001. Repurchase prices will be based on historic NAVs and shall be issued to the press for publication after six months from the date of commencement of the plan i.e. on 1-10-98 and on a quarterly basis thereafter till 31-3-2001. From 1-4-2001 the repurchase price will be announced at intervals of not more than one month. While calculating the repurchase price the Trust shall be at liberty to deduct administrative cost and other charges not exceeding 5% of the NAV per unit.

Partial repurchase will be permitted subject to the member maintaining a minimum balance of Rs. 10,000/- (face value) under the annual income option and Rs. 5,000/- (face value) under the cumulative option.

- (7) Payment for units repurchased by the Trust after the deductions, if any, shall be made within 10 working days (provided the application is in order) from the date of receipt of the membership advice alongwith the request letter for repurchase/unit certificate duly discharged and dividend warrants if any at the centre where the repurchase requests are processed.

No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

- (8) In case of non-resident investors, repurchase proceeds will be remitted depending upon the source of investment as follows :

- (a) When units have been purchased from remittance in foreign exchange from abroad/by cheque/draft issued from proceeds of member's FCNR deposit or from funds held in member's Non-Resident (External) Account kept in India, the proceeds can be remitted to the member in foreign currency (any exchange rate fluctuation will be borne by the member) or can be sent to the member's relative in India for crediting the member's Non-Resident (External) Account provided he continues to be resident abroad. It can also be sent for crediting to his Non-Resident (Ordinary) Account if desired by the member.

- (b) When units have been purchased from funds held in member's Non-Resident (Ordinary) Account, the proceeds will be sent to the member's relative in India for crediting to the member's Non-Resident (Ordinary) Account.

X. Restrictions on repurchase of units :

Notwithstanding anything contained in any provision of the Scheme and the Plan made thereunder, the Trust shall not be under any obligation to repurchase units :

- (i) on such days as are not working days; and
- (ii) during the period (as notified by the Trust) when the register of members is closed for any purpose as notified by the Trust.

Explanation : For the purpose of this Scheme and the Plan made thereunder the term "working day" shall mean a day which has not been either.

- (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Trust has its offices; or

- (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will be closed.

XI. Listing:

The units issued under the scheme shall be listed on the wholesale debt segment of NSE within six months from the date of closure of subscription. An application for listing shall be made to NSE immediately on receipt of the approval of the scheme from SEBI as per Regulation 32 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

XII. Membership Advice/Unit Certificate:

The Trust shall issue Membership Advice/Unit Certificate at the option of the member.

A unit certificate is transferable while a membership advice is not. Both are however equally valid evidence of admission of the investor into the plan. Investors may choose to receive either a membership advice or a unit certificate by ticking at the appropriate place in the application form. Generally investors who may wish to transact in the stock exchange on listing the scheme may opt for unit certificate. However, if no preference is indicated in the application form the investor will be sent a membership advice.

The non resident Indian may choose any one of the following modes of despatch of Membership Advice/Unit Certificate:

- (a) At the applicant's Indian/Foreign address

OR

- (b) At the applicant's relative's address in India.

XIII. Manner of preparation of Membership Advice and Unit Certificate:

The Membership Advice and Unit Certificate shall be in such form as may be decided by the Executive Director of the Trust.

The Unit Certificate may be engraved or lithographed or printed as the Board may from time to time determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Unit Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No Unit Certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon may have ceased to be a person authorised to sign unit certificates on behalf of the Unit Trust.

Provided that should the Unit Certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the Certificate, the Unit Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the Certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The Unit Certificate so issued shall also be valid.

XIV. Exchange of Membership Advice/Unit Certificate and procedure when Membership Advice/Unit Certificate is mutilated, defaced, lost etc.

Membership Advice

For the purpose aforesaid the member under the Scheme and the Plan made thereunder shall follow such rules, guidelines/procedures and execute such documents as would be formulated/required by the Trust from time to time.

Unit Certificate

In case any Unit Certificate shall be mutilated or worn out or defaced, the Unit Trust at its discretion, may issue to the person entitled a new Unit Certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or defaced Unit Certificate. In case any Unit Certificate should be lost, stolen or destroyed, the Unit Trust may, at its discretion, issue to the person entitled a new Unit Certificate in lieu thereof.

No such new Unit Certificate shall be issued unless the applicant shall previously have:

- (i) furnished to the Unit Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement, loss, theft or destruction of the original Unit Certificate.
- (ii) (in case of mutilation or wearing out or defacement) tion of the facts;
- (iii) (in case of mutilation or wearing out or defacement) produced and surrendered to the Unit Trust the mutilated or worn out or defaced Unit Certificate, and
- (iv) furnished to the Unit Trust such indemnity as it may require.

The Trust shall not incur any liability for issuing such Certificate in good faith under the provisions of this clause. Notwithstanding the above, the member under the scheme shall follow such rules/guidelines/procedures and execute such documents as would be formulated/required by the Trust from time to time.

XV. Register of members:

The following provisions shall have effect with regard to the registration of members—

- (1) A register of the members shall be kept by the Trust and there shall be entered in the register inter alia:
 - (a) the names and addresses of the members;
 - (b) the number of the Membership Advice/Unit Certificate and the number of units held by every such person; and
 - (c) the date on which such person became the holder of the units standing in his name.
- (2) Any change of name or address on the part of any member shall notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall after the register accordingly. Any change pursuant to the death of an applicant who had applied for units for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person shall be entered in the register accordingly.
- (3) Except when the registers are closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any member without charge and in connection with his own investment.
- (4) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 45 days in any one year. The Trust shall give notice of such closure by advertisement in newspapers or other media.
- (5) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

XVI. Application by and registration of eligible institutions, minors, an applicant for the benefit of a mentally handicapped person etc:

- (1) Eligible institutions, body corporate, and societies (including co-operative societies) may be registered as members.
- (2) An adult, being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor may hold units and deal with them in accordance with and to the extent provided. In sub-section (2A) of Section 21 of the Act. Such adult if so required shall furnish to the Trust, in such manner as may be specified, proof of the age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minor. The Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof.

- (3) Where an application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the Trust shall act on the statements furnished and in doing so the Trust shall be deemed to be acting in good faith. The Trust shall be entitled to deal only with the applicant and in the event of his death, the alternate applicant for all practical purposes and any payment in respect of the units by the Trust to the said applicant or the alternate applicant shall be a good discharge to the Trust.
- (4) Eligible institutions, bodies corporate or societies shall whenever required submit to the Trust all the relevant documents showing the applicants' competence to invest in units, such as Memorandum and articles of association, Bye-laws etc. an authorised copy of the resolution by the managing body etc. authorising investment in units and a copy of the requisite Power of Attorney.
- (5) A firm shall be registered as a member and the membership advice/unit certificate shall be made in the name of the firm.

XVII. Receipt by member to discharge Trust:

The receipt of the member for any moneys paid to him in respect of the units represented by the Scheme and the Plan made thereunder shall be a good discharge to the Trust.

XVIII. Nomination by members:

- (1) Nomination facility is available only for individuals applying on their own behalf i.e. singly or jointly upto two. Applicants can nominate one person. Minors and Non-Resident Indians can also be nominated. Non-Resident Indians can be nominated as per the guidelines issued by the RBI from time to time. Applicant can change the nomination at any time during the currency of the plan.
- (2) Members being either parent or lawful guardian on behalf of a minor and an eligible institution, societies, bodies corporate, HUF, partnership firms and an applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person shall have no right to make any nomination.

Other provisions will be to the extent provided in the regulations.

XIX. Death of a member:

- (1) In case of death of either of the joint members of units, the survivor(s) shall be the only person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the scheme and plan made thereunder.

Provided that nothing herein contained shall affect any right which any other person may have as against such survivor in respect of the said units.

- (2) In the event of death of a single member, the nominee shall be the person recognised by the Trust as the person entitled to the amount payable by the Trust in respect of units.
- (3) In the absence of a valid nomination by a single member, the executor or administrators of the deceased member or a holder of succession certificate issued under part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the units.
- (4) Any person becoming entitled to the units consequent upon the death of a member(s) may, upon producing such evidence as to his title as the

Trust shall consider sufficient, to be paid the repurchase value of all units to the credit of the deceased after all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.

- (5) In the event the nominee/legal heir is a person eligible to hold units then at the desire of the said nominee/legal heir, the nominee/legal heir may instead of receiving the repurchase value of all units to the credit of the deceased shall be permitted to hold the units as a member and continue to remain registered as a member and shall be issued a Membership Advice/Unit Certificate in his name indicating units so desired to be held subject to the conditions regarding minimum holdings.
- (6) In the event of the death of the applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person, the Trust shall deal with the alternate applicant as if he were the applicant. Further, in the event of the death of the applicant or the alternate applicant, as the case may be, the existing applicant shall appoint another individual as his alternate applicant.

- (7) In the event of death of a single member during the lock-in-period the Trust shall settle the claim after compliance with necessary formalities and pay the legal heir/nominee the repurchase value as detailed in the relevant clause(s) or arrived at by any other method as may be decided by the Trust.

- (8) In case of death of non-resident member(s) the repurchase proceeds of the units can be remitted to the non-resident nominee or legal heir(s) provided:

(a) units were bought out of funds remitted from outside India, from funds held in non-resident (E) accounts in India or from proceeds of FCNR deposits; and

(b) the nominee continues to be residing outside India/the legal heir(s) reside outside India.

Where units have been purchased from funds held in NRO accounts the repurchase proceeds in case of non-resident nominee or legal heir (s) will not qualify for repatriation out of India. Cases of claims where nominee was resident at the time of nomination but subsequently became non-resident have to be referred to RBI for mode of remittance of the proceeds.

XX. Income Distribution and accumulation of income:

The member shall have the right to exercise an option to participate in:

- (1) Monthly Income Option
- (2) Annual Income Option OR
- (3) Cumulative Option.

This shall be done at the time of investment in the scheme and the option once exercised will be final. In case no option is exercised for investment of Rs. 10,000/- and more, it will be deemed to be under Monthly Income Option and processed accordingly.

The returns assured under the plan and the protection of capital invested on maturity is guaranteed by the Development Reserve Fund of the Trust.

The provisions of the scheme and the plan made thereunder will be applied to all the three options and where the provisions vary the relative details are given accordingly.

(1) Monthly Income Option

- (1) Under this option the Trust shall pay assured income @12.50% p.a. for all the five years of the plan by means of post dated monthly warrants.

Based on the investment objectives and policies of the Plan as also prevailing and likely yields from the instruments in which funds of the scheme will be invested, the scheme would be able to generate sufficient returns to pay assured income @12.50% p.a. payable monthly under the plan.

- (2) The income distribution for each month shall be made payable at the beginning of the following month and will be paid by the Trust under such prepayment arrangements by means of Income Distribution Warrants or any instrument encashable at par at the branches of such bank as the Trust may specify.

Such of those units which have been sold under an application accepted by the Trust on or before the 15th day of a month shall be eligible for income distribution for the whole month and the units sold after the 15th day of the month shall be eligible for income distribution for that half month.

The entitlement of income will be as follows :

28-01-1998 to 30-01-1998	Half month's income
01-02-1998 to 15-02-1998	Full month's income
16-02-1998 to 28-02-1998	Half month's income
01-03-1998 to 13-03-1998	Full month's income

- (3) Depending upon the date of investment two Income Distribution Warrants one for the period upto 31st March 1998 (dated 31st March 1998) and another for the period 1st April 1998 to 30th June, 1998 (dated 1st May '98) and 9 postdated warrants for the period July '98 to March '99 will be sent along with the Membership advice/unit certificate.

The Income Distribution Warrants for the subsequent years will be issued in the month of March/April every year depending upon changes in tax laws and sent in advance. The despatch of warrants for the subsequent years will be as per the following schedule :

Period	Despatch of warrants by
01-04-1999 to 31-03-2000	March-April 1999
01-04-2000 to 31-03-2001	March-April 2000
01-04-2001 to 31-03-2002	March-April 2001
01-04-2002 to 31-03-2003	March-April 2002

The Income Distribution Warrants for the month of March will be dated 31st March every year.

- (4) Subject to the provisions of sub-clause (3), the warrants for payment of income distribution on a monthly basis will be sent to the member in advance.

The warrants will be so dated that the member shall encash each one of the warrants on becoming mature for payment. Every warrants shall have validity for three months. The Trust shall not be bound to pay interest in the event of any of the warrants not reaching the members before the expiry of the validity period or in the event of their becoming stale.

- (5) In the event of a repurchase, the member upon non-surrender of unencashed warrants shall be entitled to encash these warrants which are due for the subsequent months and remaining in the custody of the members on the dates of maturity of warrants and the amount represented by such Income Distribution Warrants shall be deducted from the repurchase proceeds.

- (6) In the event of the death of the member if the nominee/legal heir is eligible to hold units and desires to continue to hold the units, then the nominee/legal heir shall be bound to return all the unencashed warrants for the future months for necessary rectification.

However, such a nominee/legal heir desiring to continue to hold the units shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased member to those in favour of the newly admitted member.

- (7) In the event of death of an applicant where the application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the alternate applicant shall be bound to return all the unencashed Income Distribution Warrants for future months for necessary rectification. However, such alternate applicant shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased applicant to those in favour of the newly admitted applicant.

(2) Annual Income Option

- Under this option, the Trust shall pay assured income @13.24% p.a. payable annually for all the five years.
- The first income distribution warrants for the period April, 1998 to March, 1999 (dated 31st March 1999) will be sent in the month of March 1999. Subsequently, income distribution warrants shall be sent for the period April-March every year as per the schedule given below. However, depending upon the date of investment, the investor will be compensated @12.50% p.a. for the period upto 31st March, 1998 to the extent applicable to members under the monthly income option by means of cheque which will be sent along with the Membership advice/Unit Certificate.

Period	Despatch of warrants by
01-04-1999 to 31-03-2000	March 2000
01-04-2000 to 31-03-2001	March 2001
01-04-2001 to 31-03-2002	March 2002
01-04-2002 to 31-03-2003	March 2003

(3) Cumulative Option

No income will be distributed under this option. Income will be cumulated at the rate of 13.24% p.a. such that Rs. 5,000/- invested under the option will become atleast Rs. 9310/- at the time of redemption after five years. However, depending upon the date of investment, the investor will be compensated @12.50% p.a. upto 31st March, 1998 to the extent applicable to members under the monthly income option by means of cheque which will be sent along with the unit certificate/membership advice.

Justification of the return of 12.50% p.a. under the plan

Assume the scheme collects Rs. 100 crores. The initial expenses are 3% and are written off over a period of 3 years (this is because repurchase opens after 3 years). The investible funds available in the first year would be Rs. 97 crores.

The fund will invest 75% in debt instruments and 25% in equity. The scheme will invest in debentures/bonds with risk profile low to medium. The YTM on these instruments are in the range of 14.50% to 16.50%. This means the weighted average yield on debt instruments would be 15.30%.

The annualised return on equity by way of dividend yield, appreciation/depreciation and profits booked would be around 15%.

Instruments	% of Portfolio	Investible Funds	Yield
Debentures	75	72.75	15.30
Equity	25	24.25	15.00

Weighted Avg. Yield on Portfolio =

$$72.75 \times 15.3 + 24.25 \times 15 = 14.77\%$$

Taking annual expenses and provisions as 1.5%, the income

available for distribution would be 13.27%. This would be sufficient to pay income @ 12.50% p.a. payable monthly, annualised yield of 13.24%.

The above is illustrative and based on market conditions at the time of launch of the plan.

Bank particulars of investors :

Electronic Clearing Service :

Reserve Bank of India has introduced the concept of Electronic Clearing Services (ECS) through the clearing house to obviate the need for issuing and handling paper instruments and thereby facilitate improved customer service. This is being introduced by the Trust mainly to help the small investors of Calcutta/Chennai/Mumbai/New Delhi/Bangalore, whose income is less than Rs. 50,000/- vide one single instrument.

As per guidelines issued by RBI in this regard, the investor is required to give his mandate for ECS as per the format given in the application form with all the details completed therein. This will help the Trust to credit the income amount to investor's account with the concerned bank at the earliest and eliminate the work of printing and despatch of income warrants and serve him better. The bank branch will credit the member's account and indicate the credit entry with "ECS" in the passbook/statement of account. The applicant who desires to avail of this facility may fill up the particulars of name and address of his bank, nature and number of account, 9 digit Bank and branch code no. etc. in the application form.

It is however not compulsory to avail of this facility.

In case the response to this facility is not sufficient enough to handle or for any other reasons, instead of paying income under "ECS", the Trust may pay the income by issue of income warrant as mentioned above.

As a matter of precaution against possible fraudulent encashment of Income Distribution Warrants due to loss/misplacement, applicants in the five cities who do not avail of the above facility as also those residing outside the cities viz. Calcutta, Chennai, Mumbai, New Delhi & Bangalore are requested to give the full particulars of their bank account (i.e. nature of account, account number and name of bank) at the appropriate space in the application form as well as on the acknowledgement receipt portion for record. Income Distribution Warrants will then be made out in favour of the bank for crediting their account so specified and sent to them. Members may deposit the Income Distribution Warrants every month in the said bank for credit of their account. In case complete the complete bank particulars are not given, Income Distribution Warrants will be issued in the name of the member.

In order to avoid fraudulent encashment of Income Distribution Warrants/Repurchase cheques/Maturity cheques investors are advised, in their own interest to give bank particulars at the appropriate place in the application

form. Trust will not be held responsible for any loss suffered by the investor due to fraudulent encashment if bank particulars are not furnished.

Income Distribution to Non Resident Indian investor Income under the Plan shall be paid as per the Exchange Control Regulations. The present position regarding payment of income is as follows :

- (i) The warrant can be issued in the name of the member and sent to a relative who is resident in India for crediting the NRE/NRO account of the member.
OR
- (ii) The warrant can be issued in the name of a relative who is resident in India and sent to him for crediting his account.

DETAILS OF THE MONTHLY INCOME SCHEME 1998 [MIS '98] CONTINUED.

III. Valuation of assets pertaining to this Scheme :

- (1) Quoted investments including those under lock-in-period are valued at the closing market rates on the valuation date or the latest available quote within a period of sixty days prior to the valuation date. If no quotes are available for a period of sixty days prior to the valuation date, the same is treated as unquoted investment.
- (2) In case of quoted debentures and bonds, the market rate, being cum-interest, the same is adjusted for the interest element, if any.
- (3) Unquoted/non-traded equity shares are valued at the average of capitalisation of earning and the book-value (break-up value) minus 10%.
- (4) Unquoted debentures, bonds and transferable notes are valued at yield to maturity, based on the rating of the instrument as determined by the Board of Trustees of the Trust.
- (5) Unquoted warrants are valued at the market rate of the underlying shares discounted for dividend element, if any, and reduced by the exercise price payable. In cases where the exercise price payable is higher than the value so derived, the value of warrants is taken as nil.
- (6) Convertible debentures and bonds where composite market quotations are not available, the convertible portion is valued at the market rate relevant to equity shares, discounted for dividend element, if any. The non-convertible portion if any, of such debentures and bonds are valued at yield to maturity, as determined by the board of Trustees of the Trust. Where terms of conversion are not specified in respect of the convertible portion, the same is valued at cost.
- (7) Money Market instruments may be valued on the basis of quotations obtained from more than one dealer or broker.
- (8) Government Securities are valued at yield to maturity (YTM) based on the prevailing market rates.
- (9) The aggregate value of investments as computed in accordance with (1) to (8) above is compared to the aggregate cost of such investments and the resultant depreciation, if any, is charged to revenue account.

IV. Computation and disclosure of Net Asset Value (NAV) :

The Net Asset Value of the units issued under the scheme shall be calculated by determining the value of the scheme's assets and subtracting the liabilities of the scheme taking into consideration the accruals and provisions. The Net Asset Value per unit shall be calculated by dividing the NAV of the scheme by the total number of units issued and outstanding on that date. The NAV of the Scheme shall be deter-

mined separately for the Monthly Income Option, Annual Income Option and for the Cumulative Option. The NAVs (on historic basis) shall be issued to the press for publication within six months from the closure of subscription and on a monthly basis thereafter.

V(a). Investment Objective :

Investment objectives of the Scheme is to primarily provide regular monthly income to the subscriber and also to endeavour providing capital appreciation to the subscriber on maturity of the Scheme.

Funds collected under the scheme shall after providing for all initial preoperative and operational expenses generally be invested as follows :

- (i) Not less than 70% of the funds will be invested in debt instruments. The risk profile of investment will be low to medium.
- (ii) Not more than 30% of the funds will be invested in equities and equity related instruments. The risk profile of equity investments could be high.

Minimum and maximum asset allocation :

Debt-Minimum 70% Maximum 100%.

Equity-Maximum 30%.

No fixed allocation will normally be made for money market instruments. Investment in money market instruments will be kept to the minimum so as to be able to meet the liquidity needs of the plan.

The Trust retains the option to alter the asset allocation for a short term period on defensive consideration.

Pending deployment of funds of the scheme in securities in terms of the investment objected stated above the Trust may invest the funds of the scheme in short term deposits of scheduled commercial banks.

(b) Investment Policies

- (i) All debt instruments in which investments are made by the scheme should have been rated as investment grade by a credit rating agency which may be recognised from time to time : Provided that if the debt instrument is not rated, the specific approval of the Board of Trustees of the Trust shall be taken for investment.
- (ii) No term loans will be advanced by this scheme.
- (iii) Transfer of investments from this scheme to another Scheme/Plan of the Trust shall be done only if—
 - (a) such transfers are done at the prevailing market price for quoted instruments on spot basis.
 - (b) the securities so transferred shall be in conformity with the investment objective of the Scheme/Plan to which such transfer has been made.
 - (c) Transfer of unlisted or unquoted investments from the Plan to another Scheme/Plan of the Trust shall be done as per the policies laid down by the Board of Trustees of the Trust.
- (iv) The scheme may invest in another Scheme/Plan of the Trust or any other mutual fund without charging any fees, provided that aggregate interscheme investment made by all schemes of the Trust or in schemes under the management of any other asset management company shall not exceed 5% of the net asset value of the Trust.
- (v) The Trust shall buy and sell securities on the basis of deliveries and shall in all cases of purchases, take delivery of relative securities and in all cases of sale, deliver the securities and shall in no case put itself in a position whereby it has to make short sale or carry forward transaction or engage in badla finance.

(vi) The Trust shall, get the securities purchased or transferred in the name of the Trust.

(vii) The scheme shall not borrow except to meet temporary liquidity needs of the scheme for the purpose of repurchase, redemption of units or payment of interest or income to the members. Provided that the scheme shall not borrow more than 20% of the net asset of the scheme and the duration of such a borrowing shall not exceed a period of six months.

The services of UTI Securities Exchange Ltd. (UTI SEL) a stock-broking firm and subsidiary of UTI may be utilised for securities transactions of the plan as per the policies and subject to the limits laid down by the Board of Trustees of the Trust. UTI SEL was set up in 1994. It is a high technology company offering fair transparent and efficient services to suit investors requirements. Its registered office is at Mumbai.

(c) However, notwithstanding anything contained in respect of clauses III, IV and V (b) above, the valuation of assets, computation of NAV, repurchase price and their frequency of disclosure would be in accordance with the provisions of SEBI (MF) Regulations/Guidelines/Directives issued by SEBI from time to time.

VI. Trusts not to be admitted and recognised for the purpose of the Scheme and the Plan made thereunder.

(1) The person who is registered as the member and in whose name a Membership Advice/Unit Certificate has been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the member and as having any right, title or interest in or to such units; and the Trust may recognise such member as absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take any notice of the execution of any Trust save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered, to recognise any Trust equity or other interest affecting the title to any units represented in the scheme.

(2) When an application is made by an individual for the benefit of another individual who is mentally handicapped and accepted by the Trust, the Trust shall not be deemed to be taking notice of any trust. The Trust shall deal, for all purposes, under the Scheme and the Plan made thereunder with the applicant or the person mentioned as alternate applicant in the application form in the event of the applicant's death.

VII. Transfer/Pledge/Assignment of Units :

Units issued under the Scheme are Transferable/Pledgeable/Assignable subject to the following terms :

- (a) The unit certificate (and not membership advice) issued in accordance with the provisions of the scheme is negotiable and can be transferred to the individuals, expressed and such other categories as are mentioned in Clause III of the provisions of the plan.
- (b) Transfers may be effected only by and between transferors and transferees who are capable of holding units. The Trust shall not be bound to recognise any other transfer.
- (c) Transfer instruments with the relative unit certificate and unencashed warrants subsequent to and inclusive of the month of transfer (in case of monthly income option) and accompanied by such fee as may be prescribed from time to time by the Trust shall be lodged with any of the offices of the Registrars appointed for the purpose.

- (d) Any transfer deed lodged with or accepted by any of the offices of the Trust shall be forwarded to the nearest office of the Registrars.
- (e) Every instrument of transfer shall be signed by the transferor and the transferee and the transferor shall be deemed to hold units the name of the transferee is entered in the register of members by the Registrars.
- (f) The Registrars may require such evidence as they may consider necessary in support of the title of the transferor or his right to transfer units.
- (g) The Registrars may subject to compliance with such requirements as they deem necessary dispense with the production of the original unit certificate, should it be lost, stolen or destroyed.
- (h) Upon registration of a transfer of units all instruments of transfer and the unit certificate may be retained by the Registrars.
- (i) The Registrars recognising and registering a transfer may issue the original or fresh unit certificate and income distribution warrants, if any, (in case of monthly income option) to the transferee upon payment and realisation of such charges as are payable in connection with the transfer and issue a certificate and warrants.
- (j) If a transferee becomes a holder of units in an official capacity, by operation of law or a scheduled bank upon enforcement of a pledge then the Registrars shall subject to the production of such evidence which in their opinion is sufficient, proceed to effect the transfer, if the intended transferee is otherwise eligible to hold units.
- (k) Subject to the provisions contained hereinabove the Trust shall register the transfer and return the Unit Certificate alongwith income warrants, if any, to the transferee within 30 days from the date of lodgement of Unit Certificate together with the relevant instrument of transfer.

VIII. Development Reserve Fund (DRF) contribution

0.25% of the monthly average Net Asset Value shall be set aside as contribution towards the DRF of the Trust every year.

DRF contribution will be part of recurring expenses.

The quantum of Development Reserve Fund as on 30th November 1997 is Rs. 575 crs as against the investible funds of Rs. 12175 crores of schemes launched with the assured returns. The performance of these schemes are satisfactory. The size of DRF is considered adequate to meet shortfall of MIP98 and other such assured return schemes. The number and corpus of other assured return schemes is given on pg 23. The Trust instituted this fund in the year 1983-84 as a common fund to enable the Trust to meet the expenditure in respect of research & developmental work in connection with the introduction of new Schemes, innovation of new systems and procedures at the conceptual stage and also various other productional & developmental work not related to or linked with any particular Scheme itself. Fund is also utilised for Economic and Capital Market Research, Management & Professional Training, Surveys and Market Research for the Trust, Marketing and Corporate image building efforts that are not connected to any specific Scheme, Human Resource Development efforts with long term effects and which may relate to the Trust's future activities and for meeting the shortfall, if any, in the assured rate of return of any of the schemes of the Trust.

IX. Staff Welfare Trust Contribution

0.10% of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Trust. The Trust has instituted the Staff Welfare Trust for the

welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.

X. Publication of Accounts :

The Trust shall as soon as may be but not later than six months from the 30th June of each year publish through an advertisement, accounts in the manner specified by the SEBI showing the working of the Scheme and the Plan made thereunder during the period ending as of that date. The Trust shall before the expiry of two months from the close of the half year i.e. on 31st December publish its unaudited financial results. The Trust shall furnish to SEBI copies of duly audited annual accounts including the balance sheet and Revenue accounts as also unaudited half yearly accounts and a quarterly statement of movements in NAV and a quarterly portfolio statement including changes from the previous periods. The Trust shall make such disclosures to the investors as are essential to keep them informed about any information which may have an adverse bearing on their investments. The Trust shall, on receipt of a request in writing from a member, furnish him a copy of the accounts and statements so published.

XI. Additions and Amendments to the Scheme and the Plan made thereunder :

The Board may from time to time add to or otherwise amend this Scheme and the Plan made thereunder and any amendment/addition thereof will be notified in the Official Gazette. In case of any amendments prior approval of SEBI shall be obtained.

When any change in the fundamental attributes of the scheme or the trust or fees and expenses payable or any other change which would modify the scheme or affect the interest of the members is proposed to be carried out the consent of not less than three-fourths of the members shall be obtained :

Provided that no such change shall be carried out unless three fourths of the members have given their consent and those who do not give their consent are allowed to redeem their holdings in the scheme.

Explanation :—For the purposes of this clause "fundamental attributes" means the investment objective and terms of the scheme.

XII. Termination of the Scheme and Plan made thereunder :

- (a) The scheme shall stand finally terminated on 31-03-2003, the outstanding units of the members shall be repurchased and the members shall be paid the value of their units at the repurchase price fixed for the final repurchase during the above period. Besides receiving the repurchase price determined, no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase value or by way of income for any subsequent period shall accrue. However, the Trust reserves with the prior approval of SEBI the right to extend the scheme beyond 5 years. In such an event the member shall be given an option to either sell back the units to the Trust or to continue in the scheme. The Trust could also give the investor the option to convert the repurchase proceeds into any other scheme launched or in operation at that time. The extension of the period of the scheme beyond 5 years shall be in conformity with sub regulation 4 of regulation 33. The provisions of the sub regulation are : A closed ended scheme shall be fully redeemed at the end of the maturity period unless a majority of the unit-holders otherwise decide for its rollover by passing a resolution. Provided that the unit-holders not opting for rollover shall be allowed to redeem their holdings in the scheme.

- (b) The Trust may wind up the Scheme and the Plan made thereunder under the following circumstances :

- (i) on the expiry of five years of the scheme i.e. on 31st March, 2003 or on the expiry of such date beyond five years as may be decided by the trust.

- (ii) on the happening of any event which in the opinion of the Trust requires the Scheme and the Plan made thereunder to be wound up, or
 - (iii) if 75% of the Members pass a resolution that the scheme be wound up; or
 - (iv) if the SEBI so directs in the interest of the Members.
- (c) Where the scheme is wound up in pursuance of sub clause (b) above, the Trust shall give notice of the circumstances leading to the winding up of the Scheme to SEBI and in two daily newspapers having circulation all over India and also in a vernacular newspaper circulating in Mumbai at least before a week the termination is effected.
- (d) On and from the date of advertisement of the termination, the Trust shall—
- (i) cease to carry on any business activities in respect of the scheme.
 - (ii) cease to create and cancel units in the scheme.
 - (iii) cease to issue and redeem units in the scheme.
- (e) The Board of Trustees shall call a meeting of the members to consider and pass necessary resolution by simple majority of the members present and voting at the meeting for authorising the Trustees or any other person to take steps for winding up of the scheme.
- Provided that a meeting shall not be necessary if the scheme is wound up at the end of the maturity period of the scheme.
- (f) (i) The Board of Trustees or the person authorised under sub clause (e) shall dispose of the assets of the scheme in the best interest of the members of the scheme.
- (ii) The proceeds of sale made in pursuance of sub clause (f) (i) above, shall, in the first instance be utilised towards discharge of such liabilities as are properly due under the scheme and after making appropriate provision for meeting the expenses connected with such winding up, the balance shall be paid to the members in proportion to their respective interest in the assets of the scheme as on the date when the decision for winding up was taken.
- (g) On completion of the winding up, the Trust shall forward to the SEBI and the members a report on the winding up containing particulars such as circumstances leading to the winding up, the steps taken for disposal of assets of the scheme before winding up, expenses of the scheme for winding up, net assets available for distribution to the members and a certificate from the auditors of the scheme.
- (h) Notwithstanding anything contained hereinabove, the application of the provisions of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 in respect of disclosures of half yearly reports and annual report shall continue.
- (i) After the receipt of the report referred to in clause XII (g) of the scheme, if the SEBI is satisfied that all measures for winding up of the scheme have been completed the scheme shall cease to exist.
- (j) The Trust shall pay the repurchase value as early as possible after the Membership Advice along with the request letter for repurchase/Unit Certificate duly discharged has been received by it and other procedural and operational formalities are complied with. The Membership Advice/Unit Certificate, the request letter for repurchase and other forms, if any, shall be retained by the Trust for cancellation.
- (k) In case of non-resident investors, repurchase/maturity proceeds will be remitted depending upon the source of investment as given below:

(i) When units have been purchased from remittance in foreign exchange from abroad or from the proceeds of the member's FCNR deposits or from funds held in member's Non-Resident (External) Account kept in India, the proceeds can be remitted to the member in foreign currency.

(ii) When units have been purchased from funds held in member's Non-Resident (Ordinary) Account, the maturity cheque will be despatched to the relative of the investor in India to be credited to the member's NRO account.

XIII. Power to construe provisions :

If any doubt arises as to the interpretation of any of the provisions of the Scheme and the Plan made thereunder, only Chairman, and if no one is appointed as Chairman then, the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Scheme and the Plan made thereunder, in so far such construction is not any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Scheme and the Plan made thereunder and such decision shall be conclusive, binding and final. The provisions of the scheme formulated hereunder and the provisions of the plan as stated in the scheme shall be read in conjunction to each other.

XIV. Relaxation of provisions :

Only Chairman, and if no one is appointed as Chairman then, the Executive Trustee of the Trust may in order to mitigate hardship or for smooth and easy operation of the Scheme and the Plan made thereunder, relax any of the provisions of the Scheme and the Plan made thereunder in case of any member or class of members upon such terms as may be deemed expedient under intimation to SEBI.

Any changes in the provisions of the offer document shall be with prior approval of SEBI and in accordance with the terms of the regulations.

XV. Scheme and Plan made thereunder to be binding on members :

The terms of the Scheme and the Plan made thereunder including any amendments, changes thereto from time to time shall be binding on each member and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding notwithstanding anything contrary contained in the provisions of the Scheme and the Plan made thereunder.

XVI. Benefits to the members :

All benefits accruing under the Scheme and the Plan made thereunder in respect of capital, reserves and surpluses, if any, at the time of the closure of the Scheme and the Plan made thereunder shall be available only to the members who hold the units for the full term of the Scheme and the Plan made thereunder till its closure.

Approval of members of the plan shall be sought in the following circumstances :

- (i) whenever required to do so by SEBI in the interest of the members; or
- (ii) whenever required to do so on the requisition made by three-fourths of the members of the plan;
- (iii) when the majority of the trustees decide to wind up or prematurely redeem the units; or
- (iv) when any change in the fundamental attributes detailed in clause XI of the scheme or fees and expenses payable or any other change which would modify the plan or affect the interest of the members is proposed to be carried out unless the consent of not less than three fourths of the members is obtained.

TAX GUIDE

Tax Concessions

Taxation of income and capital appreciation under the plan will be subject to prevalent tax laws. As per the present taxation laws income from units to all residents and non-

residents (if units are bought through payment from non-resident ordinary account, income of individuals and HUF) by way of income under all schemes of the Trust including "MIP '98" will enjoy deduction from income upto an overall limit of Rs. 15,000/- under section 80L of Income Tax Act, 1961. Any long term capital gains arising out of the plan will be subject to treatment indicated under sections 48 and 112 of the Income Tax Act, 1961.

Value of investment in units under the plan is exempted from wealth tax.

Capital Gains Tax Exemption under Section 54EA

Investment of entire or part of net consideration arising out of transfer of long term capital assets in MIP-98 will be eligible for capital gains tax exemption under Section 54EA of the Income Tax Act, 1961 subject to availability of repurchase/transfer/pledge only after three years from the date of acceptance of the application.

For Eligible Trusts

Units are approved securities under section 11 (2) (b) of the Income Tax Act 1961, Eligible Trusts investing in units will, therefore qualify for tax exemption in respect of income and corpus under sections 11 and 13 of the Income Tax Act, 1961.

Deduction of Tax at source

Residents

As per the present taxation laws the Trust is required under section 194K to deduct income tax at source @ 15% from the income payable to individual members, HUFs, Partnership Firms and other investors not being companies, under all the three options of the plan, if such income exceeds Rs. 10,000/- during the financial year.

Similarly, tax will be deducted at source @20% from income payable to companies if such income exceeds Rs. 10,000/- during the financial year.

Non-Residents

Section 196A of the Income Tax Act, 1961 has been substituted to provide for deduction of tax at source at the rate of 20% on income received by NRIs in respect of units of any Schemes of UTI acquired by them through payment from Non-Resident (Ordinary) Account.

As per circular No. 734 F no. 500/4/95-FTD, dated 24th January, 1966 issued by the Govt. of India, Ministry of Finance, Deptt. of Revenue in order to avoid double taxation for Non-Resident members residing in UAE the tax will be deducted at source at a concessional rate of 15% where source of fund in NRO account.

No deduction of tax

Residents :

Member (not being a company or a firm), desiring receipt of income without deduction of tax at source should furnish to the Trust a declaration in writing, in duplicate, in the prescribed form No. 15H and verified in the prescribed manner to the effect that the tax on his/its estimated total income of the assessment year will be nil, in accordance with the income tax rules. The prescribed form No. 15H for non deduction of tax at source should be submitted alongwith the application and for subsequent years atleast three months before the despatch of income distribution warrants, failing which tax will be deducted at source as per the prevalent tax laws.

No deduction of tax will be made for Trusts which are covered under Section 11 or 12 or 10 (22) or (22A) or 15—9 GI/98

10(23) or 10(23AA) or 10(23C) of the Income Tax Act, 1961 on the basis of a declaration in the format provided in the application form.

Non Residents :

In case of Non-Residents, if units are bought directly through remittance in foreign exchange or through payment from Non-Resident (External) account kept in India or from proceeds of FCNR deposits, income from such units is totally exempt from Income tax.

In the above cast UTI shall not deduct income tax at source irrespective of the amount of income.

Disclosures regarding income tax/wealth tax/gift tax/capital gains tax, investments by NRIs/OCBs/FIIs are in conformity with the prevalent Income Tax Act, FERA and RBI's directions and permissions.

Rights of Members :

1. Members under the Plan have a proportionate right in the beneficial ownership of the assets of and to the income declared by the Plan.
2. The Members have a right to ask the Trustees about any information which may be an adverse bearing on their investments and the Trustees shall be bound to disclose such information to the Members.
3. The Members have the right to inspect all documents listed under the heading "Documents available for inspection".

Custodians

Stock Holding Corporation of India situated at Mittal Court, B-Wing, Nariman Point, Mumbai 400 021, have been functioning as custodian for all our Schemes and Plans as per the agreement entered into with them on January 17, 1994.

The custodians are required to take delivery of all securities belonging to Schemes/Funds/Plans of the Trust and hold them in custody. The custodians will deliver the securities only as per instructions from the Trust and on receipt of the consideration. The custodian shall be generally authorised to attend to all non-discretionary and procedural details for discharge of normal custodian functions in connection with the sale, purchase, transfer and other dealings with the securities, other assets held by them as an agent except as may otherwise be directed by the Trust.

Custodians shall provide all information, reports or any explanation sought by the Trust or the auditors of the Trust for the purpose of audit and for physical verification and reconciliation of Securities belonging to the Schemes/Funds/Plans of the Trust.

Auditors

M/s. S. K. Kapoor & Co., 16/98 LIC Bldg., The Mall, Kanpur 208 001 and M/s. Chaturvedi & Company, Chartered Accountants, 60, Bentik Street, Calcutta 700 069. The auditors of the Scheme are appointed by the IDBI and they are subject to change from year to year.

Investor Complaints

Complaints received, redressed and pending for the period

01-01-97 to 31-12-97 are given below

Scheme Name	No. of complaints			Pending to Total Recd.
	Received	Redressed	Pending	
1	2	3	4	5
CCCF	900	847	53	5.89%
CGGF	6415	6166	249	3.88%
CGS-83	372	280	92	24.73%
CGUS-91	3470	3450	20	0.58%
CRTS	264	254	10	3.79%
DIP-91	3918	3892	26	0.66%
DIUP-93	527	523	4	0.76%
DIUP-95	1602	1595	7	0.44%
DIUS-90	1979	1953	26	1.31%
DIUS-91	2783	2735	48	1.72%
DIUS-92	2248	2186	62	2.76%
E.O.F.	716	707	9	1.26%
GCGI	29702	29664	38	0.13%
GMIS-91	10357	10727	130	1.20%
GMIS-92	11179	10904	185	1.65%
GMIS-92(ii)	1087	900	187	17.20%
GMIS-B-92	1169	1070	99	8.47%
GMIS-B-92(iii)	2119	2080	39	1.84%
Grandmaster-93	1384	1374	10	0.72%
Grihalaxmi Unit Plan	1231	1141	90	7.31
Housing Unit Scheme	414	347	67	16.18%
IISFUS	3	2	1	33.33%
IEF-97	35	22	13	37.13%
Mastergain-92	163574	162369	1205	0.74%
Mastergrowth-93	8724	8672	52	0.60%
Masterplus-91	14053	13537	516	3.67%
Mastershare-86	21400	18934	2466	11.52%
MEP-91	4462	4378	84	1.88%
MEP-92	22423	21806	587	2.62%
MEP-93	65280	64649	631	0.97%
MEP-94	53111	52796	315	0.59%
MEP-95	5786	5746	40	0.69%
MEP-96	2182	2161	21	0.96%
MEP-97	1216	1151	65	5.335%
MEP-98	1	1	0	0.00%
MIP-93	1939	1911	28	1.44%
MIP-94(i)	2581	2539	42	1.63%
MIP-94(ii)	2303	2282	21	0.91%
MIP-94(iii)	6708	6653	45	0.67%
MIP-95	5971	5932	39	0.65%
MIP-95(ii)	5988	5974	14	0.23%
MIP-95(iii)	5467	5433	34	0.60%

1	2	3	4	5
MIP-96	4854	4819	35	0.72%
MIP-96(ii)	3971	3942	29	0.73%
MIP-96(iii)	5374	5334	40	0.74%
MIP-96(iv)	16753	16341	412	2.46%
MIP-97	8589	8342	247	2.88%
MIP-97(ii)	6952	6595	257	3.70%
MIP-97(iii)	3117	3014	103	3.30%
MIP-97(iv)	23	20	3	13.04%
MIP-97(v)	2	2	0	0.00%
MIS-B-93	4231	4194	37	0.87%
MISG-90(i)	5611	5285	326	5.81%
MISG-90(ii)	2007	1875	132	6.58%
MISG-91	1688	1651	37	2.19%
Omni-Plan	101	90	11	10.89%
Primary Equity Plan	1163	1078	85	7.31%
Rajlakshmi U.P.	3276	3098	178	5.43%
Retirement Benefit Plan	2484	2361	123	4.95%
Senior Citizen U.P.	1031	971	60	5.82%
UGS-2000	8679	8158	521	6.00%
UGS-5000	4326	4166	160	3.70%
ULIP	10214	8975	1239	12.13%
US-64	92285	86527	5758	6.24%
US-92	6087	5929	158	2.60%
US-95	2	2	0	0.00%
Total	670363	652742	17621	2.63%

Reasons for pending complaints are:

- (1) Non-receipt of application/funds from the collecting banks.
- (2) Incomplete details of the investor in the application including address, name and signature of the investor.
- (3) Change of address of investor not informed/not updated.
- (4) Loss in transit.
- (5) Postal delay.
- (6) Non compliance of required documents in case of transfer/death claims/Repurchase.
- (7) Incomplete details while forwarding the complaints.
- (8) Non-receipt/Delayed receipt of commission.
- (9) Letters/Documents sent to the wrong office/Registrars.

All investors could refer their grievances giving full particulars of investment to concerned Investors' Relation Cell at the following addresses:

WESTERN ZONE

Unit Trust of India
Investors' Relation Cell
Commerce Centre 1, 28th Floor,
World Trade Centre, G.D. Somani Marg,
Cuffe Parade, Mumbai 400 005
Tel: 2180172/2181600

EASTERN ZONE

Unit Trust of India
Investors' Relation Cell
2, Fairlie Place, 2nd Floor,
Calcutta 700 001
Tel: 2434581

SOUTHERN ZONE

Unit Trust of India
Investor's Relation Cell
UTI-House, 29, Rajaji Salai,
Chennai-600 001
Tel: 317101 Ext, 360/364

NORTHERN ZONE

Unit Trust of India
Investors' Relation Cell
Herald House, 2nd floor, 5A,
Bahadurshah Zafar Marg,
New Delhi-110 002,
Tel: 3329860

Registrars

M/s M.N. Dastur & Co. Ltd. have been appointed to work as Registrars,

It has been ascertained that the Registrars have adequate capacity to discharge its responsibilities with regard to processing of applications, transfer forms and repurchase requests, despatch of Unit Certificates and dividend warrants, if any, within the prescribed time frame and also handle investor complaints,

Processing of applications and after sales services will be handled from the following offices of the Registrars:

West Zone : Matulya Centre "A", 249, Senapati Bapat Marg, Lower Parel (W), Mumbai 400 013, Tel, No: 493 1078/1085/1123,

East Zone: 52, Chowringhee Lane (4th floor), Calcutta 700071, Tel No: 2425142/8701/8309/8189,

North Zone: Flat Nos. A-301-311, Somdatt Chambers-1, 5, Bhikaji Cama Place, R.K. Puram New Delhi 110 066, Tel No: 6185798/6252/6323/5682,

South Zone (excluding the state of Karnataka):
Engineering Centre, 480, Anna Salai, Nandanam, Chennai 600 035, Tel No. 4342303/2026/2002,

For the state of Karnataka only: Raheja Towers, 28/27 M.G. Road, Bangalore 560 001 Tel No. 558 9934/9936,

Documents available for inspection

The following documents will be available for inspection at the Central Investors Relations Cell, Unit Trust of India, SNDT Women's University Basement, Door No, 1, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Mumbai 400020,

- * The UTI Act
 - * The General Regulations
 - * The agreements with the custodians, registrars and collecting banks;
- Copy of Offer Document of MIP 98,

Details of Five Previous Monthly Income Plans of UTI

Plan	MIP'97	MIP'97 (II)	MIP'97 (III)	MIP' 97(IV)	MIP '97(V)
Date of commencement	01-05-1997	01-07-1997	01-09-1997	01-11-1997	01-01-1998
Date of termination	31-04-2002	30-06-2002	30-08-2002	31-10-2002	31-12-2002
Monthly Income	14% p.a. for all the five years	14% p.a. for all the five years	13% p.a. for all the five years	12.5% p.a. for all the five years	11.75 % p.a for all the five years
Cumulative Option	Rs. 2,000/- becomes atleast Rs 4,012/-	Rs. 2000/- becomes atleast Rs 4,012/-	Rs. 500/- becomes atleast Rs. 9,543/-	Rs 10,000/- becomes atleast Rs. 18,622/-	Rs. 10,000/- becomes atleast Rs. 17,940/-
Annual Income					12/40%p.a. for all the five years
Amount Collected	Rs. 1142.30 Crs.	Rs. 1495.93 Crs.	Rs. 794.88 Crs.	Rs. 880.66* Crs.	Rs. 426.59* Crs.
No. of Applications	3,25,649	4,12,238	1,88,775	75,086*	73,931*

*As on 7-01-1998.

Table

Sr No.	Plans	Annual Income Paid/ Payable Monthly	Capital Appreciation (%) on maturity Assured	Actual	Bonus (%) paid/ Payable
1	2	3	4	5	6
Schemes Matured					
1.	MIS-1	12% p.a.	—	6	—
2.	MIS-2	12% p.a.	—	7	—
3.	MIS-3	12% p.a.	—	8	—
4.	MIS-4	12% p.a.	—	8	—

1	2	3	4	5	6
5.	MIS-5	12% p.a.	—	10	—
6.	MIS-6	12% p.a.	2	5.5	1.5
7.	MIS-7	12% p.a.	2	6	1.5
8.	MIS-8	12% p.a.	2	7	1.5
9.	MIS-9	12% p.a.	2	9	1.75
10.	MIS-10	12% p.a.	2	9	2.00
11.	MIS-11	12% p.a.	2	11	2.25
12.	MIS-12	12% p.a.	2	28	2.25
13.	MIS-13	12% p.a.	2	40	3.00
14.	GMIS 92	14.5% p.a. for the first 3 years and 15% p.a. for the last 2 years	Minimum 2% on maturity in case of monthly income option cumulative option	5.6	—
15.	MISG '90	12% p.a.	—	8	1% payable at the end of each year
16.	GMIS '92(ii)	14.5% p.a. for the first 3 years and 15% p.a. for the last 2 years	Minimum 2% on 5 maturity in case of monthly income option	5	—
17.	MISG '90(ii)	13% p.a.	—	2	2% declared at the end of 3rd year and Addl. 2% bonus declared at the end of 5th year
18.	GMISB '92	14.5% p.a. for the first 3 years and 15% p.a. for the last 2 years	Minimum 2% on maturity in case of monthly income option	2	2% bonus dividend declared & is payable at maturity
Schemes in Operation					
19.	MISG '91	13% p.a.	—	—	3% declared at the end of 3rd year and Addl. bonus dividend of 3% will be paid after 5th year.
20.	GMIS '91 (Rolled over as MIP '96(IV) upto 31-12-2001)	14.5% p.a. for the first 3 years and 15% p.a. for the 2 years	Minimum 2% on maturity in case of monthly income option cumulative option	3.7 1.7	—
21.	GMISB '92(ii)	14% p.a. for the first 2 years and 14.5% p.a. for the last 3 years	Do.	2	2% declared at the end of 3rd year and will be paid on maturity
22.	MISB '93	14%	Do.	—	Nil bonus declared at the end of 3rd year

1	2	3	4	5	6
23.	MIP '93	13.5%	Do.	—	Nil bonus declared at the end of 2nd year Bonus may be declared at the end of 4th year and shall be payable on maturity.
24.	MIP '94	13% p.a. for the first 2 years i.e. upto Feb. 96 & *13.5% p.a. under the monthly income option & 14% p.a. under cumulative option for the period 1-3-96 to 28-2-98*	—	—	—
25.	MIP '94(ii)	13% p.a. payable monthly for first 2 years 14% p.a. payable monthly for next 2 years. *	—	—	—
26.	MIP '94(iii)	12% p.a. for the first year & 13% p.a. payable for the second year 13% p.a. for the period 1-1-1997 to 31-3-1997, 13% p.a. for 1-4-1997 to 31-3-1998.*	—	—	—
27.	MIP '95	13% p.a. for the first year & 14% p.a. payable for the second year 14% p.a. for the period 1-7-1997 to 31-3-1998.*	—	—	—
28.	MIP '95(ii)	13.5% p.a. for the first year & 14% p.a. payable for the second year 14% p.a. for the period 1-4-1997 to 31-3-1998.*	—	—	—

1	2	3	4	5	6
29.	MIP '95(iii)	14% p.a. for the first year 14% p.a. for the period 1-1-1997 to 31-3-1997 14% p.a. for 1-4-1997 to 31-3-1998.*	—	—	—
30.	MIP '96	14.5% p.a. for the first year 14.5% p.a. for 1-5-1997 to 31-3-1998.*	—	—	—
31.	MIP '96(ii)	15% p.a. for the first year 15% p.a. for 1-7-1997 to 31-3-1998.*	—	—	—
32.	MIP '96(iii)	15% p.a. for the first year 15% p.a. for 1-10-1997 to 31-3-1998*	—	—	—
33.	MIP '96(iv)	15% p.a. for the first year 15% p.a. for the period 1-1-1998 to 31-3-1998.*	—	—	—
34.	MIP '97	14% p.a. for all the five years	—	—	—
35.	MIP '97(ii)	14% p.a. for all the five years.	—	—	—
36.	MIP '97(iii)	13% p.a. for all the five years.	—	—	—
37.	MIP '97(iv)	12.5% p.a. for all the five years.	—	—	—
38.	MIP '97(v)	11.75 p.a. for all the five years. ⁵	—	—	—

*Income rate for the subsequent years will be announced at/before the end of preceding years.

HISTORICAL DATA-MONTHLY INCOME SCHEMES

HISTORICAL STATISTICS	1993-94								1994-95							
	MIS	MISG	GMIS	GMIS	MIS B	MIP	MIP	MISG	GMIS	GMIS	MIS B	MIP	MIP	MIP	MIP	
	Pool	90 Pool	Pool	B92 Pool	93 Pool	94	94(ii)	90 Pool	Pool	B92 Pool	93 Pool	94	94(ii)	94(iii)	95	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	
(A) Net Asset Value, per unit	14.86	11.36	13.00	11.71	10.96	10.06	10.10	10.91	13.03	11.49	10.78	9.87	9.58	9.47	10.05	
(B) Gross income per unit broken up into;																
(i) Income other than profit on sale of investment, per unit	1.99	1.44	1.53	1.63	0.90	0.55	0.05	1.40	1.72	1.64	1.34	0.96	0.67	0.17	0.06	
(ii) Income from profit on inter scheme sales/transfer of investment, per unit	3.26	—	0.35	—	0.10	—	—	—	0.03	0.17	0.08	—	—	0.03	—	
(iii) Income from profit on sale of investment to third party, per unit	0.17	0.02	0.04	0.07	0.05	—	—	0.04	0.05	—	—	0.01	0.01	—0.03	—	
(iv) Transfer to revenue account from past year's reserve, per unit																
(C) Aggregate of expenses, write off, amortisation and charges, per unit	0.10	0.03	0.05	0.05	0.07	0.06	0.04	0.05	0.06	0.07	0.06	0.07	0.07	0.07	0.01	
(D) Net income, per unit	5.33	1.44	1.88	1.64	0.97	0.49	0.02	1.40	1.74	1.74	1.36	0.90	0.60	0.10	0.05	
(E) Unrealised appreciation/depreciation in value of investments, per unit	—0.12	0.80	1.71	1.00	0.86	0.04	0.09	0.28	1.00	0.05	0.27	—0.42	—0.40	—0.44	—0.02	
(F) Market price																
Highest																
Lowest																
Repurchase price																
Highest																
Lowest																
Sale price																
Highest																
Lowest																
PE Ratio																
(G) Per unit ratio of expenses to average net assets by percentage	0.65	0.23	0.36	0.45	0.65	0.57	0.35	0.46	0.49	0.55	0.55	0.66	0.76	0.69	0.14	
(H) Per unit ratio of gross income to average net asset by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments)	36.49	19.95	28.01	23.03	17.41	5.45	1.42	15.49	21.51	16.06	15.47	9.73	2.84	—2.87	0.42	
(I) Per unit NAV	14.86	11.36	13.00	11.71	10.96	10.06	10.10	10.91	13.03	11.49	10.78	9.87	9.58	9.47	10.05	

HISTORICAL DATA—MONTHLY INCOME SCHEMES

HISTORICAL STATISTICS	1995-96											
	MISG 90 POOL	GMIS POOL	GMIS B 92 POOL	MIS B 93 POOL	MIP 94	MIP 94(II)	MIP 94(LI)	MIP 95	MIP 95(II)	MIP 95(III)	MIP 96	MIP 96(II)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(A) Net Assets Value, per unit	10.89	13.95	12.57	11.44	10.44	9.76	9.61	10.35	10.89	10.98	10.29	9.96
(B) Gross income per unit broken up into:												
(i) Income other than profit on sale of investment, per unit	1.40	1.74	1.65	1.45	1.60	1.15	1.20	1.38	1.19	0.83	0.27	0.05
(ii) Income from profit on inter scheme sales/transfer of investment, per unit	—	0.05	0.10	0.02	0.11	0.01	0.02	—	—	0.01	0.01	—
(iii) Income from profit on sale of investment to third party, per unit	0.06	0.51	0.12	0.03	0.08	0.06	0.03	0.02	0.11	0.02	—	—
(iv) Transfer to revenue account from past year's reserve, per unit	—	—	0.04	—	0.01	—	—	—	—	—	—	—
(C) Aggregate of expenses, write off, amortisation and charges, per unit	0.04	0.07	0.07	0.07	0.08	0.07	0.07	0.07	0.09	0.06	0.04	0.03
(D) Net income, per unit	1.43	2.22	1.84	1.43	1.70	1.13	1.17	1.33	1.22	0.79	0.24	0.02
(E) Unre lised appreciation/ depreciation in value of investment, per unit	0.26	0.72	0.41	0.40	—0.39	—0.42	—0.49	0.06	0.55	0.82	0.43	0.07
(F) Market price Highest Lowest Repurchase Price Highest Lowest Sale price Highest Lowest PE Ratio												

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
(G) Per unit, ratio of expenses to average net assets by percentage		0.34	0.54	0.60	0.60	0.80	0.73	0.75	0.71	0.81	0.58	0.44	0.28
(H) Per unit ratio of gross income to average net assets by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments)		15.82	22.39	19.30	17.09	17.55	12.61	13.06	14.33	16.97	15.21	6.89	1.16
(I) Per unit NAV		10.89	13.95	12.57	11.44	10.44	9.76	9.61	10.35	10.89	10.98	10.29	9.96

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
(G) Per unit, ratio of expenses to average net assets by percentage		0.65	2.04	0.59	0.65	0.75	0.74	0.79	0.76	1.13	1.05	1.11	1.1	0.82	0.66	0.58	0.12	0.04
(H) Per unit, ratio of gross income to average net asset by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments)		20.46	44.20	17.67	12.98	10.75	8.31	9.97	14.47	19.69	26.63	22.73	24.23	19.16	13.29	6.61	2.34	0.61
(I) Per unit NAV		10.85	12.34	13.37	11.53	10.39	9.73	9.69	10.74	11.42	11.80	11.05	11.23	11.04	10.71	10.32	10.09	10.00

*DATA IS FOR POOLWISE & NOT INDIVIDUAL SCHEMewise

+ DATA PERTAINS TO INDIVIDUAL SCHEMES

● ONLY UNDER MISB 93

DETAILS REGARDING ASSURED RETURN SCHEMES

(Rs. in crs.)

Scheme	Investible Funds As on 31-12-97
I. Schemes Launched Prior to 1-7-94	
CGGF	2921 .01
MISG 90 Pool	
MISG 90(i)	
& MISG 90(ii)	
MISG 91	
	1587 .57@
IISFUS 93	864 .54
MISB 93 POOL	
MISB 93	
MIP 93	
	1392 .55@
MIP 94	377 .30
MIP 94(ii)	504 .44
II. SCHEMES LAUNCHED AFTER 1-7-94	
MIP 97(i)	1120 .85
MIP 97(ii)	1368 .83
MIP 97 (iii)	602 .59
MIP 97 (iv)	908 .25
IISFUS 97	497 .08
IEF	30 .00
	12175 .01

@For the Pool as a whole

\$ Provisional

& Terminated on 1-11-97 to 16-1-98 depending on date of joining

UTI has submitted the following Due Diligence Certificate to SEBI

It is confirmed that;

- I. the draft offer document is in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996 and the guidelines and directives issued by SEBI from time to time;
- II. the disclosures made in the offer document are true, fair and adequate to enable the investors to make a well informed decision regarding investment in the proposed scheme;
- III. all the intermediaries named in the offer document are registered with SEBI and till date such registration is valid.

Date: 22-1-98

Sd/-

Place: Mumbai

Name: B. S. PANDIT

Compliance officer
With seal.

UNIT TRUST OF INDIA

CORPORATE OFFICE

13, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Mumbai-400020

Tel. 2068468

ZONAL OFFICES

Western Zone : Commerce Centre-1, 28th Flr., World Trade Centre, Cuffe Parade, Colaba, Mumbai-400 005. Tel. 218 1600. Eastern Zone : 2, Fairlie Place, 2nd Flr., Calcutta-700 001. Tel. : 220 9391. Southern Zone : UTI-House, 29, Rajaji Salai, Chennai-600 001. Tel. : 517 101. Northern Zone : Jeevan Bharati, 13th Flr., Tower II, Connaught Circus, New Delhi-110 001. Tel. : 332 9860.

BRANCH OFFICES UNDER WESTERN ZONE JURISDICTION

Ahmedabad : B. J. House, 2nd, 3rd & 4th Flr., Ashram Marg, Ahmedabad-380 009. Tel. : 642 3043. Baroda : 'Meghdhanush', 4th & 5th Flr., Transpek Circle, Race Course Marg, Baroda-390 015. Tel. : 332 481. Bhopal : 1st Flr., Ganga Jamuna Commercial Complex, Plot No. 202, Maharana Pratap Nagar, Zone-1, Scheme-13, Habeeb Ganj, Bhopal-462 001. Tel. : 558 308. Indore : City Centre, 2nd Flr., 570, M. G. Marg, Indore-452 001. Tel. : 22796. Mumbai : (1) Unit No. 2, Block 'B', Gulmohar Cross Marg No. 9, Andheri (W), Mumbai-400 049. Tel. : 620 1995. (2) Persepolis Bldg., 3rd Flr., Above Andhra Bank, Sector-17, Vashi, Navi Mumbai-400 703. Tel. : 7-672607. (3) Lotus Court Bldg., 196, Jamshedji Tata Marg, Backbay Reclamation, Mumbai-400 020. Tel. : 285 0821. (4) Shraddha Shopping Arcade, 1st Flr., S. V. Marg, Borivili (W), Mumbai-400 092. Tel. : 802 0521. (5) Sagar Bonanza, 1st Flr., Khot Lane, Ghatkopar (W), Mumbai-400 086. Tel. : 516 2256. Kolhapur : Ayodhya Towers, C. S. No. 511, KH-1/2 'E' Ward, Dabholkar Corner, Station Marg, Kolhapur-416 001. Tel. : 657 315. Nagpur : Shree Mohini Complex, 3rd Flr., 345, Sardar Vallabhbhai Patel Marg, Nagpur-440 001. Tel. : 536 893. Nasik : Sarda Sankul, 2nd Flr., M. G. Marg, Navik-422 001. Tel. : 572166. Panaji : E.D.C. House, Ground Flr., Dr. A. B. Marg, Panaji, Goa, 403 001. Tel. : 222 472. Pune : Sadashiv Vilas, 3rd Flr., 1183, Fergusson College Marg, Shivaji Nagar, Pune-411 005. Tel. : 325 954. Rajkot : Lallu bhai Centre, 4th Flr., Lakhai Raj Marg, Rajkot-360 001. Tel. : 35112. Surat : Saifee Bldg., Dutch Marg, Nanpura, Surat-395 001. Tel. : 434 550. Thane : UTI House, Station Marg, Thane (W)-400 601. Tel. : 540 0905.

BRANCH OFFICES UNDER EASTERN ZONE JURISDICTION

Bhubaneshwar : OCHC Bldg., 1st & 2nd Flr., 24 Janpath, Kharvela Nagar, Nr. Ram Mandir, Bhubaneshwar-751 001. Tel. : 410 995. Calcutta : 2, Fairlie Place, Calcutta-700 001. Tel. : 220 9391. Durgapur : 3rd Administrative Bldg., 2nd Flr., Asansol Durgapur Development Authority, City Centre,

Durgapur-713 216. Tel. : 546136. Guwahati : Hindustan Bldg., 1st Flr., M. L. Nehru Marg, Pan Bazar, Guwahati-781 001. Tel. : 543131. Jamshedpur : 1-A, Ram Mandir Area, Gr. & 2nd Flr., Bistupur, Jamshedpur-831 001. Tel. : 425 508. Patna : Jeevan Deep Bldg., Gr. & 5th Flr., Exhibition Marg, Patna-800 001. Tel. : 235 001. Siliguri : Jeevan Deep, Ground Flr., Gurunanak Sarani, Siliguri-734 401. Tel. : 424671.

BRANCH OFFICES UNDER SOUTHERN ZONE JURISDICTION

Bangalore : Raheja Towers, 26-27, 12th Flr., West Wing, M. G. Marg, Bangalore-560 001. Tel. : 5595691. Cochin : Jeevan Prakash, 5th Flr., M. G. Marg, Ernakulam-682 011. Tel. : 362 354. Coimbatore : Chera Towers, 3rd Flr., 6/25 Arts College Marg, Coimbatore-641 018. Tel. : 214973. Hubli : Kalburgi Mansion, 4th Flr., Lamington Marg, Hubli-580 020. Tel. : 363 963. Hyderabad : 1st Flr., Surabhi Arcade, 5-1-664, 665, 669, Bank Street, Hyderabad-500 195. Tel. : 511 095. Chennai : UTI House, 29, Rajaji Salai, Chennai-600 001. Tel. : 517 101. Madurai : Tamil Nadu Sarvodaya Sangh Bldg., 108, Thirupparakundam Marg, Madurai-625 001. Tel. : 38186. Mangalore : Siddhartha Bldg., 1st Flr., Bal-Mutta Marg, Mangalore-575 001. Tel. : 426 258. Thiruvananthapuram : Swastik Centre, 3rd Flr., M. G. Marg, Thiruvananthapuram-695 001. Tel. : 331415. Trichy : 104, Salai Marg, Woraiyur, Tiruchirapalli-620 003. Tel. : 760060. Trichur : 28/700 West Pallithamam Bldg., Karunakaram Nambiar Marg, Round North, Trichur-680 020. Tel. : 331259. Vijaywada : 27-37-156, Bunder Marg, Next to Hotel Manorama, Vijayawada-520 002. Tel. : 74434. Vishakhapatnam : Ratna Arcade, 3rd Flr., 47/15/6, Station Marg, Dwarkanagar, Vishakhapatnam-530 016. Tel. : 548121.

BRANCH OFFICES UNDER NORTHERN ZONE JURISDICTION

Agra : Ground Flr., Jeevan Prakash, Sanjay Place, Mahatma Gandhi Marg, Agra-282 002. Tel. : 54408. Allahabad : United Towers, 3rd Flr., 53, Leader Marg, Allahabad-211 003. Tel. : 400521. Amritsar : Shri Dwarkadhish Complex, 2nd Flr., Queen's Marg, Amritsar-143 001. Tel. : 210367. Chandigarh : Jeevan Prakash, LIC Bldg., Sector 17-B Chandigarh-160 017. Tel. : 703683. Dehradun : 2nd Flr., 59/3, Raipur Marg, Dehradun-248 001. Tel. : 746720. Faridabad : B-614-617, Nehru Ground, NIT, Faridabad-121 001. Tel. : 219156. Ghaziabad : 41, Navyug Marktt Near Singhani Gate, Ghaziabad-201 001. Tel. : 790366. Jaipur : Anand Bhavan, 3rd Flr., Sansar Chandra Marg, Jaipur-302 031. Tel. : 365 212. Kanpur : 16/79-E, Civil Lines, Kanpur-208 001. Tel. : 317 278. Lucknow : Regency Plaza Building, 5, Park Marg, Lucknow-226 001. Tel. : 238591. Ludhiana : Surya Kiran Phase II, 92, The Mall, Ludhiana-141 001. Tel. : 441264. New Delhi : Gulab Bhavan, 2nd Flr., 6, Bahadurshah Jafar Marg, New Delhi-110 002. Tel. : 3318638. Shimla : Flat No. 401, 402, 403, 405 Mukesh Apts., Fingask Estate, Near Hotel Sheel Shimla-171 002. Tel. : 257803. Varanasi : 1st Flr., D-58/2A-1, Bhawani Market Rathyatra, Varanasi-221 001. Tel. : 358406.

प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित
एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1998

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Faridabad and
published by the Controller of Publications, Delhi, 1998